

DPN 6219

Title : मे सफू मे सफू ME SA PHU

Run. No. 6910

Cat. No.

Micro. No.

Subject मे / Songs

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 23 x 13

Folios 101

Lines (in a page) 8

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

जुजुमान महर्जन

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Jujuman Maharja

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

टिप्पणी : मेरा दीर्घक सफू सिरा २५
Song titles on the margin
of Ms.

गिष्वाली: बुकी हँहृण गीतगोविन्द काव्य में हँ
 नेपालभाषा में, हिंदी व मैथिली में, मैथिली में भाऊदास विरचित (नामाला
 में ही १-८४; देवीदास भाऊ विरचित नाम में हिंदी; भाऊदास
 नेपालभाषा में, भाऊदास काव्य में उगु एणवहृण दाहमा नी दुगु नेपालभाषा
 में ही हँ (२२९ पुरु में); उगु सङ्कति श्री २ एणवहृण दाहमा ईमाह
 नेपालभाषा की भाऊदास विरचित पू १:५ हँ)
 एणवहृण दाहमा भाऊदास काव्य उगु में (२६४)

उगोदे हँ (मैथ २६६)

बुकी मैथु हँ निलें २६३ पु हँ नल २६३ न्या: मा मैथ २६ नल नल
 द्या नी मैथु हँ मैथु । न्यासाम् प्रकाशित न्यास नामोमा मैथो में /

श्रीवत्सलधर्म
श्रीवत्सलधर्म

तितता न॥ ४॥ अविगत नूपधनं ॥ ५॥ ५॥ ॥ नाग आसाव
नी ॥ वोता नखं ऊति ॥ आयलय रुक्मल दानमा वामन वदधुनिक नगथा
(धुवलि सुनी जाता हस्तार्घपा दार्घ पूजा की रुकिरा अस ॥ १॥ माधव कः
नवतान वामन ह॥ कजानी नूतन रूप गयी वली दान ॥ ५॥ दान क वलतः
लि आमा ए ह म द तीन पग धनति दीयं प्रिविक्रम नूवतान प्रकृप पृथीयः
प्रकृप गल्वर्ग दार्प ॥ १॥ प्रकृप ग कहा धनि मामाथ धनिय वलि दवि पा ताल
गय वलि उम वमग्व प्ररुद हवि सु वलिक चो की कर्षा न ॥ २॥ वलिक वल
कनी वा अन थ गयी नूतन दान माथा धि रुत क वि वली क माधव जान द
जव पा अ सु वला की ॥ ४॥ श्री मा धा स रा अ कह वली न रुक्म किय वाम
न रुल्य दामा दन रुकि स वली न पाय आद न सा ह व द यान ॥ ५॥ ५॥ ५॥

25
20
15
10
5
0
centimeter 5 10 15 20 25

वक्रनपजाग
वक्रनवर्णिगमा
नक्रनप
निरुगनिमा

१ नामकलीनाग ॥ रूपकताल ॥ नृकनपजाग सजाद नृपन कहग नमा
रुगवत उरक पजाग नही पध जवखमभा बाधत नाथ ॥ १ ॥ ननहनी
नर्सिह नृपधन प्रजाद की प्रकावती पनगत ॥ ५ ॥ नर्सिह जायक हि
नृपक पकन लयी जगि उ प्र नाथ क नृपदषठ नातदिन हीन हिनल्ये
कथन रुत ॥ २ ॥ प्रजाद नृकन करुजदि एक वत्सल रुगवान
एतिस कोटिदव सुवरुजत मंगल नर्सिह नाम ॥ ३ ॥ श्रीमाधवदास रु
ओ कहहे नाम रुहिता नन मना कतन नृकन विनाध ननका सुवक रुम
नता ॥ ४ ॥ ५ ॥ १ ॥ ॥ नाग गोत्री ॥ एकताल ॥ एकन नपति विना
धकि यजव नृउता न पसु नाम लल कृषी सवे निरुजीय कणी स
वषत मातन रुगपथि धाज ॥ १ ॥ पसुना श्रीमाधव नृवतान वनल

मापियवलिमा
नयकन उधन

क दास रुजपत श्रीनामदास क नाष निहल ॥ ५ ॥ कनत निकाधकि
कृतिनिगर्हक जन्म रुय धधत मान नृपवाही साकन जगत किणी धन
तनिगत लिषन पवर्त ॥ २ ॥ हितक नि प्रजाद पिताक वचन मितो उः
हि पतिन नाथ कतन क पतिन उधन कनतत सागन सुवक यतान ॥
॥ ३ ॥ श्रीमाधवदास रुओ क लपन दनगन पाओति हान मनहनमा
हन वेकथन रुकनी कपाक नरुविहर्न ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ॥ नागक
दाना ॥ खर्जति ॥ नयकल उधन नृवतान दगन धन नदन नामलक
मन रुनध सुतुर्ग वाव नृवतान रुय ॥ १ ॥ नाम नाम सुं कजिगतः
क दाता नृत्मा नाम ॥ ५ ॥ नाजरुन धकदि नामक वन वास रुजीः
न सीता वावन रुनी मानत वाविमिलत पुग्री ॥ २ ॥ लकाजलायिः

नावनमानि, रुवीककनाजदी, सीता नाम लक्ष्मण, अश्याहिनी कनकः
 आयि ॥ ३ ॥ नामनाग कि सुव, जात क दुनिया, स्वर्ग लगे, धन्य नाम क, जग
 द कान, सुन मूनि न न सुव ॥ ४ ॥ श्री माधव क दास, राउ कहत, हुनामना
 म, भाक को न गत हो, कर्म नाजा नाम की जय ॥ ५ ॥ ५ ॥ २ ॥ ॥ नाग का
 क्रना ॥ पन ताल ॥ हुन धन न वतान लिय, वल रुड नून क ना नाय ली
 वल दव, बाल रूप धन, खल क नय मूना क ती न, हुन धन ॥ १ ॥ सा धन क
 हित किया, श्री नाम रु क पाल क, दूध मान पति त उधान न, जगत क दाता
 ॥ ६ ॥ बकल छाठी क, मथुना न हत त, जला संध व धनार्य, अश्याहिः
 नी, अथा रु लि, मथुना धनि, जला संध जानी क खोज ॥ २ ॥ श्री बल नाम ले
 मग हल लिय, मान लिय, कृत कती क, अश्याहि नि अथा रु क, मान क जला

हन धन
 निरति ना

सुध, सुश मन लाय य ॥ ३ ॥ जला संध कय, क सप क नी ल्या यि, विना मान य,
 कान दिय, रुन रुन आय मानी, अथा रु अश्याहि, जला संध, रु रु क दिय ॥ ४ ॥
 आयि सग न वषत मा मानि, ति आ सा त, अश्याहि नी मान, अथा रु वषत आ
 य, अथा रु अश्या नी ली य, मथुना धना दव ॥ ५ ॥ श्री मजला संध मानी मथ
 नाला क, सुवली, दान का जाय, एक नात मय रागी, मथुना छाठी, नाम रु
 म, दान का राग य ॥ ६ ॥ दानी का रु व, रुग य, वल नाम रु म, माहन दान
 कान ह, पन वषत नी गति, अथा न पान, दानि काना थ जगत व्यापि र ॥ १ ॥
 श्री बल रुड क, दास राउ कहत रुपा नाथ, वल दव, प्ररु व न ल क आस
 कि दास, कम न पून क नी द उ ॥ ८ ॥ ५ ॥ १० ॥ ॥ नाग काला व ॥ ष रु
 ति ताल ॥ जगत कि प्ररु, जग नाथ ओतान, वल दव, दव कि, पून, नंद लाल

जग ग कि
 कम नि नि ना

॥१॥ वृद्धकान्नवतानहं, कंठवर्ण ॥ क्र ॥ सुनमूनिनत्रलाक, थाकृर्धनध
 ॐ, दनजनकपाकन, रागककृपा ॥ २ ॥ कृपानिधि, दयानिधि, कनूला
 मयकं, त्रैलाकह्रीध्वन, उहीजगताथ ॥ ३ ॥ रागपाय, दर्पदहापतिन
 नूक्षरं, जयजय, जगताथ, गुडाचनर्ण ॥ ४ ॥ श्रीमाधवदासराउ, पूका
 नतं, निवाहाहनिउलगभय, सुदाकाल ॥ ५ ॥ क्र ॥ ११ ॥ ॥ नागवि
 जयना ॥ ॥ कृतप्रकता ॥ कलिकि, सुकयिज, रागीकलंकिनूपधन,
 गी, नामनामनहिन्नाउगी, नमधर्मसवरूलजागी, ॥ १ ॥ जवकलंकि,
 सुवमानी, सुनसंसात्र ॥ क्र ॥ ब्राह्मणभयत्रीनकनी, वदगुत्रविद्याको
 दी, स्नानदानपूजानाकनी, लारुनीवकर्मसवकनी ॥ २ ॥ नूतिनजा
 गध्यान, छाडी कामनसकृजकनी, मायापापकनवतानी, उनुदवर्णि

वहनिमा
 कहिकि

डाकैयगी ॥ ३ ॥ रूपतीलकनलयी, दाहिरुना, दगुकनी, पूर्वपकृलाग
 मार्कनी, ननपनिहायिकंगलकी ॥ ४ ॥ वयीस्यसुप्रवृटिनदी, दानपूव्य
 जगच्छानी, वताकलयकर्मवायी, हनिरुकाजगभायकनही ॥ ५ ॥ ब्राह्म
 णकनीवेधमृद, वानवर्णप्रकहायी, वलमानलूगकषायी, दवसुजा
 कनसमाजयि ॥ ६ ॥ श्रीमाधवदासराउ, कहुतप्रसकनीत, सुष्टिस्ति
 निसंहानकनी, जगपतिवाहसाहिकनी ॥ ७ ॥ क्र ॥ १२ ॥ ॥ नाग ॥
 नट ॥ तालखकृति ॥ प्रसन्नवताने, मथनासहन, वसुदवदवकीपू
 न, गमकूलमानन्दजसादाकी, नषहम, लयिवले, वन्दकृत ॥ १ ॥ श्री
 कृष्णकन, जगत्तुधाने, पूननवधून्नवताने, ह्यतिसकोटिदवकद
 व, मोहनवालनूपधन ॥ क्र ॥ वसुदवउधे, मनपकृताय, वालमक

नगिसुखमा
 प्रसन्नवगान

दलियचल्य, कुट्टटि, वंथन, सुवधूलगयी, एमकल, नंदन, घनयूग ॥ २ ॥
 निदमनहं, जसादान्नपन, वालनूपनाध, धविलिय, वसुदवहिनत,
 दवकिपूकत, दविलिय, यमनातननं ॥ ३ ॥ सुनननमूनि, मंगलगयक
 न, नंदजसादाहनधितं, गलवाल (मपिनि, हनषवधायी, कनसव
 लाकमनमाहं ॥ ४ ॥ श्रीसामधुन, कमलनयनं, प्रद्युम्नपूषजनमह
 र्यं, राजादासकहयं, थकलकसुवर्नं, शगरुनवाकनीकर्न ॥ ५ ॥ श्री ॥
 ॥ १३ ॥ ॥ नाटना ॥ लंजतिनाल ॥ दूधपियी, मनगयी, दूतनातानं,
 मातिषात, मूषतिनिलाकदधायं ॥ १ ॥ एमपीनाथरमाहन, मूनदीव
 जतं ॥ ५ ॥ उवलमवाधि, जमनाईतनानं, जसादोक (मद, वाल (मपि
 कषाली ॥ २ ॥ धन्यरागमानि, ग्याल गली, सुवक, पनं वक्रनिल, सन

पमपिमा
 दधपिमा

आयषायजायं ॥ ३ ॥ एमवर्द्धउथायक, एमोअववायं, एमपिनीसुनस
 रुदाकनंखल्यं ॥ ४ ॥ श्रीकृष्णकदास, राजापूकाननं, एमविन्दकनूः
 नामयजनादनं ॥ ५ ॥ श्री ॥ १४ ॥ ॥ वेलावनना ॥ नघ (मषनतालं
 ॥ बलनसखिवृद्धावनदधन, मूनवीधनं, खलनतनहिल, मदनमः
 नाहनस्यामसा ॥ १ ॥ जायकसुन, मधुर्ववनं, दखिकमलेनयनस्या
 मा ॥ ५ ॥ मूनविधनि, कननहि, माहनकृष्णवालिर्न, कनसवआयले
 एमपिअहिप्रदलनं ॥ २ ॥ नषतकन, स्यामविव, एमपिनिस्वधनी
 नं, कहीनगयी, सुषिगुफसे, धूधतवृद्धाव ॥ ३ ॥ धूधतमिलस्यामहसी, व
 पिनिनहिक्कानिर्न, एमपिनिस्वपकनि, जानकननाषनिरागतं ॥ ४ ॥ य
 पिकनत, विषादकवहत, कनिषाजितं, दधततगपिनि, स्यामपकसर्वमि

कणिगसमा
 नलगसहि

लिधनं ॥ १ ॥ जवदुरुगनहिक्काडी, एमपिनिमिलिकहर्त, वाल्वचनकन
 लि कामनस, नातदिकनीत ॥ ५ ॥ कृष्णकनत, कलाशोनालिक, एमपिनी
 माहर्त, कतनकनसक, रुन्दावन, धलतकगर्व ॥ १ ॥ कहतराउदासक
 सुनतकृष्ण, एमपाल, दनगनकुमद, प्ररु, एमपीनाथ ॥ ८ ॥ ५ ॥ १५ ॥ ॥
 १॥ रूपालिना ॥ १ ॥ खर्जुतिताल ॥ १ ॥ एमविन्दरुन्दावन, नतिनसकीना, कथ
 नक, जिनकन, नसर्गरीना ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥
 वन्दमा ॥ ५ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥
 जाना ॥ २ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥
 जाना ॥ ३ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥
 वजाय ॥ ४ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥

एमविन्दरु
 सनसमा

एमपिका ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥
 खलना ॥ ५ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥
 जाना ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥
 ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥
 धमावधायक, ल्यायहमात्यर्वत, दख, पनवतहमाल, हसनहयकन, पि
 ताउमकाका ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥
 पाना ॥ ५ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥
 पिठुम, हसक, सनापदिउधर्त, जगतउधनकन ॥ २ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥
 यमनापसि, ससात्रुमहितान, कतनकवनर्ष, कृष्णवतान, कृष्ण
 यमनाविवहाकन ॥ ३ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥
 नान्नायन, सनमलीकितान, जाम्बुवतिनहर्त, कृष्णगयप्रकृतकन ॥ ४ ॥

सनदिगमा
 सुयकनदि

25

20

15

10

5

0

पुस्तक

नृहिविधिमानं कृतककर्मन लिखत दधत कथिनं कद्वखकी पीयडुम सु
 काकं विषोद नमति हाकन ॥ १ ॥ दालवधुमन घनमानहन सावंगप
 विवहाकन दालवधियमना प्रहसंगश्रायकं महलमवयथकना ॥ ३ ॥
 वनगसप्रलद हमकडुमन श्रीजयकृष्णपाले दासराउाकहहह
 निहनिमनान नयुहमडुनूदासन ॥ १ ॥ ५ ॥ १ ॥ ॥ ५ ॥ १ ॥ ॥ ५ ॥ १ ॥
 एकताले ॥ चलहममथनाक वालहत कंण हमइनरायिकवलज
 लदीन ॥ १ ॥ मनकामपूनाकनि आउना ॥ ५ ॥ सवदूजगय नामक
 मथनाक पूगगय कावधधकाषूलदन ॥ २ ॥ ॥ ५ ॥ १ ॥ ॥ ५ ॥ १ ॥
 हाथिपहिलमानि नहिपहलवान वावकयमानि ॥ ३ ॥ ॥ ५ ॥ १ ॥ ॥ ५ ॥ १ ॥
 षि अकपूवननहि कंण कूउगं कं कंण पकप्यकाठी ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ १ ॥ ॥ ५ ॥ १ ॥

वलमथना
 नृजनिजमा

२क

हय वदिकृति वसुदव दनगुनमावाप इनकीकनना ॥ १ ॥ हनषकि
 सवलोककहजयकृष्ण उगसनकनाजतीतुदियनर ॥ ३ ॥ श्रीकृष्णः
 कदास राउाकहहन मनावथपूवकनि नामकृष्णकन ॥ १ ॥ ५ ॥ १ ॥ ॥ ५ ॥ १ ॥
 ॥ ॥ रुववना ॥ पविमानताले ॥ विनतिकनतउ ॥ ५ ॥ १ ॥ ॥ ५ ॥ १ ॥
 सवरुयवनीवषत गउनविलेन वालतसृजउदप्रनिडानकवन
 ॥ १ ॥ ५ ॥ १ ॥ ॥ ५ ॥ १ ॥ ॥ ५ ॥ १ ॥ ॥ ५ ॥ १ ॥
 लरुनक दासनल्यायकनाषत ॥ ५ ॥ १ ॥ ॥ ५ ॥ १ ॥ ॥ ५ ॥ १ ॥
 पिताम्ब धउतिनाषित वेथकिनषन सिहासन सनकय मनिजननष
 किधन ॥ २ ॥ पूजकयनूवनक राजनकव मवासव थदरुयजात सुन
 मनिनननानिनाय दनगनकवप्रदण सवक ॥ ३ ॥ ॥ ५ ॥ १ ॥ ॥ ५ ॥ १ ॥

विनतिकन
 नृजनिजमा

centimeter 5

10

15

20

25

हनिनहिमा
सुयवनके

वदसि यदिमा
रुपतिवति

ॐ सामग्री, अगना, रुम, रुमविकिकर्न, प्ररुक्षव न सव कय, वाहिय त, उध
व कहो रुम सार्व ॥ ४ ॥ ५ ॥ १२ ॥ ॥ मानूधना श्री नागा ॥ खर्जुतिनाल ॥
सुयवन कनजग, नृक्षिनिहनन, वाहाय कर्ष, नथच कायल (ली) ॥ १ ॥
॥ कल वलंगयी, लाकद घन नहय ॥ ५ ॥ ॥ नृक्षिनी, मूक्षमगय, रुजलिय
लनन, लनततहान, नृक्षमनिववा ॥ २ ॥ लाकलाजमानि, दिनग
यी, दलक, घनवन नृपन, ना ॥ नहिकन्याक ॥ ३ ॥ श्रीकृष्णकदास, रु
आकहय क, नागिरुयी नृक्षमिनी जगत सवक ॥ ४ ॥ ५ ॥ १० ॥ ॥
१ वनाडिनागा ॥ नघुषनताल ॥ रुपतिवति, कन्यासृजि, पुन्दननि, आ
कर्षि, हनतिरु नटिकयदक डिनाष, ननका पुर्दे सवतार्नषत, साह
जार्ण उपरी, कन्याकर्नावित ॥ १ ॥ पनवधुकीन २ कृष्णगयिननकास

मार्न, निकालि सव कन्याक, तिर्थमनाहाय, दखिकृष्णकमलनयननृप ॥
५ ॥ लगयिनखिकन्या, सवपासाकरुनि, कर्दिनि, नलकिजेवलि, गहना
पहिर्न, सा ॥ तन्र ॥ पकन, विवहोजासाना, लाक रुम वाहियकजार्न
॥ २ ॥ जरु कथलि, साहजान, प्रकल अनाथ, सामग्री आर्कविवर्लरु
यीवर्क, जरु सवकनीवन, वनावननषसादा, लाक सवजरुपवधित
॥ ३ ॥ मंगलगयलाक आयि, गंधर्वनावलगी, वदधनिहाति, वजकन
वाय, लालसकन आय (ली), रुवनय दुर्दणका, दषकन श्रीकृष्णवनिर्ष
॥ ४ ॥ श्रीकृष्णनृप, साहजार्सि उपरी आथरु, प्रकृष्ण, प्रकन्या, जरु प्र
वैथ, जरुपन सववैथि, रुहस्पति, उ (क्ष), वरुड, कृष्णवल, कन्यासभत्या
व ॥ ५ ॥ जरुकिर्षूक्ष्णसायित्, प्रकन्यादान सवली, सवकि, प्रकसायित्

विवहार्यं, हर्षवत्तयककन, मागियसुदगकिया, दालसवननकनल
 गर्य ॥ ६ ॥ सवकविदाकनदयी, नूकनृपिप्रीकभ्र, कनतासका, जगतकि
 उरु, श्रीजयकभ्रकीज, पतिनकप्रक्रिया, दासराजकप्रतु (अविन्द) ॥ १ ॥
 ॥ ५ ॥ २१ ॥ ॥ (अपीवत्तुना (ग) ॥ एकतालीताल ॥ कभ्रकयवालाय
 नूकनृत्तुनाय, नानिस्कलवालायक, ॥ २ ॥ प्रथकगवलीचलक, ॥
 वरुन विनाम ॥ १ ॥ माधवककनन, कभ्ररिगत, वनिप्रकस्यामक ॥ ५ ॥
 दालवधिनानिक, साकहजानकगउउपनी, न्नाथसवक, दानकोऊ उकव
 लानि, सवक ॥ ३ ॥ प्रथदषवलीक ॥ २ ॥ काहिवधपालकि, काहीवधज
 जी, कतनिनथवधिजात, पासाकननग, गहनापेकक, ॥ ३ ॥ पनथसव
 गर्य ॥ ३ ॥ बलहित, नूकनृत्तुनघनकयजाय, श्रीकभ्रहनषितजात, लालक

कभ्रकय
 विलविगमा

नवकृतसवक, चाकृदाविका, ॥ ४ ॥ प्रगगयि ॥ ३ ॥ प्रथदन
 वान, पाणुवसवकनरुत, नानिकसवककाथनि, एकसनाजामभ्रनिकन
 दीर्य ॥ ५ ॥ ग ॥ नहिकाजककन, कनदषि, (अनकदिननहिरीन, पाणुव
 पाकवन, वरुनकभ्राय, विदारुहिसर्वगर्य ॥ ६ ॥ ब्रुसिरुयिदानकापूगी
 सवनहि, माहनप्ररुकभ्रनह, श्रीकभ्रकदासराजकहयक, मनकाम
 नोमनियुर्ग ॥ १ ॥ ५ ॥ २२ ॥ ॥ मानूबाना (ग) ॥ नघु (अघनताल ॥ लिष
 ककदूदीहम, सावनसाक, दूदीनकासावनसान, सवकीनगदीदिय, व
 कायक, रुनिलिषउमन ॥ ५ ॥ १ ॥ वयनागीरुनीपाय, पाउटिविथील, थ
 निदूदीरुजीहमरा (ग) ॥ २ ॥ प्ररुकभ्रलविरुजी, विथीववन, कक्रयीया
 दासरुनवन ॥ ३ ॥ कपाकनदानकानाथ, सवक, सखवक्रगजपद्मकाः

मरुगलमा
 लिषगकद

गोपबदनमा
मालाविष्णु

यं॥४॥छापहयजन्मनाजकुनेनपानजगतकपमिताउद्यान॥१॥कह
यकधीकृष्णकदासहाउ, दनगनदानकानाथकपायी, उनकपूनजन्म
नहिकवरुन॥३॥फ॥२३॥ ॥प्रीना॥ग॥वाउखऊतिताल॥माहा
वीष्णुवयकथनहन्, वनलियनानदज्जाय, वनवजायकन, गमउतना
गलिय, मृनिमृषनिकलनाग॥१॥विष्णुदषकन, दवलाकसवनहिदष,
नानदगमउत, हनषकनन, एककनिकेलीनाग॥५॥छनागकनागि
नि, छतीससमत, सवनिकलिआयनाग, ननेकसदषन, दवलाकाहरे,
मृकालियविष्णुमाहने॥२॥प्रीविष्णुगमजलहागेयदषन, गमनहिवि
ष्णुनाहिने, दषनतदवलाकसवहोनन, कमउललियवकाज्जाय॥३॥
वकाजखलिगमकमउलक, सवलियवकाजगय, गयकननानदन्न

किणलयमा
पुनत्रमन

कागवानिरे, रुनिविष्णुनूपधनयक॥४॥एतीसकाटिदवदननकि
य, जयजयप्रीविष्णुनूप, हनीगमनूपरे, नानदकमृषरुनीनागनागि
निगय॥१॥प्रिविक्रमकन्नवतान, वनकाकप्रहिगमवकाज्जाय, लि
वलियजटाभागमकनषन, पिछलग्गकिदीय॥३॥विष्णुदासहाउः नथा
कहतक, सवनूपमाधवताह, सनमृनिननकउद्यानकनन, वयक०
पनविनाजिर्न॥१॥फ॥२४॥ ॥विरासना॥॥एकतालीताल॥५॥
नमृसुनमिलि, समृदनमथन, समृकसषनागवार्ध, पूछनकननपः
दवलाकखेवी, रुतिननपदानवखेवी॥१॥नानायगकपाकनन, सन
गनपन, नाषनिहाव॥५॥निकलगनोननन, कीसुहमनीकलधनकेनि
अयलावतहाथि, निकलगवीजसवे, ललीनिकली, दषनतविकटन

पकी ॥२॥ निकलगतानाचीज, काल्कटनिकलि, सुनपानमृतनिकली,
 निकलिलल्लीनायी, ऐलाककिनालि, दधिजवमथनकंछाठी ॥३॥ निकल
 टवागाकनि, दानवलाकहि, काल्कटमूलल्लीदूनली, मगनतकननहि, द
 वलाकदानव, माहिनिवातेदइंगीमानी ॥४॥ माहिनिककहिमानि, सुन
 मृगनक, मृगिग्रहमेदूकपिलायी, निकलगचीजसव, दवलाकलयी, रु
 लीजवंप्रकनहिछाठी ॥५॥ प्रकप्रकतनपकि, सुनेनसूरुदाशदाकनि
 वेथीपंगतलीली, पिलाजानमृतदवलाकसव, दानवकमदपिलाय
 दी ॥६॥ कलकनीनाकलि, मृतमषदानि, नाककगिनरुदाकदयी,
 मूलल्लीमृनिकदयी, विमूलल्लीलिय, काल्कटनिवलियखायी ॥७॥
 सुनजयप्रकाशत, लल्लीनानायल, सुनगलक, जिवदानदयी, श्री

लल्लीनानायल, सुनउधानग, दासराजगभयरुनिपुल ॥८॥ ॥२॥
 ॥ ॥ पंचमराग ॥ ॥ खोजतिताले ॥ जयकनूमाधव, दासकप्रदुम
 माधव, पतिउधन, मदनमनाहन, वीनिधनमाहन, खलतवालकमृमा
 हधन ॥९॥ कृष्णकीनपाकीज, सवकविनति, सुनीजनार्दन ॥१०॥ वासु
 दव, मकन्द, गभविन्द, गिनिधन, कणव, जमधूसदन, हनिहनि, मृना
 नी, लालविहानी, गनूउधजहयिहारिन ॥११॥ विनामलि, वेकीथना
 यक, ननसिंह, श्रीनाम, श्रीपति, उमह, पूर्ववृक्ष, पूरुष, धनत, लीख
 वक्र, गदापदम, लंगरिह ॥१२॥ सुनमृनिननक, मृधनपनीवृक्ष, वउर्ध
 गलवनधन, दवकय, दवक, सवक, कसाहव, सागनसवकतावल ॥१३॥
 श्रीमाधव, कदासराज, कहगयी, वृकमापक, गभविन्द, दयाकनहमक, द

कनयदमा
 जयकनूमा

ननदप्रसूक, (मविन्दगीतसवगभयले ॥ ५ ॥ ५॥ २५ ॥ ॥ नपालसन्त
 २१५ हाडुकु १ राउसिहिन, श्रीगीत (मविन्दया, वामविनाउ, दयकतः
 या, थुथुथस श्री श्री श्री कृष्ण, दादसूदन, उद्ध, तउममउरु अथसमापः
 याना अउजाययास्यविज्ञायमाल, वाक्कयार्तदाख, मतउमापयास्यविज्ञा
 ॥ ॥ भाउिना (ग) ॥ व ॥ रुगतवत्सल, रुगवान, प्रकानतहाथि, ग्रहपक
 नब, नषितलाउमा ॥ ५ ॥ नषतहजाना, वनसकपकनी, वामहाउमदा
 ता ॥ १ ॥ कउललीहाथि, नामकवधाती, निवाहाप्रसूतना ॥ २ ॥ नानाय
 नन्नायी, ग्रहकमानीदीहधिकववायलीया ॥ ३ ॥ ग्रहहाथिइनकउधानक
 दीयी विष्णुहाप्रतिपाला ॥ ४ ॥ सनगप्रसूक, कहयराउक, नाषिलसुन
 बीना ॥ ५ ॥ ५ ॥ २१ ॥ ॥ भाउि ॥ व ॥ जगतसमइ, छिविनान, पलरुल

गनुजगममा
 रुगतवत्सल
 गनुजगममा
 जगतसमइ

मिषा, वानरिन्नी, जितरुतिता ॥ ५ ॥ जिमनशुलसा, रुगिषूनकाकुरुन
 पालायदयिन्नासा ॥ १ ॥ मषठजिहसा, थउयउपिखठ, निर्दयाकषु
 या ॥ २ ॥ गननमालसा, जिउरिठरुयन, राउयाचिरुनसा ॥ ३ ॥ ५ ॥
 ॥ २८ ॥ ॥ वलावनना (ग) ॥ व ॥ देवखलजव, स्यामकापायी ॥ ५ ॥ कुरु
 गयी, जमनाक, दरवत, नही, गलवालसवनायीनायीनही, दिनजात
 लगल, कषुन, रुिनन्नायी, नन्दघनक, कहयवलनकाही ॥ १ ॥ कहीः
 नायीनही, सबसूलकलयी, (मविन्दपूसीरुय, रुसिकनन्नायी, दासरा
 उकहय, कवही, कधिनाहि, जमनाखली, गलवालमतिजायी ॥ २ ॥
 ॥ ५ ॥ २८ ॥ ॥ वलावनना (ग) ॥ व ॥ मेकजिन, आसकाकुरलायन ॥ ५ ॥
 आतिमइ, प्रदषक, मवकमयी, (मकलसन्, मिमीअसनापलायी, कि

कसकनामा
 देवषुसजव
 कसकनामा
 मेकजिनअ

25
 20
 15
 10
 5
 0

centimeter 5 10 15 20 25

छिनन, धनकअनन, हानवर्द्धि, खालरिअति, ववनकसुतिजायी ॥१॥
 वद्धिमीतप्रहृष्टन, दयानतयी, लिपतहृष्टतिन, नसस, सजायी, वद्धिअ
 नवानन, लमनिक्किहृष्टि, दासराअन, मनतय, मरुद्धती ॥२॥ ॥३०॥
 ॥३१॥ ॥आदनानाग ॥५॥ ॥ओरनसवातया, प्ररुद्धि, तिनिजात, हक
 कल, छिन ॥५॥ ॥कपतकननजिन, लमछन, बाहाकालतय, अविमानः
 उवात्प, अनदिन, धीरुद्ध, मलाहा, लाडादासिक्किहृष्टिहाला ॥१॥ ॥५॥
 ॥३१॥ ॥आदनानाग ॥५॥ ॥भयाभन, हाउहा, कयसीकवना, हम
 न, तिनलाकदधिन, हाहा ॥५॥ ॥धमधमकनउम, वलिखिनि, नाकन, हा
 उक, वालापिक, आयिन, वालउम, लयिजायी, मनिजाहाहा, आउतले
 यिहा ॥१॥ ॥कननकअसुनकोमानकनी, दधिनहाकको, अजहनमाः

यिन, लाल, गदमनिनही, मनिआहाहा, कहलिमानिहा ॥२॥ ॥अविगतः
 बालनित, कहतदासक, लाउहा, कवरुनस्यामक, कहली, सवनाही, न
 हिजाहाहा, अजकदिनहा ॥३॥ ॥५॥ ॥३२॥ ॥पनजनाग ॥ ॥
 खलतमगियाखानि, बालमरुद्ध ॥५॥ ॥असादागयदधन, दधिवह, स्याम
 कयपकवधी ॥१॥ ॥उषल्लेवाध, दधियमसकाय, उषानक, धिस्थरागी ॥
 ॥२॥ ॥इतवृद्धक, धकासा, गिनतक, कमनार्जनतानी ॥३॥ ॥दासराअक
 प्रहबालक, नाषसनमहमानी ॥४॥ ॥५॥ ॥३३॥ ॥पनजनाग ॥
 ॥ ॥४४॥ ॥खिन्धामउला, लासारिनकी ॥५॥ ॥गवगलसहनस,
 लउतिउ, गलेवलरि, कविक्कि ॥१॥ ॥लेखकाहुआ, अससपालिवायले
 वातायाजालनती ॥२॥ ॥असुनिसान, तियाव, तिगुलिती, अजलन, उल्यः

दधनगजानिमा
 दधनगजानिमा
 दधनगजानिमा
 दधनगजानिमा

25

20

15

10

5

0

(महादव)
(धविमायीमा)

(धविमायीमा)
(भवमद)

हकी ॥ ३ ॥ स्वयंकायकं लिखितं न कृतं समाजियथयाकी ॥ ४ ॥ लि
पलातसु जीकेसु अममं सुलताउवा नाहकी ॥ ५ ॥ मनउदास राउ
या प्ररुमउ वकिहनेशु अदकी ॥ ६ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ विरासना ॥ ॥ ॥
ताल ॥ माहादवजगदीपन ताह ॥ कनहा निवभाजयधेनी ॥ ॥ ॥
षरधज सुमान वासि नाहि हनेषस्व रसलमयि जागम्यनपमुपति
हा ॥ १ ॥ धतुर्गतिनिदिन वासकने दिगचन राहा सुवकीदाताः
उहियइपति हा ॥ २ ॥ विधनाथ जे लोकनाथ उमहा कपाकन राउदास
कय द्रवहन उमापति हा ॥ ३ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ विरासना ॥ ॥ ॥
भवमइच्छि विमान नमायी प्रिरुवननाली जेनी पावेवती ॥ ॥ ॥
लास सुविष्णु क गिनिनदिनिकुमानी जे लोककिमानी जयथ कनादि

(मानसधानमा)
(जानकेसाध)

(मानसधानमा)
(वानसलाग)

रुवानी ॥ १ ॥ नूतिद्रवद्विया कसा अरुति सुहृष्टिन राउदास या विनति
हृहृष्टिन रुवानी ॥ २ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ नागकाहि ॥ ताल ॥ जानक
साथक वाहि हा ॥ ॥ ॥ जनमकय कल मननकय कलि खववदानी
साथमिलगी ॥ १ ॥ हनहनिनपन कनसकउतवि रुवसागनी पाः
नतावदी ॥ २ ॥ धनजाउरुनक घनवनकिरुकि यकसंगकी नही
वलगी ॥ ३ ॥ जवजमल गंग रिनिपक ताउगी वृहवाजिउ मती
हानी ॥ ४ ॥ निवदयप्ररुक रुमपनकनेकि प्ररुविसनी मविवा
जिने ॥ ५ ॥ कलपनकहिले राउदासकनन सुनी नामजी साहव
मनी ॥ ६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ नागकाहि ॥ ताल ॥ वानसलाग
कउजीकी ॥ ॥ ॥ सुथदनअनन उासुजिउ मिलरुउमुमाउलि

centimeter 5

10

15

20

25

जिसिद्धय ॥ १ ॥ कनयिनमकन जिनेकुककन ससिउउतिरधमिजम
इ ॥ २ ॥ कपतकजिमूद तलप्ररुघस्यस्य मातिमालजिगवियातथ ॥ ३ ॥
मनसजिलमल कपुशतुषठन राउदासिनि यामनचिउ ॥ ४ ॥ फ ॥
॥ ३७ ॥ ॥ नागलोनी ॥ वक्रताल ॥ जिनयनगकन नाचगहनखक
न रुवसागन तावससाव सुवक ॥ ५ ॥ वसाहवधि निवजाहव वाना
नसा नृधूधूक नहतकामिमा विषयवनजगगधय ॥ १ ॥ ववानवक
गये हननक राउदास मनन वनानस नरुनक राउककाणीक मन
नकदना ॥ ३ ॥ दयानविषयवन जानन पयकामिमनय जीवसुवक
मूकदतहा विषयवनकनततहाला ॥ २ ॥ फ ॥ ३७ ॥ ॥ नागलोनी
॥ वक्रताल ॥ जिरुवन गकनी नालिरवानि नृधूधूक नसनविष्णक

विपगनरीजिनिमा
जिनयनगकन

विपगन
जिरुवन

जिनिमा
गकनी

कानीपनीह ॥ ५ ॥ लहीकसकलाक मायिह नृधूधूक नृधमय
दविह जिउदकासयानृधन दिनपतिविया ॥ १ ॥ उदासहमाहामा
या जिमनसदान सुदष्टि गवलसह नसनकपाया रुवानी राउया
मंतया ॥ २ ॥ फ ॥ ४० ॥ ॥ नागपऊ ॥ चोताल ॥ साधन कहुअहिनी
कनतनाषनिरान ॥ ५ ॥ जानाहनकायास लगीह दषत नहिन पानि
क केसा जियगा रुषनसहिल पानिकिविहान ॥ १ ॥ दासराउक प्रर
दषल श्रीनामजगत पालक कृपानिधिम कनत छिनम सागवतावे
॥ २ ॥ फ ॥ ४१ ॥ ॥ नागपऊ ॥ चोताल ॥ माधव छिनकननो सुदष्टि
सायजिमाल ॥ ५ ॥ लाहाजिराध स्वामिकुपुश दशनसिल नधिकानिया
नो उविधीकलक रालता गथका हिस्यामा ॥ १ ॥ दासीराउया भवय

साधनसमा
साधनकय

साधनसमा
साधवाकि

नृषः मदनः पूनृषः अकालः अनाः उतिषाययनः मधुसाः ह्यः अनासाः अ॥ २ ॥
 ॥ ५ ॥ ४२ ॥ ॥ नागः आदना ॥ मदनः मानाः नृषः मनः मना ॥ ५ ॥ मूनः नीकः
 धनिकनीः खलः वृद्धावनः नृषः नृषः दधनः जायी ॥ १ ॥ सवः सखीः मिलिः च
 लीः स्यामः मिलिः नदीः नसकयः वाटकः गुनी ॥ २ ॥ वचनः कः मूथः नदीः धी
 रुषः प्ररुमनीः घनः कयः आयिः नसकी ॥ ३ ॥ ५ ॥ ४३ ॥ ॥ नागः आद
 ना ॥ ॥ चिवनः दासः राउः लर्मनीला ॥ ५ ॥ रुषः रुषः नथलिः मच्चिः सः
 सानः लहियरुः जितमरुः नामः रुषः रुषि ॥ १ ॥ ५ ॥ ४४ ॥ ॥ नागः जय
 जमकि ॥ ॥ माहः मायाः माहः मायिः रुषः कालिः कालिः कामायी ॥ ५ ॥
 गिनिः नदिनिः कुमानीः दविः जयः चलिः काः विरुवनेः नृषीः नालीः पानवती
 कनूना ॥ तिना ॥ १ ॥ महः नृषीः थकनानिः दैत्यदकाः भाचकाः दक्षः मधिम

नृषः पिः उधनः याः छिदया ॥ तिना ॥ २ ॥ दासः राउः अननः झाकः रुषः रुषिः
 कालिकाः दृखदकाः रुषः रुषः अः सखः कोदः लातक ॥ तिना ॥ ३ ॥ ५ ॥ ४५
 ॥ ॥ नागः जयः जमति ॥ ॥ नामाः स्यामाः दनाः रायीः यमूनाः कनि
 नमाखली ॥ ५ ॥ गपवालः सवमिलिः खलततमनकाः कवहिनीमा
 विकदीः कवहिनः हसता ॥ कीना ॥ १ ॥ नृषः दीनः मकनकीः गपवा
 लः सवकाः नामः रुषः मूथः दनाः रुमकनीः खलता ॥ कीना ॥ २ ॥ दनरा
 यिः नागः कहीः खलवालः नाचता ॥ नृषः नामदीः दृधदहीः लतकनीः खला
 या ॥ कीना ॥ ३ ॥ कहयकः राउः दासः कनप्ररुः कनीयाः मनीः दः खदनः
 दकीः नीककनीः रुषः दना ॥ कीना ॥ ४ ॥ ५ ॥ ४६ ॥ ॥ नागः धुवी ॥ चल
 टि ॥ रुषः घाटिकनरुः पीयरायिच ॥ ५ ॥ रुषः महीनाः गर्वः रुषः आज

हांगकपीकन वलिल वनानसजा ॐ निवकदान ध्यानकननहील ॥१॥
 दोसराउका मनमन्त्रोज गीकनेहमके वालिह कागि विषय सर्वकतान
 सागेन मनन कालिब ॥२॥ फ ॥ ४१ ॥ ॥ नागधूर्ति ॥ ॥ नीगिरुगि वि
 (वध्या उ ॥ ३॥ फ ॥ ४२ ॥ ॥ नागधूर्ति ॥ ॥ नीगिरुगि वि
 क ॥ हागधमानीन सकटाउभय कागिवास रुनिसकली ॥१॥ सीसानसि
 नामाकला दग कागस छछसाउहन सवनसदानकिक लाउया म
 नधूनयाछविष्य ॥२॥ फ ॥ ४३ ॥ ॥ नागधूर्ति ॥ ॥ नीगिरुगि वि
 वरुगुत पनमध्वन आदि ततीकाटिहो ॥ फ ॥ ४४ ॥ ॥ नागधूर्ति ॥ ॥ नीगिरुगि वि
 विष्णु राकन मूगुत सकल कनदाताहा ॥१॥ चउर्दग सवन जनसव
 पातन मंगल कनत उमदाताहा ॥२॥ अवनकनता हाप्रसून दास

हाउकहपतित सवतावहा ॥३॥ फ ॥ ४५ ॥ ॥ नागधूर्ति ॥ ॥ नीगिरुगि वि
 ताव ॥ छहनकन केरु सतयानानी वाजध्वनीह ॥ फ ॥ ४६ ॥ ॥ नागधूर्ति ॥ ॥ नीगिरुगि वि
 कीगल याहन उधान जयजननीदविह ॥१॥ चवनसवन विअरुवाः
 नी सदानकिक दास हाउयातयाउह ॥२॥ फ ॥ ४७ ॥ ॥ नागधूर्ति ॥ ॥ नीगिरुगि वि
 यज ॥ पविर्मा ॥ नेदिरुगि इनगीतगभयी निवनाच दिसिदिमि दमन
 वजायि घुमीघुमी ॥ फ ॥ ४८ ॥ ॥ नागधूर्ति ॥ ॥ नीगिरुगि वि
 निहवह नाचय वनीहसी ॥१॥ सनउम रालानाथ हाउदासगभयी
 रथगत दिगथे दिदिदी दिदिदीदी ॥२॥ महध्वन पगुपति जगतउवा
 नी सदानिव सर्वक कृपाकनीउमही ॥३॥ फ ॥ ४९ ॥ ॥ नागधूर्ति ॥ ॥ नीगिरुगि वि
 ज ॥ पविर्मा ॥ कहिगयीप्रसमनी रुनीहमन्त्रायी गयीहनदगस सदा

नजउरुनी॥५॥मनीसुनइना,दषआलि,माटिरुयी,सहिनहीजासवि,
 गवनूषीजील्योयी॥१॥दनदकीसुनारुष,मनीप्यासलगा,गवनूकहा
 थक,छातीमसनीदानी॥२॥मतिकनीसुनाउम,धर्ममतिकीउ,राउके
 हिस्तनन,रुजलेहनहनी॥३॥फ॥५२॥ ॥नागजट्॥ ॥अरु
 गुतीशविपती,देवन,याका२याकदनासुतअती॥५॥रुणीनाजजिन,
 गनमषनन,साल,रुवानियादास,रुस्यवीनमनअती॥१॥गुलियान,
 उलेसन,रुगुति,मजिला,कनूनानरुगवेत,छिंवीमालिवृद्धि॥२॥रुतिथ
 स,जिन,यवि,गुदछिनसाध,धपाववचयमरु,रुलअतिदधी॥३॥दा
 सहाउछिन,थअमवाषेनमाह,दयागया,लखलपि,विधुनिवासिनि
 ॥४॥फ॥५३॥ ॥नागजट्॥ ॥माहादेव,पुपति,जेलाकना

अरुगुति
 (मानागतिमा)

महादेव
 (मानागति)

थर रुदरायागुविनी॥५॥गंगवागमतिधीस,सुवर्णपूनी,पुप
 पति,गुधुध्वनी,नवनविष्णुस्य॥१॥गणेशकमान,रुलिमूष,वागुकी
 रु,दवगार्षिसकलन,लितकाउवास्य॥२॥वलाहल,अरुदरुल,गिव
 नाजीवान,आर्जतीर्थमालकय,कार्लिलच्छिअन॥३॥पतिगयागति,राउ
 लानाथअसरुस,दवमनि,नननानी,उधनयाहस॥४॥उरुनयाकानि
 थगुथास,रुजलप,लायीअध,यदपति,जनममधिकस॥५॥फ॥५४॥
 ॥ ॥नागकादना॥५॥रुजामन२प्रीनामरुषु॥५॥(गोनव,धातस्त्रि
 ना,गववर्धनगिनि,स्यामसुन्दन,मुखवर्णीवजाता,नाचना,गाथे,नजीदगद
 गाथे,कहहाउ,दासकपूर,बालरुषुसाहिमनी॥१॥फ॥५५॥ ॥
 नागकादना॥५॥मनअनार,नरुदमिजी॥५॥जितरुति,रुिकसाउका

रुजामन
 (निवरुजामा)

मनअनार
 (निवरुजामा)

(गननाथमा
आदिनि
प्ररुजिउ
गननाथमा)

कुरुजिहती, खालचन्द्रमाउडुल्यश्या, साउना, छिथलिठु न्नगर्नमद्, न्नव
लाया, मनपूथया, कान्जिक्कस, सुआया ॥१॥ फ्र ॥ ५६ ॥ ॥ नागकल्याण ॥
वक्कताल ॥ आलिनि, चलाय, जातगजमना, अहि, स्याम ॥ फ्र ॥ सवकजियका,
न्नधनन, उनविन्, पानहि, नहिजायनिदधिय ॥१॥ उनकनसकनिया, हम
सखि, सुलि, नहिजावय, भनीजानक, साथहु, कवस, प्ररुक, मिलाहम, कह
चनक, दासिराउ, रुयीय, दधिय ॥२॥ फ्र ॥ ५७ ॥ ॥ नागकल्याण ॥ वि
क्कताल ॥ प्ररुजिउमान, घाटसस, आनालखकान ॥ फ्र ॥ असकलमहाः
निघाटनषाय, पनदम, मालन, अर्विन, रुवायन ॥१॥ मिश्रसुप्रमया, रि
त्तामैरुक्कति, सहनमथनाया, हिठत्वालेनकल्याण, हलपसलन, लिहा
मउसाउ(ध), कपतन, लातन, राउदासिनि, यागन ॥२॥ फ्र ॥ ५८ ॥ ॥

(नयसर्वमा
रुजगविभना
जयजगनाथ
सावपनिमा
रुयहनिमा)

नागहरेनवा ॥ प्रताल ॥ रुजतविन्धनाथका, रायी, चलिकानीयूनी ॥ फ्र ॥ उत
नवाहिनि, रागानर्थीगंगजी, नहायन, पापमनि, मनिक्कतीजायी ॥१॥ स
वरुय, दखजा(म), दूनजाना, बाहिय, दासराउ, गीतगभय, दनामिलिजाः
यी ॥२॥ फ्र ॥ ५९ ॥ ॥ नागहरेनवा ॥ प्रताल ॥ जयजगनाथस्वामी, दयाक
पान, याहन ॥ फ्र ॥ जगतउक्षययाक, नामक, प्ररुडा, साधन्नवगानका
स्य, दनभनविउ ॥१॥ सननसदान, प्ररु, सुवायायरुयक, राउदासया
मनपूथ, यायमाउ ॥२॥ फ्र ॥ ६० ॥ ॥ नागबर्हाग ॥ ॥ हयहावेभा
क, काहुजनदी, वनथकी, दाविदनी, दधाद्वमनीहनी ॥ फ्र ॥ कनसक, हा
विनायी, नायकन, हममागत, दनदिक, जिवन, अकानथ, हमनीकिरुयी
॥१॥ पतितक, पतीउही, नाखसुनम, हमानक, कहयराउक, कउम

25

20

15

10

5

0

कनकुमदी ॥ २ ॥ फ ॥ ६१ ॥ ॥ यहांगनाग ॥ ॥ जायरुति वायर्कमनरुम
 ती, जिविनति, छरुहनि, साओमाला मलहनी ॥ फ ॥ नूनथनउनिमइ, स्यामग
 नचन, लायिन, कपतन, लातन, जिहुहि छरुलथनिहनि ॥ १ ॥ छिनजित, थनि
 वियधकसलताओगल, ववीधक, नानेनयात, जिओनप, मलातहनि ॥ २ ॥ म
 नविय, गुलिखउ, सानवि, थओयाओन, रुषुशन, लामन, राओदास, थनि
 छिनहनी ॥ ३ ॥ फ ॥ ६२ ॥ ॥ नागसानथ ॥ ॥ हीमलन, दूऊधिनस्य
 काधकी, अतिरीमसन ॥ फ ॥ बाहाकजीवक, मानतगदा, जोगक, तानतदि
 य, गिनिमूछलि, लातपत, कनदखकन, हीमसन, काधकी, दूऊधनमानी
 ॥ १ ॥ धानक, सोनक, गर्जत, किना, वृकादन, बालन, कन, दूधकमान, लाकः
 हर्षरथ, पाछुवक, हसिनाधन, वाजरुयी, रुषुसाहपायी ॥ २ ॥ दषकला

कक, पूसीकनद्या, धर्मक, वाजक, हायी, धर्मकियाक, लाकसवधध, दास
 राओयूकावत, पाछुवक, गुलजसगमयी ॥ ३ ॥ फ ॥ ६३ ॥ ॥ नागसानथ
 ॥ ॥ पावक, नामराजक, दषतीलका, धूममचायी ॥ फ ॥ बालन, उकान,
 हनुमांक, ला, लीकाक, जातक, पूरा, लीकाजलायक, जाकि कषवलिय, नामः
 जोकहनुमान, अरुकी, सुनीनाम, काधकी ॥ १ ॥ बालक, ऊतिक, लुकमना
 व, जमिमघनाथ, दूधकी, दानासवक, बाननमानली, कमुकलू, म्यायजा
 न, नामधनूखयवी, तीवमानी ॥ २ ॥ कुरुकनन, सीनकवध, बानक, वरु
 कदखाकाननाकक, बाननरानय, नामबानखयवीमानी, कमुकलू, न
 कुरुयगिनि ॥ ३ ॥ लातन, कनउग, लियक, मन, बाननवरुक, मन, कुरु
 कलूक, मानी, धानकिय, दषतत, नावनक, कानिजलि, काधकियन्यायी

centimeter 5

10

15

20

॥४॥ जावकशुधक नामसुगान् नावन वरुतलन दसनावन वानवमान
 लिय नामनावावमान् दमगिन वीसुसुजागिनी ॥५॥ रुवकउपज भाग
 रुजक नावनरुवकनल रुविष्यक रुपगउनमान् प्ररुउमतीवमानी थ
 तरुति मूर्च्छालिय गिनी ॥६॥ दसत रायिक गालिक वत रुवक नावनरु
 म भागरुजाक वानताव दिय नामतीवरुलिसानी दम भागगिनी दस
 मनी ॥७॥ जेलाक दवक प्रकावकन श्रीनामक जयजयरे विरीकन
 कनाजदिय रुनी सीता नामलक मन नृजायक आय रुडाक ॥८॥
 ॥५॥६४॥ ॥नागनृदना॥ ॥वननस दानसनन कालिक ॥५॥
 विरवनस छिगुगुल पनकाग देहदकासाक छिन ॥९॥ जेलाकसकि
 विनातमइ आस पापिदकाया नृसुउधन ॥१॥ दवियादास रुअनेवि

एगनमनसा
 वनगस

नतियाध रुकन गुह्यकालिन ॥३॥ ५॥६५॥ ॥नागनट॥ ॥जग
 तसुवउमनाषनिहाना वालमकेन्दकननामय ॥९॥ लतीलाल रुमान
 किमावन ॥५॥ नन्दकलाल रुअ कलकप्राण वाहिय मूर्च्छलिय स्वाः
 यिय ॥२॥ मतियादउ रुनदिन कल्यायी दासुमान् रुअनाखिय ॥
 ॥३॥ ५॥६६॥ ॥नागजयजमकी॥ ॥रुगवतिन स्यातान् अरु
 वदक मालाज ॥५॥ देहखलकया रुकद वललाठावाठ वीनरुति
 काक वदनमूर्छन रुसुनमावकन रुहिरुके स्यादकाधनवाठन
 जयवति दास रुअ याउउधन रुवानि ॥९॥ ५॥६७॥ ॥नागज
 यजमकि ॥ विरुनिछिनजितरु अरुयवदानकाली ॥५॥ मखन
 थमनवनग छिगुजिन रुकजिवितिमाय वालख साअनरुपान रुवा

एगपीनन्दन
 रुगपीला
 एरुगवतीन
 एरुगदिनमा
 एरुगदिनमा
 एरुगदिनमा

१ मागन आय
१ मानि नि कान मा
१ माधव यग खान

निह मन छिन करनान सुदृष्टिन साहन रतिकाली दासराज आयामन पूनन
याहन ॥१॥ फ ॥ द ॥ ॥ नागद्वि ॥ ॥ मागन आय माधव यग ॥ ॥
दनीड हम बाबून दनी दन आयी प्रिय पथल रित्वी मागन ॥१॥ सुदामा कय
दखत कय बलि आयी पलंग मय थायी लजाय ॥२॥ पंषा कि वल लाला
य फन सुदामा की धृति याली प्रथिद कय माय ॥३॥ विदा कि वल तात न क
क नहि दयी रुनि दधि क क न कहि जाय ॥४॥ अपनी आपनी नही सुवर्ण
पूनी बाबूणी आप क न ल योग य ॥५॥ प्रहरी मरु वहा ले सुदामा तादी
दासराज सुनत न हीय ॥६॥ फ ॥ द ॥ ॥ नागद्वि ॥ ॥ माधव या
त खान का अन ॥ ॥ च वलि जील खान गूढ गंत उरु ले जिह ले काय ॥
खान काय ॥१॥ गुलाप गुण क शत्र गुण म क स्वा गुण त उरु ल जिह ले काय

२ क ख क लिन म थी मिह रु सु गिल
न काय ॥१॥

१ कालिया गन मा
१ कालिया गन
१ माधिया गन

॥२॥ वृन्दा वन स हाउक धय धून खान रुठ मरुन सु कल ब काय ॥३॥ दा
सराजान खायन रुशन स थन लुक्कन निलान काया काल ॥३॥ फ ॥ ॥
॥ नागद्वि मन ॥ ॥ कालिका वरु पन ध्यान मजा ॥ ॥ द वीज
ननी मनी सुन धेन निवाहिया हम सान धय ययी ॥१॥ दासराज युका
न तिरुवन तानि नि रुद निज गत न मायी ॥१॥ ॥ नागद्वि मन
॥ माधिया गन ग व क न छिया जा ॥ ॥ दासिनी छिनाल ख ले पि
जित माल दखया सुपुड मयया ॥१॥ दासराज मनी नथ पूनन द वि
याहन छि विना न मरु जीन माया ॥२॥ फ ॥ ॥ नागधना श्री ॥
॥ मदन माहन क नाना ॥ ॥ राजी मनी न क न नान नि गन क
शुकी कयह ॥१॥ धूप दीप न गन यक य रुल क गन रुल व ध क

३ म

गतधन मनः न कलचिं हृषुह लिपचिं किं गनल मनी ॥ १ ॥
 कानूकि लाय लाय कि ॥ १ ॥ किं गला हाति थितल सि हृषुह
 न नूगल सा चिं स्वापुह किं विना न मइ अम सजित ह का न नूग
 ले ला हाति ॥ २ ॥ किं अया न पुनूष ह क नूह मति ॥ ३ ॥ मरुत कि न
 सह्या प ह दासि ला अया मन चिं के उ न ह ह स्वामी न विंति कि ग
 ॥ ३ ॥ ५ ॥ १० ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥
 ॥ राग ॥ चैत गे नी ॥ ३ ॥ मायी भत्रि थ
 ॥ २ ॥ इव क सात्र नी माही माया बा बति तयि ला क नानि रु उ म नी
 स क नि दा स क इव ह न न क न र ग व ति ह द हा द न स न उ अ दा स

॥ राग ॥ कल यन ॥ १ ॥ ११ ॥ ५ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥
 ॥ राग ॥ चैत गे नी ॥ ३ ॥ मायी भत्रि थ
 ॥ २ ॥ इव क सात्र नी माही माया बा बति तयि ला क नानि रु उ म नी
 स क नि दा स क इव ह न न क न र ग व ति ह द हा द न स न उ अ दा स

तिन् कोन कामक जउरनकी वना यदि देया हम ना पत्र वना
 ही ॥ २ ॥ साउत निद नहि खाने रुखानहि मत्र घन मा तहिन
 आयन कामका विन जिय सुखत जाता यिया नही मीलन हम
 मत्रली ॥ ३ ॥ सापुत हम नक के धन के मक मिल कवस्थ सुकि
 साउत के दासिले अके पुर सुनित नाही पान मत्रि विक्कन म
 तिहा उहि ॥ ४ ॥ फ ॥ ११२ ॥ उरु ॥ ॥ नाग ॥ वेहागना थरु
 मखु थरु जोरन म सुखि ह नामध आन ॥ फ ॥ वेस सधन धन
 आसति सावियुक्त न केनका हकल साउ ॥ ध ॥ सा सुखि सुखरुति

अरवि वन ॥ मा
 रमर धन ॥

न लाहा इषय का धृति निजाति इखि खरध ॥ १ ॥ लात जि पूत्र वन
 अनताता पन द ॥ ६ ॥ पुरया धर्म मइखन आउ जितन मनज
 य आस नाम सक रगान रगति तस ॥ २ ॥ फ ॥ ११३ ॥ उरु ॥ ॥
 १ नाग ॥ ॥ ॥ चोता ॥ अऊरन आयन धन स्याम वत्रि धनि
 रुयि लात रगे निद नहि आयिन मयनक दवन जाउ वोलायी ल्या
 आस्याम ॥ ॥ कउनकी पास न सक विवैधन पुर हली मक दव
 अलि लादासिक पुर निद स रव नका ह हम पन देव लाग
 ॥ १ ॥ फ ॥ ११४ ॥ उरु ॥ ॥ नाग ॥ ॥ ॥ चोता ॥ धरु लि स सात

अरवि वन ॥ मा
 रमर धन ॥

स. वनज. या. ३. ३. ल. स. क. स. न. या. क. क. स. ३. व. न. श. क. क. या. म. त. ग. य.
नि. न. ला. त. ल. का. ल. ल. य. य. या. ॥ क. त. अ. ति. ग. य. ग. अ. व. अ. ति. या. त. न.
द. ६. का. पा. क. न. स. र्ज. न. या. क. ल. ३. दा. स. यो. द. न. ल. य. ल. पि. व. क. थ. ना.
थ. क्ति. न. जि. उ. धा. न. या. ३. ॥ १ ॥ क. ॥ १ ॥ १ ॥ ३. ८. ४. ॥ ॥ ना. ग. ॥ ४. ४. ॥
चो. ता. न. ॥ नी. वा. हा. अ. प. न. क. ल. यी. का. हि. न. सा. थ. क. ना. म. स. मि. न. र. ली.
म. ति. उ. हि. ला. र. मा. ॥ ४. ॥ का. क. क. क. ह. य. न. मा. नि. उ. ह. ला. क. क. ला. क.
क. ज. ती. स. ती. ४. मी. हा. कु. र्गि. ध. न. म. ॥ ला. क. ना. ज. क. स. सा. न. मा. या.
स. य. न. क. दा. स. ल. ३. क. ह. य. स. ना. स. र. ज. ना. कि. श. य. प. द. व. ५. सा.

१६ नीकसूत्र॥ ना
नी वाही प्रप॥

धूकर्म ॥ १ ॥ फ ॥ ११६ ॥ ७८४ ॥ ॥ नाग ॥ वर्सक ॥ लभीता ॥ स
 र्वि ॥ अहाडा ॥ क वस स्वान ॥ थ नडा ॥ स्वान लू दय नडा ॥ ध ॥ नूति
 न स्वाक स्वान गाल लूति ॥ नू पाल जीत वीमाल ॥ स्वाहय स्वान
 स्वाक या स्वाक कृय जि न स स चित नू आडा ॥ १ ॥ नूति व लाक लो
 हात चाक नू ग ल स्वाक क ल जि साडा ॥ जि नू ग घाल स्वाक या डम
 स च ग ल ह कि डा नू ग म नाडा ॥ २ ॥ नूति व थ क काम व लाक
 सहय या य मरु जी न डा ॥ थ ल दू स वि स्वा न या थ स रा डा दा सि
 निया वि न ति या डा ॥ ३ ॥ फ ॥ ११७ ॥ ७८४ ॥ ॥ नाग ॥ वर्सक ॥ ल

२ अविमृताय ॥ मा
२ सा विजयताय ॥

२५३

अंता ॥ नसिकवान नससयान कान्जिपान लायउमन ॥ ५ ॥ वच
 नहीन जिउासदान चानिअयान पूरुषकीन यसपू नान चूपात
 यान्मदसतलन नसषकन ॥ १ ॥ गललअनन कलकीन चकि
 किकीन नतिनसन कामकलान यायउमन मनसहनवकि कंउ
 धन ॥ २ ॥ गलितकीन कायकिगन लमनिअन षुखायन स्वा
 विवालन स्वसिद्धातन रुडान इवन ज्ञातन पान ॥ ३ ॥ ॥ ११५ ॥ ७
 ८४ ॥ नाग ॥ ६६ मी ॥ योगाल ॥ मायीह उरुपनसन नाहिकव
 हनदषकु मकजगद विनिवाहा ॥ ५ ॥ जागीनि मजसननली
 न

॥ ५ ॥ ११५ ॥ ७
 ८४ ॥ नाग ॥ ६६ मी ॥ योगाल ॥ मायीह उरुपनसन नाहिकव
 हनदषकु मकजगद विनिवाहा ॥ ५ ॥ जागीनि मजसननली
 न

क. धाडान आडान उडान दिङ्ग उधु जयपूकारि ॥ जागमाया
 संकनी मधुध्वरी दवी दासराडा कह हं धमयपान कीध पूध
 चनहाताह थूडनानी ॥ १ ॥ ॥ ११२ ॥ ७८४ ॥ नाग ॥ वसीक
 पताल ॥ वलिसिषि हाली के खलत माहन लालसा ॥ ५ ॥ दषत
 २ मगनहा अविगलालि उनाउय लालसा ॥ १ ॥ एतत २ पि
 चकात्रा हमपकीरी पल मनि लालसा ॥ २ ॥ कंठत्रिकू मघ
 तिल्याहा अणचउमदि मुखपनी लालका ॥ ३ ॥ माधव पसनचन
 नका लाडादासिनि पूकनति आससा ॥ ४ ॥ ॥ १२० ॥ ७८४ ॥

॥ ५ ॥ ११२ ॥ ७८४ ॥ नाग ॥ वसीक
 पताल ॥ वलिसिषि हाली के खलत माहन लालसा ॥ ५ ॥ दषत
 २ मगनहा अविगलालि उनाउय लालसा ॥ १ ॥ एतत २ पि
 चकात्रा हमपकीरी पल मनि लालसा ॥ २ ॥ कंठत्रिकू मघ
 तिल्याहा अणचउमदि मुखपनी लालका ॥ ३ ॥ माधव पसनचन
 नका लाडादासिनि पूकनति आससा ॥ ४ ॥ ॥ १२० ॥ ७८४ ॥

५६ न न या नि विधि ॥ न
५६ न न या नि विधि ॥ न

centimeter 5 10 15 20 2

१ विष्णुमाता

दवहा ॥ ज ॥ मर्चि दत्ताथ स्यवनाथ जगन्नाथ गार्धनाथ मिन
नाथ ह वाग्मति तिनथ स्यसोकादि तिथिनिपात्ता ॥ ६ ॥ उग
पार्ग उग कासि उग गयो गमदावत्रिमागाहीथ ह सपनति
थ अश्रुतिथि मालहूय साडापासाह ॥ १ ॥ थलियादथप
उपतिवालसुखि चैय थ गूर्य ल्हा ह मिह लाडादासन ज्ञात
ह हून पसूपेति गति विडाह ॥ ८ ॥ फ ॥ १२२ ॥ उर ८ ॥

१ नाग ॥ आसावत्रि ॥ धूर्ताल ॥ हमनमाजिकाह २ नामरुकावि
नाहिनही संसानक आहिनामह ॥ ५ ॥ जमनन उम खायसव

नाहि

हमनमाजिकाह ॥ १ ॥

उम गत्रदव नाहिरुजह दानपू ल्हा उ नाहिकयल के सिधुपात्र
गत्रिह ॥ १ ॥ जयत गप दान दीय सव मिलि कर्म कीय धर्म मीलि
ह लारु कात्रिय पायन हिन साचविना धर्मनिहिह ॥ २ ॥ जोरन
धनखन पूणक विलाक कात्र उम सव जायीह सासि जमक ला
गिजवक उमना धो पकृता ॥ ३ ॥ कहय लाडादास सून ला
यिमत्रि नामनाम गून गमयिह कली उगम रुजन गडा ना नाय
ह सून ला ॥ ४ ॥ फ ॥ १२३ ॥ उर ८ ॥ ॥ नाग ॥ काला ॥ धूर्ता ॥ द
वन विलइव जीग अगी साडाहनी लायहनी ॥ थ गूली जनम सि

हमनमाजिकाह ॥ १ ॥

तिंद्रा ॥ ५ ॥ अरुगति गनहन इखसिल थअमन दृढ जिवितनीः
 कीन भवमंड चि विनात ॥ १ ॥ लोकदक सकस्यन हल काउ याअः
 युन मजियअ थअसन दयूमषू थनिजीन ॥ २ ॥ अखत उरुसअ
 नयाठगूलिमसिधून मरीठगे विपतिन कलजीत धूगर्वन ॥ ३ ॥
 नानगन अनगन वानथस मइजीन कहअ आयीसनन मरीठ
 उखवनन ॥ ४ ॥ लपग कयावन लिपतस मलाकन यायथम
 मसलन खावि उउआआयन ॥ ५ ॥ अरुगति ससायन असहति
 कभषन यायिऊं गउधन वितिरुके याधनन ॥ ६ ॥ लअदा

सविनहन पिवायउ मनरुल लोकसजि गस्थदून लयथमल
 श्रीवीन ॥ १ ॥ ५ ॥ १२४ ॥ ७८ ॥ ॥ नाग ॥ का ना ॥ धूरी ॥ एनवरुय
 दूगकीअ चि विनात मइ थूलिमचि इखई जी लखलपि कीन ॥
 ॥ ५ ॥ पचिलस विअकन रयिनवन सदन सकलन जागितिन लि
 तकाअ थअचान ॥ १ ॥ जगतस कलकीन उधनन याअथन रा
 अदास चिगून लायमइ अहानन ॥ २ ॥ ५ ॥ १२५ ॥ ७८ ॥ ॥
 नाग ॥ आदना ॥ धूरी ॥ एजमन नामकू गन गअन ॥ ५ ॥ नाग
 दितक चिनमति कानउम प्रीनामनामऊयन ॥ १ ॥ नामनक

मरुत मरुत
 मरुत मरुत

25
20
15
10
5
0

मृ.र.त्रथसउत्रगल.दहात्रथ.सुगकहाय॥२॥दासराडाकेपल
नामपत्रसन.हाउय.जवमीलेन॥३॥फा॥१२३॥उह॥४॥
१नाग॥काला॥चति॥काहिनपूकं.हमकय.दशमाहमायी
॥५॥कतनकयूकात्र.वालगनाहिन.कैसमकनित्रदयी॥१॥
कतमेत्रदखक.दषागरुवानि.कैसत्रह.हमइखी॥२॥कतकह.
विंति.क.सुनित.नाहिन.कैसताह.उसैमिली॥३॥कतनकउध.
प.जगतउसन.कैसमकउध.नही॥४॥कतम्वक.लागक.पात
ककताडा.जस्यचाहतेसकनी॥५॥कहयराडादासक.सुनहज

२३०॥नागि.दास॥मा॥
२॥काहिनपूकं॥

ननी.तेलाककनानीउही॥६॥फा॥१२१॥उह॥४॥॥नाग
धनाडी॥वर्तिताल॥आनतिगमडा.रायि.पलक.पत्रेवम्वय
कूथनाथविनाऊ॥७॥पहिल.अवतान.मकरूपहाय.सैषास
नकयमात्र॥१॥इसत्र.अवतान.कू.रूपहाय.जलकउपवयथ
॥२॥तिसत्र.अवतान.वनाहल.होय.पिथिदातकउपनख॥३॥
वउथ.अवतान.नत्रसिहहाय.हिरेन्यकयतहात्र॥४॥पंचमअ
तान.वाडानल्यहाय.वलिक.कल.लुकत्र॥५॥खसम.अवतान.प
सनामहाय.कू.कनि.कू.किकत्र॥६॥सफम.अवतान.पीनाम

२३०॥नागि.दास॥मा॥
२॥काहिनपूकं॥

जीहाय नाउान वरु कर्षु मात्रा ॥ १ ॥ अरु म अ व ता न व ल र द हा यः
 जगत क दाता नाम ॥ ८ ॥ नडा मे क अ व ता ल उ र्ग ना थ हा य प ति ता उ
 धा र्ग ना हा ॥ ९ ॥ द हा म अ व ता न क ली कि न्द्र हा य दु स लो क स व काः
 मा त्रा ॥ १० ॥ क ह रा डा दा स सु ना स व का हि आ त रि द हा अ व ता न क
 ॥ ११ ॥ फ ॥ १२ ॥ ३८ ॥ ॥ ना ग ॥ आ सा व लि ए ता ॥ घा नी का वि ना
 क क र नि न हि प रु पा नी ॥ ५ ॥ ॥ १० ॥ म हि ना की ग र्ग म त्री र यी द व
 त म य उ म त हि उ म हा म य त्रा ज क थ न हि व र स ध त रि रु ति रु ती
 ग यी ॥ १ ॥ वा ल र ला ग कि न हि वा लि का ही पा नि कि कु धा म क ला
 कि त हि व र स

ये ना वि ना ॥ मा
 ए ना का वि ना ॥

गी व र सा म य पा नि पा नि वि न्द्र वि हा न रु म ता व च य गि ना ही ॥ २ ॥
 द र व व न व लि स खि स व ग यी का ह क व र स त न ही व द ता व र स ति
 का ति का ति प त र उ म हा क थ त रि क र यी ॥ ३ ॥ अं कि त्रि कि थः
 ना मि द म कु वा ल ना डा त पा नि पा नि मा गी म रु ना क ह य की काः
 य लि उ पू का ना द य ग म ज ग त क पा नि ॥ ४ ॥ व रु रु ल हा हि आ प व
 ल द म नी क र उ व र ह त चि उ नी व रु रु ल का रु ल व रु रु ल्या रु त सा
 व रु त म उ म व न र ही ॥ ५ ॥ क ड ल क डी ना व रु रु ल क डी ल क मा ग तः
 द यि रु ड यानि च व लि व न च लि मा ल रि रु ल रु ली ल य हा क

25

20

15

10

5

न ४

पूकं वधायी, अमुमाजीअकी, अधानउदहा, साहवजगगक
 मोही, कहराउदासकपरा, अमुमा नां सनहा, अउमननाः
 ही ॥ १ ॥ अ ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ॥ नाग ॥ नामकनि ॥ धर्मा ॥ सिताना
 मनकम, केए, वनवांस जायी ॥ ५ ॥ अकी नामत्रक मनतिः
 नावनवासरुजी, नाजरुथक दयी, तिनावत्रमागिलयी ॥ ६ ॥
 कूवजाकि, कहिमानी, सुनाउमक केनानी, ताहपरा दहात्रथ,
 तिंवन, कवलखी ॥ ७ ॥ कलककि दिनहायी, नाजनाम, कनद
 यी, नामकसंअक हायी, उर्थसहगुं दायी ॥ ८ ॥ नहियहि, क

मर्ममनी, सुनन कूवजा उही, वयकूथ, नाथअही, अवगात्र, नामर
 यी ॥ ९ ॥ कउनउ, सिधलायी, इर्मति कूवजा उही, पनैव अह
 हनी, केवाकनि, सवकनी ॥ १० ॥ सुनमत्रि, विंतिनानी, मतिरुली, उ
 मझानी, हीत्रिमति, पकृतायी, नाजरुथक दयी ॥ ११ ॥ तिनवन
 पायनाखी, कउनक, कोसमागी, अयनक, पतकनी, नाज, अज
 मतिचुकी ॥ १२ ॥ हनीहनीको, नगती, हमनक, देवलगी, कूवजा
 उ, मतिनही, मत्रिदन, वात्रुही ॥ १३ ॥ सुनितत, मत्रि, काती, रुति
 रुति, जातिदखी, मत्रिषाह, अकी नाम, नकमन, वालजती ॥

॥२॥ उह कहि नहि सुनि कान भय सह नही कथन क वच
न नी कव जाउ कत घनी ॥१०॥ नानि उम के सिंहली वृद्धि नहि
ननि जानी नाऊ रथ क हायी लोक सब ताह मानी ॥११॥ कव
जाउ सिख लायी सब मानि हम कनी कउन जतन कियी ना
ऊ रथ क पायी ॥१२॥ कथनिक जाय नही कउन वधन क
नी नाजाद हा नथ आयी कबू ली कउन खाली ॥१३॥ गिन वन
मागिलयी सिता राम न क मन वन पा सक लगयी गिन वन
वास जायी ॥१४॥ गिना वन वास रुकी रथ क नाजाद हा

यतन क नहि कियी हम पान पात कनी ॥१५॥ कतन क वस
यगि उम नहि ककु मानी वचन क साच हायी उम सब कति
दयी ॥१६॥ कथनिक के के नानी कउन वध कति नही नाजाद
हा नथ आयी कउन क धालि नाहि ॥१७॥ गिना वाचा दहाम
की कउन क व धालि दयी गिना वाचा कति लियी कउन क धा
लि दियी ॥१८॥ वन हम पाय नही गिना हम आऊ रथी क हा प
य हम दयी उम चाह ध्वहि मागी ॥१९॥ यहि वन हम मागी र
थ क नाजाद हा सीता राम न क मन गिना वन वास रुकी ॥२०॥

॥ केसुम उहि मागी कोन न त्रिहित नही जगत क पुरुष जही
उनेव न वास रुजी ॥ २१ ॥ अउ उहि वाह मागी नहि इ नि इ नि
हायी जा की नाम न च मन अहि मनि पान न ही ॥ २२ ॥ ककुन
हि हम चाहि अहि मागी अहि लयी पुरुष उम नहि दयी भत्रि पा
न त्याग करी ॥ २३ ॥ नाम नाम भत्रि पूण के सिवन रु मरुजी जा
न कि म त्रि व इ नी न च मन वाल पूण ॥ २४ ॥ रु नि रु त्रि दे व त
गी क उन क न म म नी भत्रि साच के सिन ही हाय दे व रु त्रि रु त्रि ॥
॥ २५ ॥ नाज सव उम लयी नाम व न नहि रु जी रु म उम क

यिन ती क त्रि म नि उहि मा नी ॥ २६ ॥ पुरु क य साच न हि रु म
मागी अहि मिली पुरु के साच न हायी रु म प्रा न द्या ग करी ॥ २७ ॥
हाय हाय रु त्रि रु त्रि क थिन के इ ख म नी हाय हाय रु त्रि रु त्रि क
म ग यि म त्रि रु ती ॥ २८ ॥ हाय सीता नाम नाम हाय हाय न च मन
मन के सहम विम सु हि जाय हाय न म म नी ॥ २९ ॥ रु म कहि
नहि जायी हाय हाय नाम नाम द ह न थ ना यि ना रु त्रि रु त्रि म रु
हा यि गयी ॥ ३० ॥ स नी गत नाम गयी पिठा व त्रि विषा द की वि
षा द पिता न करी क उन वि पति रु यी ॥ ३१ ॥ नाम कहि वा ली रु

नी, नाजाद हा, तथ उथी, हाय हाय, नाम कहि, नाम खद, नविलि यी,
॥३२॥ पिता नमो नमो दखी, आसयुक्ति, पुक्ति कनी, मतिपिता,
हुम नमो, कहा सब वात सुनी ॥३३॥ नाम नाम नाम नाम, कहिक
हि, मूर्च्छा लियी, पिता मूर्च्छा लियी दखी, नाम वसंत तनही ॥३४॥
रुत्रिचित कनि उथी, हाय नाम नाम कहि, आगती नव नदयी,
नखिव नति नमागी ॥३५॥ तिनावन, विकत की, सुनित त सहना,
ही, जानि नाम न कमन, वन वास, रुद्रि दहा ॥३६॥ यतन कहिय
नायी, नाम कह कह नायी, मति नायी, पिता मनी, हम वन वास जा:

यी ॥३७॥ पिता विषादन कनी, रुत्रधक, नाजद उ, तिनावन, वा
स जायी, विदाद उ, पिता मनी ॥३८॥ नाम के वचन सुनी दहा तथ म
ूर्च्छा लियी, सुनीत क सुल्ला, आयी, प्रहम मूर्च्छा लिय दखी ॥३९॥ हनि
हनी, हनि हनि, कउन कन ममनी, काति थकि, थकि नायी, कसु:
ल्या मूर्च्छा हा गयी ॥४०॥ सुनी कन सीता नायी, सासक वसायि न
ही, न कमन, आय कहि, माता पिता, मति नायी ॥४१॥ सुनी माता
पिता इन साच नहि, सब सीली, वचन सपी रित ही, वचन स, नूक
नही ॥४२॥ वचन स, न उलूक, कउन रिउ, हिन नही, विना वचन का

हिनही सवसावचनवनी ॥ ४३ ॥ जाकी नाम नकमन हमके सिक्का
नदयी दहात्रथ कसल्या की पाननिकल कजायी ॥ ४४ ॥ सवलाः
क कहिनही इवदि ऐयी ककयी न धर्म क नमकीयी कथा
नककातिती ॥ ४५ ॥ सवनाज दुहिलयी एत्रथ कनाजदयी
सीतानाम नकमन मतिवेन वासरुजी ॥ ४६ ॥ यहि कर्ममत्रिना
ही बीवाल क नमयही मतिकप्रिना निउही लाक कक रुउमानी
॥ ४७ ॥ ककुनहि हममानी तिभावल अहिमागी नाजवननहिद

यी हमपान घातकनी ॥ ४८ ॥ सवकहि हात्रमानी कके नानिनहि
वृषी सवलाक नाशनी ही नामजान गयार्नकी ॥ ४९ ॥ हायनामना
मकही लाक सवनायी दसी सीतानाम नकमन लाक सवकवसा
यी ॥ ५० ॥ मति लाणी लाक सवहमदित्रिजदि आयी सवलाक
नहवृती ककुनहि छिकी लियी ॥ ५१ ॥ नाजादहात्रथ वाली नाम
कसा हमरुजी हायनामनामकही आयी मत्रिपानजायी ॥ ५२ ॥
सवनवचनहमानी प्रीयउमवर्द्धि मानी एत्रथ कनाजदयी नामव
ननहिलकी ॥ ५३ ॥ तिभाववननहि की नी पत्रमनी मथनही प्रह

मथ हायतारी हम ककु नहि छात्री ॥ ७४ ॥ सीता नाम नकु मनवन पासालः
 गज जायी नाजरुन थके दहा ताह साच ऊवनही ॥ ७५ ॥ यहिवचन किसनी
 सीता नाम नकु मन दनवान स्थनिकली वनवास जानलगी ॥ ७६ ॥ सीता ना
 म नकु मनवन पास कपे कुली द बिलाक सब नायी हाय नाम पूकानतीः
 ॥ ७७ ॥ दहा नथ कसल्या की मूच्छी रुयि इत नही सीता नाम नकु मन ति
 ना उथ विदामागी ॥ ७८ ॥ माता पिता दुसक नी तिना वनवास चली हा
 थ लिधन कती न चलन कु मन रायी ॥ ७९ ॥ लाक सब संग गयी नाम
 सब के वूमायी लाक सब हिरि न्यायी नाष्टी नाष्टी कलपेती ॥ ८० ॥ एतथ सु

रावकु व

नत न्यायी अपन माता क मात्री विना मात्र नहि छात्री चीदात्रिक नम
 तनी ॥ ८१ ॥ पुणतत्रि नाजरुयी उमक का नल क नी नाजुमक नहि चाही
 धि की नत त्रिजिनगी ॥ ८२ ॥ हम उष्टी नहि क नी माता त्रिक वही नी न
 धर्म मूनति उही पाप कि ग थ त्रिदस्वी ॥ ८३ ॥ जाहाराम ताहा गयी रुन
 थ नाजुन लियी सीता नाम नकु मन उन साथ हम जायी ॥ ८४ ॥ एतथ
 जायक मिली जाता नाम कह गयी मिल नै ग माकि कियी स्वम कुष्ट
 वृमिनही ॥ ८५ ॥ एतथ विखाद कियी नाष्ट नाष्ट विनतिकी जाता उ
 म मति जायी भत्रि नू कि उम मानी ॥ ८६ ॥ मत्र कर्म यहिलखी वन

किरि क अ स नर सि न्न न्न न्न

न २
 वासतिना जायी, रायिरुत्रथ गुहीनी जाउ नाऊ केसमात्री ॥ ६१ ॥ नहि
 आता हमहीनी जाहनाम तहि नही, कहुं वकत मत्री केसि नाऊ, थ
 मी जायी ॥ ६२ ॥ वल गुंम हमहीनी, काति नूगथ किसवी यहि वल गु
 म हायी, काहि उम नहि सकी ॥ ६३ ॥ हम नाऊ नहि कनी, आता संग हम
 जायी, सीता नाम नऊ मन, कगति हम न हायी ॥ ६४ ॥ चात्रा वन वास जा
 यी, चात्रा कर्षु मूलखायी, चात्रा रुले मूलखायी, चात्रा संग चलि जायी
 ॥ ६५ ॥ सुनाहरुत्रथ उमहि, कणी नाऊ नहि छात्री, नाऊ उम सप्ता नही
 तिना हम वन जायी ॥ ६६ ॥ नऊ मन नाऊ कनी, हम आता हीग जायी

हमहि तिनहि जायी, रुत्रथ नायी वितिकी ॥ ६७ ॥ नऊ मन साथ जायी
 मत्री संग आहि नही, उम जाउ घन रायी, मति विखाद उकत्री ॥ ६८ ॥
 नाम से वक हमही, केसि नाऊ पत्र वेथी, आता नाम के पग की, पद्माव
 ना उम कंद ॥ ६९ ॥ कथ पाउलिय जायी, रुत्रथ उम हा ग्यानी, मत्री का
 ति, नूगथ की सब वल उम दियी ॥ ७० ॥ नाऊ निहि मति छात्री, पत्र ना
 तिसैन कत्री, तन भा पने विचली, सावधान नूत चाही ॥ ७१ ॥ अप ने पूत
 नयीत, इन वना वन मानी, सब बात कर्षु चाही, सुनाहा रुत्रथ रायी
 ॥ ७२ ॥ गेवा कन नचा की, हनी रुक उम हायी, रायिरुत्रथ उं जायी

३१

नरकसव सदा गुही ॥ ७२ ॥ खनाउलि खन नही खन थवि दाहा जा आ नाम
 ७३ ॥ खन थवि दाहा नगी ॥ ७४ ॥ सीता नाम नक मन ति ना कटी
 ७५ ॥ खन थवि नक आयी ना ज दन वान पूरी ॥ ७६ ॥ नाम क क
 ७७ ॥ खन थवि ही हासन उपनखी कथ पाउ नाम जानी स उप क नी ल
 ७८ ॥ खन थवि सव लोक की वृषा ७९ ॥ गन क नी ॥ अह नाम
 ८० ॥ जदि हिनी चिंता ककु मति मानी ॥ ८१ ॥ ए ओ कह सुना खन थसा
 ८२ ॥ हव मनी कत इव सक रही नाम ड ही कव मीली ॥ ८३ ॥ कहय कला
 ८४ ॥ आ दास सुन लोक सव काही ॥ अउ न सव सयनी नाम नाम क जपनी

८५ ॥ क १३० ॥ ७८४ ॥ ॥ नाग ॥ वलाली ॥ पताल ॥ हृद वी कर्म
 की लघि दुनिहायी वृध हा गयी लघि नही दन कनी पकृता हच ना
 मानी ॥ ८६ ॥ जादी न मागत ता दिन नाद रघु जवात डी के रु की दीन
 दीन दीन आयल ककुन कहन द वलोक सव आयी ॥ १ ॥ धउ न रा
 ग क पालिली काधक र सम अंग लिपि वर धा दी गी वन देव नृ पि
 सन हा थ लि सिल मलुक जता धनी ॥ २ ॥ कउ न र गत न कउ न
 माघ न कउ न जात कउ न केरु मायी वाघ नाहिन र गत न नाहिनी नी
 न ऊन ठि व जा गी ॥ ३ ॥ काउ न क ककु ऊ क क र गत न सी क न सदा

१५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

सिवजह दबी कही सुनल मावा परखुएल सात्रा दाव तात्रे लागी
 ॥ ४ ॥ गति सकाति दववे (थ्य) ऊग्वक नाडात मंगल गित गम धाव
 दधुनिक नत गी धर्व ना चत नाना वाद्य वजा ल्यायी ॥ ५ ॥ कल
 क त्रितक सवक करत नऊ निऊ इयति लाऊ यक यक लि
 तक करत लाऊ की हसिक नी सववे थी ॥ ६ ॥ कर म सवरे के
 न्या के दान की पुको न जय उमा पत मंगल जाया हव के व
 धायी ॥ ७ ॥ का की दान दी पुन्य के ली ॥ ८ ॥ गी नी नंदी निक दास ल

अकन दासक दास करत ला ॥ ९ ॥ अदा स करुय सीक त्रितरु कि जा
 यरु म वृत्ति चली ॥ १० ॥ ॥ १३१ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ नाग ॥ वला ली ॥ प्रता ॥
 प्र नाख जलली माती धात्री नाथी ॥ सुन के गरुना तत्तन के माला
 मडक मनी के नाथी ॥ ११ ॥ वाद ना साली क वृत्ति दी माती क कि ना
 नी पैसा जली ल्य ॥ १२ ॥ आचल तन व ताह नी के यल दबी क म
 सा नी धा जा ॥ १३ ॥ दायता जनी के चाली या ता सक रु नी क न डा
 नत जली वा रु वंद क ना के चूलिक लहल नडा गिनी सवया
 जा ॥ १४ ॥ जातिक वंद ल रु न के कान के गल म सव माला रु नी

25

20

15

10

5

0

यकयक जातक पाउक हाथक चनीचनी लीयपा झा ॥ ३ ॥ धीघन क
 सनी कलुनी कूक म गेला चन सिधुन सवलायी काऊल समायी मोहि
 कलादिना तिगुलिम निकली झा ॥ ४ ॥ पासाक कपना कयी कपता
 नी रुनका चजानेक रुजी ॥ अनक जात कि गरुना रुनक सीइकव
 इतक रुझा ॥ ५ ॥ कतन नथकी कतन ककनी चजाना लादिकल
 रुजी ॥ वनी वनी हाथिक वरुत धानाक सार्दा सुनाक यदी झा ॥ ६ ॥
 वरुत गमडाक वरुत रुसक वरुत गूलोन रु रुजी ॥ कतन पालकि
 कतन दादिकि कतन चीउस फकी झा ॥ ७ ॥ गीनी ना ऊक हिसून

हाक फात्रि हमसक कुन हीयगी सुन हा मातापि ताइउ विवाद म
 तिहा हमसव पाउना ॥ ८ ॥ द विक दासराउ कने चीउउ सुफ
 न रुसिक नी चाहि काति काति विनति हमान सुन रु द विस्व
 पदाहिं रुझा ॥ ९ ॥ ३२ ॥ ३४ ॥ ॥ राग ॥ नाग ॥ पताल ॥ ध
 न धन राख माह देवक पात्रवती विवाहाकी ॥ गतिस काति द
 वसव क सैक त्रिके लास जायी ॥ १ ॥ मीग लग्न आय गी धवः
 नाव जय जय उमा पती ॥ हा गयी सीकन हम रु ॥ ६ ॥ न के लास
 ना विम रु ॥ २ ॥ गीनी नाऊ वन राख क न रु उमा मझ ॥ ६ ॥

युन धन न राग
 यन धन न राग

नपायी संकतिकदासराउकहसुनहागलाकनानी ॥ ३ ॥ फ ॥
 ॥ १३३ ॥ ७८४ ॥ ॥ नाग ॥ आसाउत्री ॥ वंश ॥ सुनउमसुनउमसु
 नामातापिता ॥ आनसामीजगतक ॥ अक्ष ॥ जगदी ॥ अक्ष ॥ ॥ आदिपू
 नूषह ॥ अह ॥ आदिनाथ ॥ अक्ष ॥ सीवनूप ॥ पूनूष ॥ सवनूप ॥ अक्ष ॥ ॥ १ ॥
 सिमिथितीसहा ॥ अक्ष ॥ तिनागुहा ॥ अक्ष ॥ जगजानी ॥ नूप ॥ अक्ष ॥ ज
 लनूप ॥ अक्ष ॥ २ ॥ आका ॥ अत्र ॥ पह ॥ अक्ष ॥ वायू ॥ नूप ॥ अक्ष ॥ चंदसु
 जगधन ॥ सुद ॥ उन्यसाध ॥ ३ ॥ गति ॥ काति ॥ दव ॥ अह ॥ मनीगन ॥ अक्ष ॥
 जीव ॥ आत्मा ॥ पूरु ॥ अक्ष ॥ आ ॥ ग्व ॥ अत्र ॥ अक्ष ॥ ४ ॥ शला ॥ अति ॥ दाता ॥ अह

कता ॥ लर्का ॥ अक्ष ॥ मग ॥ मर्क ॥ लर्क ॥ अक्ष ॥ सीसालक ॥ अह ॥ ५ ॥ धन्य ॥ रा
 ग्व ॥ हमा ॥ त्रक ॥ सुन ॥ दवी ॥ ताह ॥ पून ॥ जन्म ॥ की ॥ कल ॥ ह ॥ उम ॥ वति ॥ पा ॥ अक्ष ॥
 ॥ ६ ॥ ॥ वा ॥ नि ॥ सं ॥ क ॥ त्र ॥ क ॥ ह ॥ गी ॥ त्री ॥ नै ॥ दी ॥ क ॥ अक्ष ॥ स ॥ न ॥ न ॥ म ॥ नी ॥ क ॥ अक्ष ॥ जग
 दी ॥ अक्ष ॥ ॥ १ ॥ ॥ द ॥ वी ॥ दा ॥ स ॥ रा ॥ अ ॥ क ॥ अक्ष ॥ ग ॥ ह ॥ ल ॥ के ॥ आ ॥ स्थ ॥ द ॥ वी ॥ क ॥ ह ॥ ग ॥ ह
 म ॥ अक्ष ॥ ह ॥ अ ॥ र्जी ॥ ह ॥ म ॥ न ॥ अक्ष ॥ ॥ ८ ॥ ॥ फ ॥ ॥ १३४ ॥ ७८४ ॥ ॥ नाग ॥ रिप ॥ नाम ॥
 पुताल ॥ मंगल ॥ गम ॥ य ॥ क ॥ चली ॥ जगदी ॥ अक्ष ॥ त्रि ॥ के ॥ ला ॥ स ॥ वी ॥ रा ॥ अक्ष ॥ ॥ ९ ॥
 गति ॥ स ॥ का ॥ ति ॥ द ॥ व ॥ स ॥ व ॥ वि ॥ ति ॥ कि ॥ य ॥ सु ॥ न ॥ उ ॥ मा ॥ प ॥ ती ॥ सु ॥ न ॥ प्र ॥ न ॥ त ॥ न ॥ ज ॥ न
 नथ ॥ पु ॥ ल ॥ व ॥ न ॥ अक्ष ॥ नी ॥ ना ॥ वी ॥ ला ॥ ॥ १ ॥ ॥ मा ॥ त ॥ पि ॥ ता ॥ स ॥ वि ॥ दा ॥ हा ॥ क ॥ ग ॥ म ॥ कि
 य ॥ क ॥ यी ॥ ला ॥ स ॥ ग ॥ यी ॥ मंगल ॥ जा ॥ रा ॥ रा ॥ ह ॥ न ॥ व ॥ क ॥ के ॥ के ॥ ला ॥ स ॥ पू ॥ ग्व ॥ सी ॥ क ॥ नी

॥ नपायी ॥ २ ॥ मा

॥ मंगल ॥ गम ॥ य ॥ क ॥ चली ॥ जगदी ॥ अक्ष ॥ त्रि ॥ के ॥ ला ॥ स ॥ वी ॥ रा ॥ अक्ष ॥ ॥ ९ ॥

॥ २ ॥ ह न ग न जा गी नि ग न क इ य ग न के ला स ह र ही द व ला क स व वि
दा हा ग यी ह वा नी ६ क न वी ना ऊ ॥ ३ ॥ द वी के दा स ल डी के ह ह मा
न क ष व ल ह वा नी ज न म ज न म ड मा न दा स ह द वि थ क ना नी ह
॥ ४ ॥ ५ ॥ १ ३ ५ ॥ ३ ४ ८ ॥ ॥ ना ग ॥ आ सा व ती ॥ वं धा ॥ ह म न क प ति
नू ति क न म ति ॥ ५ ॥ जि पिं ड क सा धा ना डी किं किं बां ह रु स्थ म
या कि नी ध नी ति र्प क मि क्क थ च ह ॥ १ ॥ इ इ नू पा इ म्म सा धि दा
का का ल स्वा स्था पा सा जि न सा रिं लिं ह दा का का ला व थ ॥ २ ॥ व ल
ह ड वि ड धा सा क र्क वि य म था म स दू न छि ला सा स्थ ह य का जा ॥

लाता ॥ ३ ॥ लिपत सदा के सइ राखा या यधुना वचपूया ऊ कचान
दय सष साया ॥ ४ ॥ थूलि मकि इष रुला इष मर्व कना दास ला
डा याग इष रु कंकन का ॥ ५ ॥ ॥ १३५ ॥ ॥ १३५ ॥ ॥ नाग ॥ ओ
सावनी ॥ वंधा ॥ हंक रु पी नीति तात मत की न ॥ ६ ॥ नाम रु रु डा
मि रु रु सा ऊ डा न धाला ॥ मत की डी सी स वा य दू ठ वि ति पा सा
॥ ७ ॥ ग्व कूल स डि मि ला ग्व न की ला त व धा ॥ य का इ इ ध लि लू थ
या ना न पा या सा ॥ ८ ॥ ग्व कूल या म चा द क स ना य थ श्री ता म रा
हा थ थं थं दाल सी मि ष सी पा सा ॥ ९ ॥ कि पा लून लि न ह म्य दा

चार्पकालिस्यति तिर्दिश्य विस्थाना वन्या इ न सा सा ॥ ४ ॥ अर्जुनार्जु
 उमदका सासक र्थन ला सा कथित म्मु उ का यो पित काल पासा ॥ ५ ॥
 लाह उम गम कन पर्वत पूया अतला रुष रुया दास रा उ रुय धू ना
 पासा ॥ ६ ॥ ५ ॥ १३० ॥ ३८४ ॥ ॥ नाग ॥ नाऊ विऊ ॥ शुर्छा ॥ मा हा
 काली का इषया सभा ड ॥ ७ ॥ ता च्ची का ॥ ५ ॥ हि उ हि स्थ रत ल ऊ नमः
 माया स इना मरा पाली कं थ सा या इ न रा ल पा म ला ग कालिका ॥
 ॥ १ ॥ मा म व व ददा कि जा क ला त म्चा वा वा ता ॥ उ उ र्छ धन धा नः
 रत ल पा स प न कालिका ॥ २ ॥ अर्थी न र्सा सा न ष हा पा प स क लि इ

रमा ना कालिका ॥ मा
 रमा ना य न रु ॥ मा

झा हा ला र न मा रु का ध अ ध म मा या स कालिका ॥ ३ ॥ थू ली म कीः
 ग मा का य रु या ग या का सि या ता ॥ उ म कि क ल पा सा ना प म ला
 त कि कालिका ॥ ४ ॥ कि पा लिया दा स रा उ क पू ग रु या रु या रु
 जन या य म रु ॥ ७ ॥ ध व ग्री ता पा त कालिका ॥ ५ ॥ ५ ॥ १३८ ॥ ३८४ ॥
 र ना ग ॥ ना ऊ वि ऊ ॥ शु र्छा ॥ मा हा काल या म्मु उ इ न रा न कि कि
 की या ॥ ५ ॥ थ नी दि न अन कि कि क क स अ ला स थ या थ ग
 कं थ न न ल वि ब्या न न या थ काल या ॥ १ ॥ हा उ की काले न
 ला थ जि उ नू ग ता थ का ला हा त क ल उ क र्थ क नी र गि न

रमा ना य न रु ॥ मा
 रमा ना कालिका ॥ मा

कालया ॥ २ ॥ नाम नाम रुका काडा लातल वनू हया सा सन म ता ता धर्म
 या इनी न नान कालया ॥ ३ ॥ हनी हनी धर्मि सियी धक न जीन म सि
 या क क या ह गी राडा म या हा जी जान कालया ॥ ४ ॥ राडा दा स डा
 क ड ड म नू र्व रु या घात डा आ स ड उ ति स ती रु य रु सा मा डू ला का
 लया ॥ ५ ॥ फ ॥ १ ३ २ ॥ ७ ८ ॥ ॥ नाग ॥ ग म ध म ॥ पुताल ॥ द न स न
 ज र्ग ना थ कि च न र्ग ॥ ६ ॥ व ल रु द क रु गु र डा सा थ क ति ना थ
 कू ल द न द व क र्ग ॥ १ ॥ अ थ न क ना ला नी कि क वे थ र्ग चो कि का
 ना डा प लि उ र ध म र्ग ॥ २ ॥ सिंह द न डा आ प दा रु ला क र्ग क पा नि नी

र रु ऊ म न ग म नी ॥ म
 द न स न ज र्ग म ना थ ॥

५७

आ न ती या ॥ ६ ॥ म चा क र्थि यू डा या ल थ का स र्थ ग या पि न्या त
 न ल थ पी का का या ल थ इ त स व ता या रु ता स न ॥ ७ ॥ डा या दा ल रु
 रु रु र्ध व च रु या ॥ १ ॥ कू का न न रु ल या उ प द न म र्हि या सा या
 र्ग म थ पू जा र्हि न क या स र्ग सा का ति द व या सु दी सि क नू ना ग या
 ऊ सा दा या का य न रु या ॥ २ ॥ ग व ल रु स न पू या य न अ का डा सा या
 ऊ र्ग दा न मा ला न म लू या रु स नू प द यी त या ग ल प त आ ना ति या
 पि र्थि च ना डा ना स्या क रु या ॥ ३ ॥ पू त ना डा ल सा या म डू या चू म
 रु या वा ल व न इ इ ता ना सी या क रु द व अ व ता ल र्ध न्य रा र्ग

म रु या ना

25

20

15

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ मा ॥

जलभादाया दासराज कलाकाथमाया ॥ ४ ॥ ५ ॥ १५० ॥ ३६४ ॥
१ नाग ॥ आसावरी ॥ वंधा ॥ जसवान श्रीतावान कुरुवया काया ॥ तालही
कावीस्यजान गव्यालली स्थाया ॥ ६ ॥ चानयाडावान घनो हुतासन धिया
उपहांवाका मिथगुडुवन इन तया ॥ १ ॥ अरुगति ॥ अविचरु नाम उ
तीताया भव नूवेताल मषूना नायन रुया ॥ २ ॥ माम सिल घना विष्णु
मायाताक पूया माम यात क ल्य यात कुरु रुया माया ॥ ३ ॥ ज्ञायमरुद्ध
लक्ष्मी प्रुथुथ स्थर्ष ज्ञया गतिम इद्रया गती नाम कुरु ज्ञया ॥ ४ ॥ दास
राज कलाक हठ कुरु मन तया ॥ जगत उ धाल याय योत कुरु ज्ञया ॥

10

5

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ मा ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ मा ॥

॥ ५ ॥ ५ ॥ १५१ ॥ ३६४ ॥ ॥ नाग ॥ कारि ॥ धर्मा ॥ पीया मत्री मिथि
वालिरत्रि नापी त्रहि नूरी नी सूनली ॥ ६ ॥ सवित्री सूरति स्यामकि
दवति मका नाज हरी लीसा नी वर्ग ॥ १ ॥ सवित्री हारी कि नैगकि
नाथलि मका घसागी घसी चउम लायी ॥ २ ॥ सवित्री चउम उ पत्रदी
अवित्री मका सिंह नी लाली मचिक करी ॥ ३ ॥ सवित्री सिंह कि रुदा कि
नसकि मका कवही रली नाही गयी ॥ ४ ॥ सवित्री दासराज कहि
वाहि वृंयका दडा गिमक कुरु गरी ॥ ५ ॥ ५ ॥ १५२ ॥ ३६४ ॥
नाग ॥ कारि ॥ धर्मा ॥ आक हालि धलि मति जायी धूम म्भावा ॥ ६ ॥

centimeter 5

10

15

20

25

लिउमानी॥ ५६ ॥ अलिय सव रगम पि मिली कहेया यका भायन पिच
का निलायी॥ १ ॥ अलिय सव दीन ककी कसनी ल्यका स्यामकी मख
वडम लायी॥ २ ॥ अलिय सति कस कका निवृजमी लीका चाहियन
सर्न गल्ययी॥ ३ ॥ अलिय कवडनी इवन दे गमकी कहा कि ऊव
कोनी दयी॥ ४ ॥ अलिय लाडा दासि विन गिकनी सुता नन्द कि
लाल नही कोनी॥ ५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

वदसुता ॥ २ ॥ सुननप्रमृतिजनपूजन, आशी, जप, गप, लग्नयी,
॥ ३ ॥ कहयलउदास, सुनहमा ॥ ४ ॥ रुमकात्रधग ॥ ५ ॥ फ ॥ १५४
॥ ६ ॥ ॥ नाग ॥ धनापीमिपी ॥ चर्ति ॥ दनसनदहा, विंदूकवा
सिनी ॥ ७ ॥ गंगक, तिन, अति, माहन, दवी, लाल, धजाधूवती ॥ १ ॥
कंचनपूनी, पन, विनाज, नानी, चानरुजाधवती ॥ २ ॥ सिंहचधीन, उम,
असुनमारी, उख्य, उहागवती ॥ ३ ॥ चानय, रुन, चान, नूय, दषती, रु
ग, गका, पालती ॥ ४ ॥ लाडाक, रुयदवी, म्हा, नूय, नाधी, नाषासुनह
मारी ॥ ५ ॥ फ ॥ १५५ ॥ ॥ नाग ॥ रियनास ॥ चर्ति ॥ हादा

५१५

ता नाम वी नाना दिय के स्थ हायी ॥ ५ ॥ नाम न क स न ए न थ सु उ ग न द
स न थ सु ग क हायी ॥ १ ॥ व ल क द न म च उ कि क न उ म प ति ग कि पा
न ल ग म यी ॥ २ ॥ व सु द व द व कि पू ण वा सु द व न द व ल ध न च ध
यी ॥ ३ ॥ क ह क क क ति ग त्रि व स वे का ही द म त्रि न धा कि न पा यी ॥
॥ ४ ॥ दा स र ण अ क ह क क कि द न स न द हा ग त्री व क उ म ही ॥ ५ ॥
॥ ६ ॥ अ उ उ ठ ॥ ना ग ॥ व र स न ॥ प ता ॥ प र ॥ जि सा म न चि त ला गि
स षी ह वि न्दा व न जा यी थि ली ॥ ६ ॥ ह सि थि ली पि च का न रू ल गू ला
ल ॥ वी वी वी वी ए न ना नाना नू ण चि लि क त नू वी नू व क स त क त ॥
२ हा लि

२ मा० ध० कि० सा॥ मा०
१७८ डि० सा॥

चमकत ककूया, त्रवीत्र उनाडाय ॥ १ ॥ एनी एनी, थाली, याम्ब नंग,
उनाय, यक ना, यक ककू, वीच, मानही, यक, यक, रोगू, धूम, मचा
यिहात्री, एडा दासि, कहत, रोगू, व, सरय ॥ २ ॥ फ ॥ १५८ ॥ ७८४ ॥
राग ॥ वसेक ॥ पता ॥ कनवन, माली, मनी, नाजि, कनह, वसेत, स, म
य, ऊवती ॥ ५ ॥ मनी, तन, पूली, गयी, नही, सक्का, न, ऊवसन, दडा, त्री, त
वपूलय ॥ १ ॥ कूति, गयी, मृ, गतयनी, स्यामक, यास, कामा, कुल, का
मिनि, एनी, एनी, नंग, सन, कय, धा, त्रिया, धा, त्रा, हली, पल, उही, कने,
याऊवमिलय ॥ २ ॥ फ ॥ १५८ ॥ ७८४ ॥ ॥ राग ॥ वसेक ॥ समनी ॥

२ माध्वजि सा॥ ना २ माध्वजि सा
२ धनी तन॥ २ ध्या त क र

२५५१३०११

25

20

15

10

5

0

सोमो
वैदेव
सोमो

दधत कृतत मद हसिका हसिनि रग्ध जात तदधि आलिनी ॥ ५ ॥
वृद्धावन धूतत मद हसि आष्ठी हसि निष्क मिलनि मन तत्रिजानी
हसिनि चधि न कुरु भनिष्पानी हसि धलि रागुध मति हली जाः
यी ॥ १ ॥ मद हसि उपत्र पिचा कात्रि कृति नमानिय गऊना ध क
लिय चली हूयल कंकम अवि नउनाय राडा दा सि कहय सुनलम
पिनाथ ॥ २ ॥ ५ ॥ १ ॥ ७ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ॥ नाग ॥ वसुं क ॥ म मत्री ॥
वंचत रुत कि मन दा सि वसंत समय स कि हूँ रुत जी ॥ ५ ॥ गन अन
मन कि धी प्र म रु सुषी ॥ ३ ॥ मी मि का नू रु चानि थ सर ती ॥ ६ ॥ लि ॥ ३ ॥ मू

को ने ओ नामो
मनेया ओमो

सक मिखा पत्यपती अति मइ पूरुष गन लाय हती ॥ १ ॥ नू गल मचा
न गूरु पल कि नती ती श्री मदल मन की माडा पुरु विंति चोया डाका
धस नंग हात्रि की ती विधि जाना हा लाडा ना धा कुरु नू ती ॥ २ ॥
अम पिपनि अन मि वृद्धावन सती थ उय थ पि त सी को न
रु कष ती ली ली पस्थ डाल का नू रु मा डा कृति रा डा दा सि या का
त ला व म न विंती ॥ ३ ॥ ५ ॥ १ ॥ ७ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ॥ नाग ॥ दडा नी ती ॥
वति मल या आस या ल कं थ म लायी ॥ ५ ॥ मा म व वू नू जा
दा रु कि जा र्थ थ र्थि ति रु सु पी वि रु सा षयी ॥ १ ॥ वी ध क सु ता

centimeter 5 10 15 20 25

25

20

15

10

5

0

गी. दसस कली थडा चं सडा षं तडा धं धं पी ॥ २ ॥ रुकी धाया
 इनी नापे म लायी हल रुग कली पहली या षं ॥ ३ ॥ गनी
 लाया पूसी कबान ह्या षं लिपगतिमसी हिल्यं क गनी ॥ ४ ॥ लाडा
 जीडा रोपी मनू पी जाती नृति कस्त लायी नोमका हरी ॥ ५ ॥ रोडा
 दास चि वी नान म चानी मिषा पलेपती कस्त सारुती ॥ ६ ॥ फ ॥
 ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ नाग ॥ दडा गीती ॥ चर्ति ॥ दन नोमति क नः
 प्या नृगम पासी ॥ ८ ॥ वनि दनी रुयी कव सा आ षं चालु पहनः
 ली सव धागयी ॥ ९ ॥ घन मंत्र कादी वन भागही एक उही तही पा

एका नृ नोम ॥ मा
 ॥ दन नोमति ॥

नम्मा मत्री ॥ २ ॥ दीन रुती आ षं लाऊ हागयी स्याम च्छा नृ नहीः
 म्मा के स्वजायी ॥ ३ ॥ नृ सनही जानी वाङ्मवर्स की नजा निप हें
 की चनी उजुसी ॥ ४ ॥ काति विन ति की कस्त ह स्वामी लाडा दा
 सिन ती चाह साकनी ॥ ५ ॥ फ ॥ १ ६ २ ॥ ७ ८ ४ ॥ नाग ॥ काहि
 ॥ वध्मा चान यहा वन सस उभत हवू छाति या डाना ॥ ६ ॥ सकन नृ
 अन धाल म्मन लाहा कपत याहा पल हल मिषा वान हिलि उजित
 रुति साया म्म उरिन नृ गस्त मरि हन वीना जित हया नृ वला यामन च्छ
 नपू नेया कानू जिथ बाह आया ॥ ७ ॥ फ ॥ १ ६ ३ ॥ ७ ८ ४ ॥ ७ ८ ४ ॥

वान यहा वन म्मा

१ नाग ॥ दंडा गीत्री ॥ चर्ति ॥ कात्र श्री नाम धन लीपाम लायी ॥ ५ ॥
 कर्म धर्म लायी या अत्र रुकी ॥ ग्म वधन धत्री पीक क लायी ॥ १ ॥
 ॥ ग्व कूत्र सहनी वसु पू ॥ धलिषयान ॥ ग्म वद लायी ॥ २ ॥
 किलन मन ॥ का अना हनी ॥ रा अ दास हात्री क कू ॥ वि ति ॥ ३ ॥
 ॥ फ ॥ १ ६ ४ ॥ उ र ८ ॥ ॥ नाग ॥ दंडा गीत्री ॥ चर्ति ॥ मत्र नाम अ
 धन मत्र ॥ ग्म साही ॥ ५ ॥ माता पिता मत्री जन्म दिया ही कु
 र्म दिया लूषी म्वा को ॥ ग्म साही ॥ १ ॥ पुन जन्म हात्री कह म ॥ १ ॥
 लाय साने दगी म्वा नू प राधि ॥ २ ॥ रूनी जन्म लायी साध वा रासी

मूर्ख मति हायी हमन काही ॥ ३ ॥ रा अ दास कही माध व सुनी य
 ही नत्र दही कात्र थ गयी ॥ ४ ॥ फ ॥ १ ६ ४ ॥ उ र ८ ॥ ॥ नाग ॥
 ॥ दंडा गीत्री ॥ चर्ति ॥ मत्री नाम मति धन लाल वी हात्री म वू जन
 हनी ना गु नू जानी नति नथ करी म्वा म ग नू नी ॥ १ ॥ लू पे जे उ र
 नी य कह नाही ॥ हम नू प गु नी गुन वी चात्री ॥ २ ॥ गु नू धामी
 दकी क पत कि यी चूक स व गयी जग सा मू थी ॥ ३ ॥ जम ना ज
 सासि म्वा पा पी करी ॥ जामू व रां म की ना अ ले न ही ॥ ४ ॥ रा अ
 दास के सी मू नू व र यी ॥ क उं वात मत्री क कू सा कही ॥ ५ ॥ फ

॥ ५॥ ७८॥ ७८॥ ॥ नाग ॥ ह म क ल्या न ॥ चा गा ॥ ज गि त्री धा त्री ग
 व न ध न कि ॥ गो अ ग व प वा ल व चो ॥ उ क रू ध न्य सा म न थः
 तु म की ॥ ५ ॥ व लि सं म्य घ पा ष न क क न ही ला ग न स्या म किः
 द ष त ॥ ७८ ॥ ना ॥ ग व द प त्री वि न ती क न य न जा नी लो हि त ॥
 क थ ना थ ज न्म ली ॥ १ ॥ ज व जा नि य थ क न र म ल स व क ज य ज
 का न पू क न ष सी त ही रा अ दा स क ह न र म ग व ष ल र ग अ न ह
 ना म क रू सा ही ॥ २ ॥ ५ ॥ १ ७८ ॥ ७८॥ ॥ नाग ॥ ह म क ल्या न
 ॥ चा गा ॥ व रू ज गि नी ज ग न क मा ॥ त्री द न स न प न स न म
 ना ग व रू ज गि नी ज ग न क मा ॥ त्री द न स न प न स

॥ ५ ॥ ७८ ॥ ७८ ॥
 ॥ ५ ॥ ७८ ॥ ७८ ॥
 ॥ ५ ॥ ७८ ॥ ७८ ॥

क हा ॥ मह ष्व त्री उं ना नी ॥ ५ ॥ क पा नी नि धी धा म ह क न
 हा ॥ उ ही प रि त कि द या नी ज य मा नी ए ग व ती ए वा नी अ स
 न क मा नी स न उ धा नी ए क क क ल्या नी ॥ १ ॥ क ह त रा अ दा स
 ह र व न ष्व त्री जी स न ली य सि ह व धि य द वी इ स मा नी उ का नी
 क नी ग ॥ ७८ ॥ त न्म ला हा ई सा ह क दा हि नी ॥ २ ॥ ५ ॥ १ ७८ ॥ ७८ ॥
 ॥ नाग ॥ ह म क ल्या न ॥ चा गा ॥ नी थ ना थ की क न ना द या नी नः
 श नि धि व न दा न वि डा की न जी ग सी क न ज इ प नी ॥ ५ ॥ ए नी
 न इ ॥ प्या ष न हि सा टि ग ता दि ग ता दि ग दा दि ग टि दि ग टि ग

॥ ५ ॥ ७८ ॥ ७८ ॥
 ॥ ५ ॥ ७८ ॥ ७८ ॥
 ॥ ५ ॥ ७८ ॥ ७८ ॥

गारथ्ये, ततता, दिग, मनष, सीरुस्य, दैव नूथस्य, छिलाडा, साह
 ती ॥ १ ॥ धूया, कुंगुनी, ही, नाडा, विन, कषास्य, यसे, दी, कास्य, धुन, ग
 जी, तास्य, लो, ला, नूती, एडा, दास, का, क, इ, नी, पर, या, पंती, दु, कि, इ, म
 नूती ॥ २ ॥ अ ॥ १ ॥ १० ॥ उरु ४ ॥ ॥ नाग ॥ पजा ॥ वाता ॥ कोरु, को
 रु, के, स्य, करु, मका, उम, मती, कानी, स्या, म, म्य, न ॥ अ ॥ का, रु, म्वा, का, इ
 न, त, इ, न, रु, जा, डा, म्वा, सा, ह, म, उ, मा, न, प, ग, क, धू, न, ना, ही, कानी ॥ १ ॥ ता, रु,
 म्वा, न, सा, रु, व, क, व, त, पा, डा, न, ए, डा, स्य, ना, मि, न, क, थि, न, क, थि, न, प्या
 न ॥ २ ॥ अ ॥ १ ॥ ११ ॥ उरु ४ ॥ ॥ नाग ॥ पजा ॥ वाता ॥ त्र, स्य, न, उ

कोरु, कोरु
 कोरु, कोरु
 कोरु, कोरु

म्य, न, न्य, न, क, क, व, स्य, य, वा, प, रु, म्य, न ॥ अ ॥ ला, रु, द, ला, रु, मा, न,
 का, उ, न, इ, व, न, जी, न, क, रु, द, म्वा, ल, कि, मि, क, ना, व, थि ॥ १ ॥ द, न्य, ला,
 न, वि, क, न, वा, द, न, म्वा, थि, न, क, थि, न, क, थि, न, ना, ना, या, य, न, क, व, थि ॥ २ ॥
 क, रु, त, न, दा, स, न, ए, डा, क, व, व, ल्य, उ, मा, न, चा, क, नी, रु, म, न, व, ना, म, क,
 ३ ॥ अ ॥ १ ॥ १२ ॥ उरु ४ ॥ ॥ नाग ॥ ता, नी ॥ व, क, ता, ल ॥ ता, न, ना, मा,
 द, या, ता, नी, प, ता, ता, न, का, ना, म, ता, न ॥ अ ॥ दा, न, व, ना, व, न्वा, मा, नी, क,
 ना, प, न, त्र, ग, म्वा, लि, न, क, नी, ली, यी, प, रु, न, थि ॥ १ ॥ प, जा, द, व, चा,
 या, हि, न, ए, वि, दा, ल्यो, व, लि, क, क, ल, क, नी, त्र, उ, रु, न, दा, न ॥ २ ॥

कोरु, कोरु
 कोरु, कोरु

कंगका उधन सवक उमन राडाक निनद ७७ एया रगपालक
 ॥३॥ फ ॥ ११३ ॥ ७८४ ॥ ॥ नाग ॥ पऊ ॥ चरि चंचलकी मनक
 नी घघलुकी नीद आ ७७ बालगिन हीन घघ लघ घघ कान
 घाली ॥ ६ ॥ सारंगि तवने वजायी मूर्चगी तवना सार मिलाय
 क गयी नाम नाम नि गून खाही नाम हनी उनो दने वासुदेवगी
 नी धत्री ना धनाचा पूषी हाय मदन रगपाल आली ॥ १ ॥
 वृजवी हारी लाल कय सुनत स्यामकं भादलिक धूनी सुनीः
 राडादास पिक्कपति टदि गद दिग तता टीग दादि गदि गथे

टिग दा टिग दिग ७७ गय राडा वता आली ॥ २ ॥ फ ॥ ११४ ॥ ७८४ ॥
 नाग ॥ धनाधी ॥ पताल ॥ वन नस तन सदानो काली की ॥ ६ ॥ वा
 गमति धी स्वर्ष मातक वना विशक गुंज सारी काली की ॥ १ ॥
 गुकाति जा गिनिलिग का वाना संग एवय ७७ धन कालि की
 ॥ २ ॥ सुन नन मनी नाग नगि नीना ऊऊ कालि एऊन कालि की
 ॥ ३ ॥ वीनती राडादा सया दह मा ७७ किन्वा कि पायि उधनया
 कालि की ॥ ४ ॥ फ ॥ ११५ ॥ ७८४ ॥ ॥ नाग ॥ काला ॥ लताल
 गानि लाग थडा दान आडा ॥ ६ ॥ पून वया पुन्य उषलाग

वेनि गिन मनी ॥ सा
 वेन नस नन ॥ सा

वेन नस नन ॥ सा
 वेन नस नन ॥ सा

नृति कृपा दया दान यात ॥ १ ॥ पूना न स दृढ या का थग पाप पू
 न्य क नी थ नी जीत ॥ २ ॥ पत्र धन काय इ ४ व सीत थर्म मनः
 सीता मूतूषत ॥ ३ ॥ लिपा रुल पासा वडा लगी वन रु या डी यो
 थ गु थत ॥ ४ ॥ थडा रुका क्रात लाडा दासी कफ रुन इष व्या
 क दृढ ॥ ५ ॥ फ ॥ १ ॥ १ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ नाग ॥ कोला ॥ लंगाला
 ही माह का ध माया काय ॥ ६ ॥ षवी म्वाय मन थ ४ व ह थी
 प गु रुग म्वाय द ४ वी रती ॥ १ ॥ सीसा न न साने मर्ष गती न
 न रुनी रु ४ वी मषू रु गु ॥ २ ॥ भव मइ थडा इष हती पत्र उप

इन्द्रपति ॥ मा
 रारिमाह ॥

काल या डी मगी ॥ ३ ॥ कफ रुया दास लाडा क थ गु रु न
 न डी ४ व डी सि ति ॥ ४ ॥ फ ॥ १ ॥ १ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ नाग ॥ क दाना
 ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

इन्द्रपति ॥ मा
 रारिमाह ॥

नन्दया कन पिता भन नाधि काडा स्याय प्र रुय रगी सडा ॥ ३ ॥
 मषू थ्याय यडा कीकाय नू रु गुती तनह काम कला सी डाः
 छाया थ्व कमिसन दकि नापन मइ ग्व पाल क पि हू ठू
 वाडा ॥ ४ ॥ मा रु कि कार्य कि गु मू माला या हल विदु नि कि
 क सिया काय डा उपी धि कन गं थ्व कायि डा मरु तिनी ऊ
 सा दो पति मरु या थ ॥ ५ ॥ राडा दासन झा त म सि डा क रु नि
 त रु रु रु थ मन कह डा ल पति न स वा होई साह थ्व डा रु नी रु
 रु नू व गाल काडा ॥ ६ ॥ ॥ १ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

जगत्तुली

जगत्तुली रुनी मन प चूतानी ॥ १ ॥ चंचल चीथनी पघ मनी
 उधनी रुसिनी धीसी दं कि नि मूष कणनी ॥ २ ॥ नचाल कनी नू प
 नी सल की सुनहा सव काहिक रु न स्वा मानी ॥ ३ ॥ काहिक नू प
 नी कव रुनी उमात्री कामिनी हा वी मन की थ निरु लि मगी रा
 डा दास कह सुन रायि संगनी नू डा नी सव का दनी नाम नाम ल्य
 नी ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

माताद्वि

न माणिकागत न तन लिगका अह ॥ १ ॥ सिंह ग या ला ना ठं ए नी
 ठं ए गुमानी रुस्य चाह मा चकू ह द ची ग सकल माला स्या चा अ
 जागिनी सकल्यन रुषन ह ॥ २ ॥ वताल क अन रुग गनन घाष
 न रुया लाहिय का न ह द व द क अ या जय ऊ काल पु का न या क
 जय रुग व ती ह ॥ ३ ॥ सैक सुता न नी इ सु मा न नी विघन विना सि
 नी ए वा नी ह नू ए य व न दान वी अ च छि की दा स ए अ या मन पू
 न या अ ह ॥ ४ ॥ अ ॥ १ ८ ० ॥ उ ह ॥ ॥ नाग ॥ जय ऊं ति ॥ वं ध ॥
 दा म्म नू व ता न सि व का न नी ॥ ५ ॥ पितृ थी या ए न द क का गा य न

(वि व नू व ता न ॥
 दा म्म नू व ता न ॥

अथ रुक रुक रुन द स नू व ता ल का य ला क ॥ १ ॥ रु न थी न मा
 हा राज धर्म या सली क री म स न द क स्या क स की रु की व्या क ॥
 ॥ २ ॥ नू न रु न या सा न थी रु क रु थी ही क मा हा ए न थ स द क म
 ना रु क स्या क ॥ ३ ॥ न क ल स रु द व न प न क र्म या क म म्म ष म्म
 थ पि ष म्म ए न थ स ल्य क ॥ ४ ॥ स्या म क रु स रु ता गा ल का वी
 न रु क ना ज स्व य ज रु य या ना रु म्म ना ह अ ह ॥ ५ ॥ ला क म्म न
 ला य म रु अ स स न या क रु अ दा स या न व न दान वि य अ ला ग
 क ॥ ६ ॥ अ ॥ १ ८ १ ॥ उ ह ॥ ॥ नाग ॥ जय ऊं म कि च रि ॥ या न न रु

(य द रु क ना न
 दा म्म न रु क ॥

25
 20
 15
 10
 5
 0

centimeter 5 10 15 20

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 गरीष्म उष्ण नद्यः स्याम मन्त्री ॥ दध्ना ह उरध्ना उम कही पानीः
 नाही यत्र मन्त्र स्याम ॥ १ ॥ माना मन्त्र कर्ष्य उमा गगनी कल्यक
 जायी वरुदीन नद्य मन्त्र पान पकी नाही कवी कत्र स्याम ॥ २ ॥
 जाय दीन कह गया ॥ नद्य कधे नही कानी ॥ लख हा प्र ल दासी
 लाडा ॥ उरध्ना नजी पद चायी स्याम ॥ ३ ॥ ५ ॥ १ ८ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥
 नाग ॥ पर्ज ॥ चर्ति ॥ म्या उल माजी स्या ॥ मइ इइ इतिका चन
 थ मन लीक मा ला रुला मा ध ॥ ५ ॥ मम ग पूसा मीया सत्य मइ

ल्य॥ मकन, कनकी, गाता, उन, धमि, कन ॥ १ ॥ लागल, मरा, लया, म
 ना, पाथ, न, कनक, क, धायी, प, ड, म, अ, मिसा, कन ॥ २ ॥ मिनि, द, मया
 क, नो, ल, अ, क, र, ल, थ, अ, वां, म, ला, ग, वा, क, प, क, हि, ल, कन ॥ ३ ॥ मा
 मन, व, अ, ध, सा, ड, नो, कि, मि, सी, उ, म, ठा, म, का, या, प, ल, व, न, ला, ग, कन
 ॥ ४ ॥ ग्वा, न, स, मा, ला, सा, अ, पा, सा, री, न, की, मि, उं, या, मि, सा, या, वा
 नी, रिं, क, मा, ल, कन ॥ ५ ॥ ग, अ, ध, सा, या, अ, ना, मि, वा, सि, क, ला, ग, म
 धा, सा, म, या, क, क, क, ज, क, य, ल, कन ॥ ६ ॥ रु, ग, या, ली, उं, अ, ल, रा, अ,
 न, ला, ग, म, व, या, ग, म, वू, स्या, म, ग, न, ला, य, कन ॥ १ ॥ फ ॥ १८३ ॥ उ, र ॥

१ राग॥ मघमलाल॥ सूर॥ हम उपन नामा उम नहि वनस्य को न
 ॥ ५ ॥ सखत रह नोहि मत्रना कम्म लिखि दीय काह का हापती दती
 नाम दाहाणी ॥ १ ॥ धुती हात ग वन्वा थलिका मत्र न धी एय पा
 निका व्यासन मत्री नाम दाहाणी ॥ २ ॥ राओ दासपू कारी न कम्म
 उही पइचाणी ॥ ३ ॥ रास ना जा के रु रु नाम दाहाणी ॥ ३ ॥ ॥ ५ ॥ ८ ॥
 ॥ ७ ॥ ८ ॥ राग॥ मघमलाल॥ सूर॥ गऊ य घन दात्र काति का
 ति वूद ग ना न ॥ ५ ॥ सदा क न ग ॥ थ नि ग न ज वूद ए ती प न ब्रव की
 पाष की हाती मघ हा दानी ॥ १ ॥ कथ न क न ग न काह का नाम

किष जाना ॥ आमागी उगना दती सव की पानी ॥ २ ॥ राओ कहत सन
 मघ नाऊ जल वीरना ॥ ५ ॥ काही क प्रान जी आगी नाम हा दनी ॥ ३ ॥
 ॥ ५ ॥ ८ ॥ ७ ॥ राग॥ सानथ॥ सूर॥ जी गन वा न्य वास मा ला
 मल ॥ ५ ॥ विला ॥ ५ ॥ गन नम गल वास ॥ गम कूल स साया नाम क
 कू कू मिसन ती आ ॥ इष नम ला ग स विनहन आयो की क रु ती जिग
 ग रथ या आ ॥ १ ॥ घन नन नन हल मघ गत स या हा जम ना रु
 बी उ रु स वा आ ॥ आ ग ग न ल जा स्य पूष रु या द थ ला ता का न की न
 काल आ या वा आ ॥ २ ॥ थनी जिपी सिग ध क सल गान रु म धा ॥ स्या

वेन सग को नहि ॥ मा ॥ वेन सग को नहि ॥ मा ॥
 वेन सग को नहि ॥ मा ॥ वेन सग को नहि ॥ मा ॥

वेन सग को नहि ॥ मा ॥ वेन सग को नहि ॥ मा ॥

म. कन. जिउ. धालया. रा. दास. जि. के. चान. ध. क. मन. त. स.
 कि. गु. स्थ. उ. म. जि. ने. या. य. ३. गु. क. थं. न. म. जी. ल. या. ना. त. ज. म. ल.
 न. ग. ध. जि. ल. उ. गु. क. थं. वी. उ. ना. ऊ. न. कि. मी. प. ती. त. स. वा. हा. इ.
 त. सा. ह. क. ष. अ. व. ता. न. का. उ. म. अ. ४. ५. १८५. ३६४. ॥
 रा. गा. पह. ली. या. वं. धा. ॥ त. ना. म. ति. ना. आ. य. इ. न. द. ६. जा. ना. म.
 का. क. ष. द. उ. स. उ. ५. न. द. ज. क. दा. क. वा. ला. व. र. उ. क. र. या. पा.
 द. व. क. हि. त. सा. हि. ज. ग. के. प. र. उ. १. ॥ म. पि. ग. व. ली. म. द. ह. जा.
 स. ग. उ. प. आ. थ. स. व. क. क. ष. स. पू. र. ण. न. पि. या. ती. उ. २. ॥ स. सा. न. का.

रा. ना. बा. रि. ना. ॥ म.
 पा. सा. र. ना. क. या. ॥ म.

२. ७६

आ. धा. त. का. ना. म. क. ष. ना. म. का. ति. व. न. जि. उ. रि. प. आ. उ. मा. ना. र. उ. ३.
 रा. उ. दा. स. क. ह. सु. ना. म. पि. ना. थ. सा. ह. व. ह. उ. हा. म. न. त. व. चा. क. म. क. उ. ॥
 ४. ५. १८५. ३६४. ॥ ना. ग. सि. द्धा. म. वं. धा. ग. न. उ. ना. ग.
 स. न. म. इ. का. न. र. जि. न. म. ख. न. ५. व. म. सि. ल. मि. जि. स्थ. न. मि. म. नि. स. क.
 स. न. म. ना. य. क. उ. या. क. ह. न. उ. प. का. ग. चि. कि. ध. न. थ. लि. म. की. या. का.
 य. का. न. र. थ. म. न. न. का. उ. नी. १. ॥ व. या. थ. उ. जि. उ. म. न. म. मि. म. म. हि.
 ख. न. का. न. र. लि. प. ना. य. म. इ. न. म. ना. य. द. थ. वा. न. म. हि. नी. न. नां. ध. नी.
 ला. य. व. या. उ. ज. के. वा. ह. नी. २. ॥ पू. उ. म. का. य. हि. क. वा. न. क. ल. म. हि. क. या. न.

रा. ना. बा. रि. ना. ॥ म.
 पा. सा. र. ना. क. या. ॥ म.

घावनलिपताकपूयीनी॥ ३॥ अपियात मेरुयन धूसिलया अपिन, अ
 वर्थं यतर्सेत्थच्चाकर्ण ॥ ३॥ मव, मिसा, काल, उने, कानू, मिसा, हन
 क्रिकिन, थलिसक्कि, का, अन, नाधिकाया, नित, मन, अपि, म, अ, च्छ, म
 न, कानू, व, सह, कि, च्छ, न, ॥ ४॥ वान, लाग, ध, क, च्छ, न, कानू, र, तिया,
 अन, लिपत, येष, लि, स, का, द्वा, र, ध, र्म, म, इ, पू, न, वन, काल, उल, च्छ, लन,
 ली, क, थ, अ, ना, इ, व, सी, ल, नी, ॥ ५॥ अय, हय, स, वी, ठ, न, ल, ल, ग, च्छ, म, स, न,
 मन, स, इ, सु, या, हा, रि, ठ, नी, म्य, वा, रा, ग, का, य, ग, न, त, अ, ध, न, ध, क, न, कानू, र,
 ला, त, र्थ, न, ला, यी, नी, ॥ ६॥ क, लि, या, त, त, ध, न, पि, क, म, म, रि, या, न, लि, प, त,

ऊवा विषय भवनी मवमन् मिनमिन् ध्वलामिन् पतन हि वीया उभ
समइ सि धीनी ॥ १ ॥ अणग्वान सस सान मरिंयाने लकठान रिंया
य र्धमर्ग वासलागनी क्राक र्ण उदासतने दृढ कानू इच्छीन वृ सः
रुध सतक रिन मालनी ॥ ८ ॥ ऊ ॥ ८ ॥ ३८४ ॥ ॥ नाग ॥ विल
सा पताल ॥ चीतक गा वृंदा वन धलना ग्वपी कावलर मा धा
स्यामर्क ॥ ५ ॥ ग्वकल उच्छीनी जान गमन कि उम न मथ ना
क जानन ल्या र्ध स्यामार्क ॥ १ ॥ मथ ना सह ना लाक वदि वदि अ
षक र्गम प्रिया क बोलायी ना ध स्यामार्क ॥ २ ॥ यक दिन नही जा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

जाननन सं ग्य ला का गयी सव मारी क च सि जा ना नाहि दी ना ॥ ४ ॥
 ग्य रु नी ओ उ ग्य क ल्य रु सि क नी मारी ली ना धा स्या मर्क ॥ ३ ॥ सुन व नः
 माली उ म्वा ग्य क ल क ना का ना रा डा दा सी क चित न वा स्या मर्क ॥ ७ ॥
 ॥ ५ ॥ १ ८ ॥ ३ ८ ॥ ॥ नाग ॥ पूर्वि ॥ मगु ली ॥ का ग्य सान क ने का ग्य
 न धान न धान न धान न धान न धान ॥ ५ ॥ अ ल ख नी न क न जा ति क
 सक न जय तय क न लग सी व पु ॥ १ ॥ क ह य ल डा दा स रा ग्रि र्थि वा मः
 ती इ न्ना रु द ना हि जा ना सी व पु ॥ २ ॥ ५ ॥ १ २ ० ॥ ३ ८ ॥ ॥ नाग ॥
 ॥ मारी ॥ व प्र ता ल संगि ॥ पी क क थ ल त गे पि ग्य लि नि ना थ न चू नः
 नी य वा ध ॥ ५ ॥ ६ ६ ६ दि दि द ता ता त थ थे या थ म्द ग ता र्व जा या

॥ मा न मा न ॥ ॥ गी न प न न न ॥
 ॥ जा म मा न ॥ ॥ गी न प न न न ॥

॥ १ ॥ ६ दि ग श्च दि ग त ता थ ता दि ग ता ल की ना धा नी पं वा हा क आ ग्य
 पा डु ची नी दा ला ला ष्ठी रु क र्ता नी ना थ ता थ ना धा ध्रु वा की हा
 थि प न स्या म च ध क ने स की र्थी ता र ता थ व सी ध न का ॥ २ ॥ म ल
 ता म्म उ म्ना हा थि क म्म उ म्नी क ह्म हा डा दा स ॥ ३ ॥ ५ ॥ १ २ ० ॥ ३ ८ ॥
 ॥ नाग ॥ काला ॥ चरि ॥ स्या मा म्वा ना ली वा जा यी ॥ २ ॥ हा प्र नी स वी नी वा
 सु नी सु न नी ल्य वा च ल नी र्द दा व न ॥ ५ ॥ ना ग नी काला का द वि थ
 य ग्य ला ना धा ल ल ह मा नि शु मा नी म्म म्वा न न सिया वा ली का न
 ना र्द दा व न ॥ १ ॥ चं व ली गु ला वा मा र्ति रु ल वृ थ्वा वा क्श च ल मन
 की सु न नी स्या ना य दा सि डा डा का वा ली ल्य वि दा व न ॥ २ ॥ ५ ॥ १ २ ० ॥

॥ सो रु प ॥ ॥ मा
 ॥ स्या मा मा न नी ॥

25

20

15

10

5

0

१ नाग ॥ नत ॥ प्रता ॥ स्यामा ॥ धन ॥ दधनी ॥ जा ॥ अ ॥ न्य ॥ ५ ॥ ज ॥ म ॥ ना ॥ क ॥ द
१ गयी ॥ का ॥ ती ॥ ना ॥ ग ॥ ५ ॥ द ॥ ल ॥ त ॥ न ॥ व ॥ ५ ॥ ल्या ॥ यी ॥ ग ॥ वा ॥ पा ॥ ल्या ॥ १ ॥ न ॥ द ॥ ज ॥ ५ ॥
१ दा ॥ द ॥ नी ॥ क ॥ ५ ॥ ल ॥ यी ॥ वा ॥ ल ॥ म ॥ क ॥ द ॥ रु ॥ सी ॥ आ ॥ ५ ॥ न ॥ २ ॥ क ॥ रु ॥ य ॥ ल ॥
१ अ ॥ दा ॥ स ॥ स ॥ न ॥ हा ॥ क ॥ ५ ॥ ज ॥ म ॥ ना ॥ ग ॥ वा ॥ प ॥ वा ॥ ल ॥ ना ॥ थ ॥ ल्या ॥ ३ ॥ ज ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥
१ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ४ ॥ ॥ ना ॥ ग ॥ प ॥ ५ ॥ ५ ॥ ना ॥ मा ॥ या ॥ मा ॥ ग ॥ न ॥ आ ॥ या ॥ हा ॥ दा ॥ ना ॥ नी ॥
१ ॥ ५ ॥ ल ॥ श्री ॥ क ॥ ज्ञान ॥ के ॥ व ॥ य ॥ क ॥ थ ॥ ना ॥ थ ॥ ली ॥ हा ॥ रु ॥ म ॥ क ॥ ध ॥ ना ॥ हा ॥ दा
१ ना ॥ नी ॥ १ ॥ प ॥ रु ॥ क ॥ व ॥ जाना ॥ का ॥ हि ॥ ना ॥ हि ॥ जाना ॥ जो ॥ ही ॥ मा ॥ ग ॥ ध ॥ सा ॥ द ॥
१ ना ॥ हा ॥ दा ॥ ना ॥ नी ॥ २ ॥ दा ॥ स ॥ ल ॥ अ ॥ मा ॥ ग ॥ ध ॥ गि ॥ नी ॥ प ॥ द ॥ पू ॥ ना ॥ रु ॥ न ॥ ल ॥ क

१ नाग ॥ नत ॥ प्रता ॥ स्यामा ॥ धन ॥ दधनी ॥ जा ॥ अ ॥ न्य ॥ ५ ॥ ज ॥ म ॥ ना ॥ क ॥ द
गयी ॥ का ॥ ती ॥ ना ॥ ग ॥ ५ ॥ द ॥ ल ॥ त ॥ न ॥ व ॥ ५ ॥ ल्या ॥ यी ॥ ग ॥ वा ॥ पा ॥ ल्या ॥ १ ॥ न ॥ द ॥ ज ॥ ५ ॥
दा ॥ द ॥ नी ॥ क ॥ ५ ॥ ल ॥ यी ॥ वा ॥ ल ॥ म ॥ क ॥ द ॥ रु ॥ सी ॥ आ ॥ ५ ॥ न ॥ २ ॥ क ॥ रु ॥ य ॥ ल ॥
अ ॥ दा ॥ स ॥ स ॥ न ॥ हा ॥ क ॥ ५ ॥ ज ॥ म ॥ ना ॥ ग ॥ वा ॥ प ॥ वा ॥ ल ॥ ना ॥ थ ॥ ल्या ॥ ३ ॥ ज ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥
३ ॥ ४ ॥ ४ ॥ ॥ ना ॥ ग ॥ प ॥ ५ ॥ ५ ॥ ना ॥ मा ॥ या ॥ मा ॥ ग ॥ न ॥ आ ॥ या ॥ हा ॥ दा ॥ ना ॥ नी ॥
५ ॥ ल ॥ श्री ॥ क ॥ ज्ञान ॥ के ॥ व ॥ य ॥ क ॥ थ ॥ ना ॥ थ ॥ ली ॥ हा ॥ रु ॥ म ॥ क ॥ ध ॥ ना ॥ हा ॥ दा
ना ॥ नी ॥ १ ॥ प ॥ रु ॥ क ॥ व ॥ जाना ॥ का ॥ हि ॥ ना ॥ हि ॥ जाना ॥ जो ॥ ही ॥ मा ॥ ग ॥ ध ॥ सा ॥ द ॥
ना ॥ हा ॥ दा ॥ ना ॥ नी ॥ २ ॥ दा ॥ स ॥ ल ॥ अ ॥ मा ॥ ग ॥ ध ॥ गि ॥ नी ॥ प ॥ द ॥ पू ॥ ना ॥ रु ॥ न ॥ ल ॥ क

१ जा ॥ अ ॥ र्ज ॥ नी ॥ गी ॥ ५ ॥ ना
१ का ॥ ला ॥ य ॥ ना ॥ गी ॥
१ पा ॥ हि ॥ ने ॥ आ ॥ न ॥ ति ॥
१ म ॥ ना ॥ ल ॥ क ॥ न ॥

नी ॥ द ॥ ना ॥ हा ॥ दा ॥ ना ॥ ना ॥ ३ ॥ ५ ॥ १ ॥ २ ॥ ४ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ॥ ना ॥ ग ॥ ध ॥ ना ॥ ली ॥
च ॥ र्ति ॥ का ॥ हा ॥ धा ॥ ना ॥ क ॥ ती ॥ अ ॥ सु ॥ अ ॥ नी ॥ ता ॥ जी ॥ दु ॥ की ॥ ५ ॥ ॥ आ ॥ ग ॥ ना ॥ दी
लि ॥ म्ब ॥ ल ॥ ना ॥ ५ ॥ ल्या ॥ ल्या ॥ हा ॥ ना ॥ ग ॥ च ॥ ध ॥ ठ ॥ व ॥ गी ॥ न ॥ य ॥ पा ॥ ना ॥ पा ॥ ली ॥ १ ॥ ॥ सा
त ॥ स ॥ म ॥ द ॥ न ॥ खा ॥ व ॥ व ॥ नी ॥ क ॥ पा ॥ ग ॥ ग ॥ ना ॥ च ॥ न ॥ के ॥ मा ॥ नी ॥ ल ॥ का ॥ ज ॥ ली ॥
२ ॥ गु ॥ मा ॥ न ॥ ना ॥ क ॥ न ॥ व ॥ ध ॥ त ॥ नी ॥ आ ॥ य ॥ ग ॥ ना ॥ म ॥ क ॥ न ॥ स ॥ हा ॥ रु ॥ ल
न ॥ ली ॥ ३ ॥ का ॥ रि ॥ स ॥ या ॥ न ॥ क ॥ स ॥ रु ॥ व ॥ धी ॥ क ॥ न ॥ र्ग ॥ ना ॥ ही ॥ हा ॥ ही ॥ इ ॥ ति ॥
र ॥ न ॥ हा ॥ यी ॥ ४ ॥ सा ॥ रु ॥ व ॥ वी ॥ क ॥ न ॥ जि ॥ न ॥ क ॥ ज ॥ म्ब ॥ द ॥ ५ ॥ ग ॥ क ॥ रु ॥ दा ॥ स
रा ॥ हा ॥ स ॥ ना ॥ ला ॥ यी ॥ ५ ॥ ५ ॥ १ ॥ २ ॥ ५ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ॥ ना ॥ ग ॥ ध ॥ ना ॥ ली ॥

centimeter 5

10

15

20

25

चर्ति ॥ मंगलकर ठवृन्दकी ऊँ सुनत नमनी करी आरती ली ऊँ ॥
 ॥ ५ ॥ अरु ॥ मथुरा गमकूलक पूत्री चिण्कात द्वात्रिका वीराज
 नीजी ॥ १ ॥ ॥ ५ ॥ याग माधव गया गजा धन उर्गनाथ चोरासी राग
 पुनाजी ॥ २ ॥ ॥ ५ ॥ ककुंदास राउ पुकान गजयजय आरति गव
 पिनाथकी ॥ ३ ॥ ॥ ५ ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ॥ नाग ॥ धनाधी ॥ चाता ॥
 सैक नरालानाथ विनाज वृषदिप नयी धद आरती की ऊँ ॥ ५ ॥
 नामना वजना काहि विष्णुनाथ पुसुपती नाथ के वारं मतितीना ॥
 ॥ १ ॥ आदिना निखना रत्र वरुधनाथ कोलकृष्णाय निनकथना

॥ आरति सैक न ॥

थ ॥ २ ॥ राउदास ककुसुमा उमानाथ जगत उधन कर गे लूः
 नाथ ॥ ३ ॥ ॥ ५ ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ॥ नाग ॥ गजानी ॥ चर्ति ॥ हागीनी
 धत्री मन्त्री की साध आरती कर ॥ ५ ॥ पीती वनक धतिकु
 ककुं पली जय तिकिवन माली के थल गमनी ॥ १ ॥ लालवी हात्री
 कयम उक मनी नउ नल जनी नथ मरुन कलंगी ॥ २ ॥ धनूच
 धाती नन्द जसादायन वसुदव किके ककु नकर की ॥ ३ ॥ दास
 राउक प्रवृत्ती नाही किष्ण यही प्रह्लादा की मीली कव हुनावा
 ली ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ॥ नाग ॥ गजानी ॥ चर्ति ॥ कातिवि

॥ आरति हागीनी ॥
॥ मय आरति ॥

॥ मय आरति ॥
॥ काटि विनक्ति ॥

25
 20
 15
 10
 5
 0

centimeter 5 10 15 20 25

नती कनी सुन पुर आनती लीज ॥ ५ ॥ उका दसिकी नापी स्वाप
 नही कपूत्रक वर्ति योग्य सुवास धुपु नी ॥ १ ॥ पंडे दिन की यक
 हमात ॥ चाही कबु स्याम मसक इ ॥ उका दसि मनी ॥ २ ॥ यका
 दसी की उम आउता नही रस हस नही जव आ ॥ कक्या द नकी
 ॥ ३ ॥ वाहु वर्ष स्व पृथ उमन के नी अज हन मना घन ना नही क
 वही ॥ ४ ॥ दासि लडा के पुर गम पि नाथ जी दया के न पुर म न
 घन घन आउता नही ॥ ५ ॥ ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ॥ नाग ॥ पंज ॥
 चर्ति ॥ दीया ता न वता मना न दीया वर्ति नाहि न दीया न जानय

दीया का जीव ॥
 दीया का जीव ॥

आपि आयी ॥ ५ ॥ या घन छाया मन रयत ना न कथिन कथः
 ना पीया दीया न जानय आपि आयी ॥ १ ॥ स्वा घन न आ जव पृ
 य पूका न घनी घनी आउ पीया दीया न जानय आपि आयी ॥
 ॥ २ ॥ हा पुर का हा इने दस रली ल्य उम नही जान मनी दीया न
 जानय आपि आयी ॥ ३ ॥ स्वामी क र ऊ लडा दासि नहि ल्य वीना
 वती बल नाही दीया न जानय आपि आयी ॥ ४ ॥ ॥ २० ॥ ३ ॥
 नाग आदना वैध क आसा कन पन दान चाकनी पत पाति का
 हक ना नाम पलाय गम का का ही क जन म रय गि आ क कन वना

दीया का जीव ॥
 दीया का जीव ॥

अत्रिमरु नक्षत्रविचित्र किया जीमीरुनिकाविज कंच ॐ कत विरु
 वरिक्त ग जिअसव आउमा अधन कदीया ॥ १ ॥ चोति पगत्र उम क
 गेका तितनाय सुभन पवगव न राम वनाया राउदा सकहय सा
 सुन पथनक रित नम नह जिअ अनुका धलायि क नाया ॥ २ ॥
 ॥ २०१ ॥ ३८४ ॥ ॥ नाग ॥ कादना ॥ चोता ॥ सकन ॥ का ॥ ग्व ॥ ६६ ॥
 ना देवनू वाला आहा आहाही अग्रवं मग्रवं मग्रवं वाग ॥ ६६ ॥ वि
 षह ॥ धाऊ ॥ हिने ॥ रस ॥ लिपि नाग केरु षनी उमापति पीयरा गध
 दुने साथली ॥ १ ॥ अलषनी नैन उही सुवक त्याग कि कनी काल

सोरुनगह ॥ मा
 ॥ ६१ ॥ कन ॥ ॥

लपत वधव ॥ १ ॥ नप हाथली ॥ २ ॥ पतिगक ग तिउ हीद रा लाना थ
 पसपती दास राअ कहय रुजगदि ॥ ६६ ॥ दुही ॥ ३ ॥ ॥ २०२ ॥ ३८४ ॥
 ॥ नाग ॥ गउ नासा रंग ॥ प्रता ॥ स्याम मधू ना काय कीया हाअ जिपि अ
 न गही रुया ॥ ६६ ॥ वकी उप वान्य मधू रावा ज्ञाना अनकी ॥ ६६ ॥ ददया
 अनलाल मन प्रह रुया ॥ १ ॥ पति यठ उ ॥ ६६ ॥ कन जिपि गही रुकह
 सथ मइ पूनू वया मति मलि अया ॥ २ ॥ नाप वना रुय माल उ ॥ ६६ ॥ क
 न स्याम मउ तल नय मधू पान त्याग किया ॥ ३ ॥ पति विया वष क
 व लिप अय धाल पती मवी वष मक उ ॥ ६६ ॥ कपतया ॥ ४ ॥ उ ॥ ६६ ॥

॥ ७७ ॥ मरुया ॥ मा
 ॥ ॥ स्याम मधू ना ॥

हृदि त्रय चाया लीपवह उह उरु विंति नृती या क रुष रण
 दासि या विनति ह न मा ल म्याम मनस स न विमान वाल कि कि कि
 या ॥ ५ ॥ २०३ ॥ ७७४ ॥ ॥ राग ॥ अलाप ॥ रास कनि ॥ प्रता ॥ सव इ घः
 घात कह नू नारी गंग मायी ॥ ५ ॥ पून वज नम कि हा क उं पाप
 वहा पा पुलगम कुतौ उ गंग जी ॥ १ ॥ मै गला पि गला धन्या ह न
 मलि रुडिका उलेका व मा उ गंग जी ॥ २ ॥ सि धा धी क टा वि क
 ता न व ग्र ह य स च पि दान क ना उ गंग जी ॥ ३ ॥ ह त्रि गंग गी
 गवत त्री साय ता त्रि स नान किय का रु द उ गंग जी ॥ ४ ॥ रा उ

स नि द क पाप ॥ मा
 स व द ष पात क ॥

दास कह सुन ह न्री ह न रा गी त्र थि गंग गी तिन नो गंग जी ॥ ५ ॥ ५ ॥
 उरु ॥ २०४ ॥ ॥ राग ॥ वला डाल ॥ प्रता ॥ परम ना धी रुष
 गम वि च चा रु ॥ ७७५ ॥ ५ ॥ जा क मू खे गम ना ही न्ना ड य वृ त्त
 का द सि ना की य चू क गयी ॥ १ ॥ जा ऊ न म न न सा ग पू न्री ना ग य
 गंग ति र्थ जा ण ना कियी रु ल्य उ ही ॥ २ ॥ ऊ ता दी न किय कि न म
 ती क्का त्रिय ह न्री ह न ज प ना नू अ स र्प र गयी ॥ ३ ॥ रा उ दा स कह
 ह न स व का हि म ध र्म कि वि ना पा त्र नाम अ हि ता री ॥ ४ ॥ ५ ॥
 ॥ २०५ ॥ ७७४ ॥ ॥ राग ॥ सा न थ ॥ स रू ॥ ग नू न रा ष्ट्र दा ह ह न
 ग ज ना ष्ट्र दा ह ॥ ५ ॥ म क न क द ल दा ह ह ना ग लू ल क प्र जा वी

क व न यी मा
 उ र म न ॥

ध यी ना जी ॥ मा
 ग नू द ना जी ॥

गिदल, गुनाऊ, नाऊ, कंउजा, मलू कह, माना क, मकतन, लीया, माना
 क, कनी जान, उर, जायी ॥ १ ॥ मलू कह, माना, अग, योगि, धक, सबली
 याऊ, वरु, अवर, लन, आया, द, ना, कन, नाद, त, पानि, हि, ऊ, गिरा, माना
 ग्वहन, नहि, दीय, वध, नाही ॥ २ ॥ यक, मकु, पाय, द, सं, चीति, रु, क, ग, क
 रया, गऊ, नाऊ, ग्वहन, ल, आया, गऊ, नाऊ, ल, यक, आ, ली, साम, र, य
 जान, गलून, क, जाध, र, य, जा, ना ॥ ३ ॥ यीन, इन, वन, न, रु, को, गि, म, क
 ल, य, र, य, साध, मा, स, आ, य, पाला, पे, ना, मकु, सब, म, न, ग, चीति, कि, ला
 वना, कन, चीति, मकु, दान, मि, ए, र, यी ॥ ४ ॥ ना, रायन, साह, कि, य, चीति

सन, कन, दिय, गऊ, नाऊ, गलून, रु, गयी, रा, उ, दा, स, कह, य, सन, ला, क
 कान, प, य, हि, प, द, व, स, न, कि, चा, जा ॥ ५ ॥ २० ॥ ३८ ॥ ॥ नाग
 आ, सा, अ, गी ॥ ॥ वं, धा ॥ स्वा, ना, को, न, ग, ति, के, ल, उ, म, ए, वा, नी, वाल, क, क, वि
 ला, क, क, ना, या ॥ ॥ ॥ का, हा, मा, यी, वां, का, हा, यी, व, थ, का, हा, ला, घ, व, नी, न
 पा, यी, ला, हा, सी, ग, ल, य, रु, नि, को, थ, इ, ष, स्वा, ना, हा, द, या, म, म, ना, द, धा, हा ॥
 ॥ ॥ मा, हा, जाल, स्वा, को, का, ॥ ॥ म, र्थ, पू, का, ला, रु, ग, व, ति, सु, मि, ला, च, दि
 का, ली, द, वि, न, मा, मा, हा, मा, या, गी, त्रि, न, दि, नी, कू, मा, गी, हा ॥ २ ॥ मा, वां, क
 ह, पू, व, धं, क, हा, यी, कु, लू, व, कह, पू, त, वां, क, ला, क, ही, हा, सि, प, रि, ऊ, व, न

१५
 १६
 १७
 १८
 १९
 २०
 २१
 २२
 २३
 २४
 २५
 २६
 २७
 २८
 २९
 ३०
 ३१
 ३२
 ३३
 ३४
 ३५
 ३६
 ३७
 ३८
 ३९
 ४०
 ४१
 ४२
 ४३
 ४४
 ४५
 ४६
 ४७
 ४८
 ४९
 ५०
 ५१
 ५२
 ५३
 ५४
 ५५
 ५६
 ५७
 ५८
 ५९
 ६०
 ६१
 ६२
 ६३
 ६४
 ६५
 ६६
 ६७
 ६८
 ६९
 ७०
 ७१
 ७२
 ७३
 ७४
 ७५
 ७६
 ७७
 ७८
 ७९
 ८०
 ८१
 ८२
 ८३
 ८४
 ८५
 ८६
 ८७
 ८८
 ८९
 ९०
 ९१
 ९२
 ९३
 ९४
 ९५
 ९६
 ९७
 ९८
 ९९
 १००

五

१ यगयूयनीवज॥ मा १ अवनमिसा॥ मा
१ मदनेगमपाल॥ १ कनकयागग॥

[illegible]

१ नाग ॥ पऊ ॥ चरि ॥ वसिधनी वऊ कथी साहन की धूनि सुनि विचा
 वन चली सषी सव मीली सुनी नही ॥ ५ ॥ ग्म कूल का प्र का रग
 यी ग्मालिनि दउनी कागी वनी सव चली कफ हून जाणी पूर्गी
 का हू आयी ग्म पीयही किं नरु कि सव का ही सुने नरु न धून जाणी
 न पीया न क ऊया ॥ १ ॥ धूल गे करे कर हसी ग्म पिनी ना वनी द
 विकरु मरु का नी चमकत ना ध क स्वा मी कफ धल म्म क ला क व
 रुनी सुनी ना ही एक ना ध एक कफ धालि ना ही एक लया ॥ २ ॥ क व क
 धान पि नरु ली लात दिं धल ती विचा वन ना ध कफ कयी दिन वि ग
 गे प्रह रा जा दा स लख मनी द न सन क व पायी कर्ग ना ध सा ह व नी
 यका न व वन कियो ॥ ३ ॥ ५ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥

१८ व न ज ग ॥ मा १ स न स नि रु प्र वी न
१ व उ ग दि स ॥ १ रु ग व नि च न्दि ॥

१ नाग ॥ धर्मा कारि ॥ आरताल ॥ वज्रत, दिमकत, हुकत, दैव नू
लाला, वज्रत, दिमकत ॥ ५ ॥ नन्दी की, चंध्य, धूसी, सिव, सैकन, की
प्र, वधैवु, डा, अऊता, हुं व धा ॥ १ ॥ कातकी, कून्दि, लकै, लग, धा
गति, पील्यै, नाचत, घूमी, घूमा, हुं घूमा ॥ २ ॥ कहयै, राउ, दास, सु
ना, हुं उमो, पत, मागत, मीलि, एला, हुं एला ॥ ३ ॥ ५ ॥ २१२ ॥ उहै ॥
नाग ॥ रग्न ना सारंग ॥ चर्ति ॥ एगत, ती, चंन्दि, कालि, आदि एवा
नी, दवी, छाला, मूषिनी, वनऊ, ऊगीनी ॥ ५ ॥ ननी, धी, नू, सु
सिधी, सै, पूषु, जननी, सिंह, धी, रनी, जिला, चननी ॥ १ ॥

१५५६ का निद वि ॥ मा
१५५७ का निद वि ॥

षष्ठग. जीसूनी. घृणी वासुन वल्ल. चंद्रमंद. सूरनिसूर. मानी
 ॥ २ ॥ कसका मिनी. तानी. विन्दु निवासिनी. अरयवुदानी. हठ
 लाऊनी ॥ ३ ॥ कहय. लाडादास. सुनहा. कूकानी. इषकी. हठ
 नी. गीरी. नदीनी ॥ ४ ॥ अ॥ ३८४ ॥ ॥ नाग॥ सली॥ सूरनी
 काली. उधु. स्वत्री. दनस. दिऊ. उडा. लाडा. एकि. नही जानन
 ॥ ५ ॥ सहठव. त्री. माहा. माया. दवी. काली. का. षष्ठ. धा. नन. सि
 हच. धी. नन ॥ ६ ॥ गल. मन्द. माला. मा. ठी. त. त्री. ठ. म. हि. गो. उ. ह. नि. ठ
 ह. अ. सु. न. मा. नन ॥ ७ ॥ दवी. सब. द. थ. द. ल. मा. नी. ए. थ. को.
 जय. उ. कान. द. व. पू. का. नन ॥ ८ ॥ लाडा. दास. कह. सु. ना. ज

गदं वा का, पगी, गन के सागर तै का न तै ॥ ५ ॥ **क्र॥ २१४ ॥ उ॥ ४४ ॥**
 वाग को हि प्रता ॥ मो हा, मा हू, सागर तै, ना ना, नू प, धनी, का न तै,
 जगत् कु ल उ, धन न, सी ह, वन, ना नी न ॥ ५ ॥ काल, इ ख, ह तै, क सु च्छ
 कर, बो धि, ना धन, पा प, न, नि धन, धनि, कर, नि स, गान के, स ग
 न, कर, कालिक ॥ १ ॥ इ सु, सा न, कर, ए ग, पा न, सा धू, न क क
 कल्या न, द या नी, द या के न, ना ना उ प प, वी ना सी, कर, कालिक
 ॥ २ ॥ न ह, वा हा इ न, सा ह क, च कु, प्र ति बु ता न, दो ही न, ज य ग य
 ध, ध्व नी, च त ह, क पा क न ह, ला डा क ॥ ३ ॥ **क्र॥ २१५ ॥ उ॥ ४४ ॥**
 ना ग, ता नी, बु क्त, ताल ॥ ज ग त क, ध्व ध्व न, सं वा न, महा द व, उ म

॥ सा हा मा धि सा ग नी ॥ सा
 ॥ धन ज
 ॥ ज ग त

ही, ए वु सा ग न, ता न के ॥ ५ ॥ **क्र॥** जा ति जा ति, मा जा ति, उ च्य गे, धन ही,
 नी च्य गे, धन ही, गे बु क्त वि क्त ॥ १ ॥ लू प लू प, मा नू प, धि व लू
 धन ही, उ मा म ह, ध्व न, की, नू क ना ही के ॥ २ ॥ लिंग लिंग, मा लिंग
 ग ज लू नी, हा ग यी ॥ लिंग क, ह नी धु नी, ल प ती लिंग ॥ ३ ॥ ग ला
 ला ला मो हा ला ला, क न न, उ ध की, प ति त, क उ म, न, ह ग न वि या,
 ॥ ४ ॥ लू डा दा सु, कह ह, वि ध्व ना, क पा कु, नू ना थ, क ना थ ह, प धु
 प ति धि ॥ **क्र॥ २१६ ॥ उ॥ ४४ ॥** ना ग, का हि, च ति, च न न क,
 डाल, ध द न, सु न, ग ह ध, का सी, उ म, प न, सु न, हा, म क ॥ ५ ॥ सी त ल,
 गी म की, ज ल, ए नी, सा ग नी, ल्या यी, सु ना न, क उ म, नू य मा यी ॥ १ ॥

॥ धन मन ग न सा ग ॥
 ॥ च न न क धा न ॥

एवानि

॥ अहं नमो ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

वरुहमना हय ॥ अतः कीय न प्रपुत्र हय सपन ॥ २ ॥ क
 हय राडा दासी सुन ह ॥ मल वाल जी ॥ उन म गय मत्री ल क
 ने पायनी ॥ ३ ॥ क ॥ २१२ ॥ ७८४ ॥ ॥ नाग ॥ वहा ग्रा ॥ चन
 मि ॥ सायन साय जी ल म द ॥ ठ न ह न इ ॥ क ॥ गव व ल व ल प या
 वानि प्रया अतिवान ॥ वाल म स ऊ उ र न न स स इ बी क ॥ ५ ॥
 क द म वा स दी क क ग क या आ स वान ॥ तित वी डी की न न
 ग ल स ला क ॥ २ ॥ पू न ष द का स यी म नी ॥ क्व पि नि ड ला क र
 आ दा सी ला क म ॥ ७८४ ॥ म पि ना थ ॥ ३ ॥ क ॥ २२० ॥ ७८४ ॥

॥ अतः कीय न प्रपुत्र हय सपन ॥

नाग ॥ कादना ॥ ह ॥ जय रगवती दयागी कालिका दान रा अ
 या न वि ड व न दान ह ॥ ७८४ ॥ ॥ क ॥ ह नानी ॥ व ॥ वा स न च न म
 उ मा च का आ ह ॥ न क वि रु य या स्या र्थी ना या म ना या अ ता न ही ॥
 ॥ १ ॥ ज न दी ॥ ७८४ ॥ ॥ म नी ॥ रु द या ना स्या क ह द न दान व या
 वी ज मा ला ल का स्या ता न ही ॥ २ ॥ ॥ जी न न वा हा इ सा ह ॥ री थ पि गि या हा
 वी ड आ ह ॥ ल प गि या व नी प नी प्य गु दि ग रु ना ता न ही ॥ ३ ॥ क ॥ २२१ ॥
 ७८४ ॥ ॥ नाग ॥ का ही ॥ च नी ॥ दी ल न ही ए न न प व न म क उ म ह
 ल ॥ ॥ क ॥ वा रु व र्ष वा ला प न वी न प च स व न ष रु उ म न सा
 थि व न ष मा या पु र ल न ह ना म हा क ल का न ॥ १ ॥ हा थ ग म

॥ अतः कीय न प्रपुत्र हय सपन ॥

॥ अतः कीय न प्रपुत्र हय सपन ॥

नचलनहीमत्र श्री श्री धि कां वही हारगे जी ब्यात्रा नत धि नहि न
 के स्थितामनां हसका ॥ २ ॥ ऊम इत रुसी लीयचल पलक कि
 नम्र वाधन स्वाका वचा अ नाम उमं न स्वत्री दास हा हा डा न प्र ॥
 ॥ ३ ॥ फ ॥ २२२ ॥ ७८४ ॥ ॥ राग व लाली ॥ चर्ति ॥ ग्म साही किः
 या माया वृद्धि कि षाल ॥ फ ॥ यक वन प्रान्द कि री मत्र वना
 यी कत र्धन कत पानी कत वन पिथी ॥ १ ॥ कत उच्य सु मन्द क
 तन रुवन कत द व कत दाना कत ता रागन ॥ २ ॥ कत रुग वीग
 लो वन वा कत न कत वृद्ध कत मर्त कत ऊम जी अ ॥ ३ ॥ कत

(उम साही कि या ॥
 अरु गति रवा ॥

२३ ३१ ३११

नृकु कदा नय कत य कषात कत जल जी अ हय थल जी
 अ कत ॥ ४ ॥ कत विस्ती जा हय गुन जी ग्म साही मो क दुम
 सिषला अ दास हा अ न नी ॥ ५ ॥ फ ॥ २२३ ॥ ७८४ ॥ ॥ राग कादी ॥
 या सतिषन धउ यात अन ॥ ध गु हा ला अ ॥ ताल सु गु या म सी या
 ॥ नन्द ॥ म दा क लाल हा जय क दया लाल जी ॥ १ ॥ मं गु जाण
 ग्म वल ला स व ध घना गेल जी ॥ २ ॥ द द दही ला गाय ध वाल क द
 या लाल जी ॥ ३ ॥ म ल म लि नी दही क जाण धू म म्वा चा पि जी

(धउ यात अन ॥
 नन्द ॥ म दा क

॥४॥ इद दही के नदि हाव धू लागिया रायिजी ॥५॥ गमल आपः
 जं पकक दही माथ मय न्यायी ॥६॥ माचू रूय धालय हाज
 यवाल धूलालक ॥७॥ उच सवक सुनी हा जयय कान सवन ॥
 ॥८॥ नच लालक जय हा जय नन का ककया ॥९॥ हाडा दास क
 हय हा थक हमा नालालजी ॥१०॥ ताल हाउ या मलिया ॥
 ॥११॥ ॥२२४॥ ॥३३४॥ ॥ राग ॥ गेरा सारंग ॥ चर्कि ॥ चनन पननाथ
 नमान मा नूय जय नव लंय जय जय दंया ॥१२॥ जय नून तल
 पा जय नून तलूय नविगत गत थ जय अविधलूय ॥१३॥ च

वेन नप ननाम
 सेन सति जगवा

उदस रबन्य उम व्यापित नूय कन कल्यान दुध दास लडा प्र
 काया ॥२॥ ॥३३४॥ ॥३३४॥ ॥ राग ॥ हिंवात ॥ चली ॥ वीर
 हन रुल डिह इष्ठा लामी की नालूम वल ॥१४॥ सास्य डाः
 ना बापु संगस पूलष गथन लिथस्य दास दस सवपाया
 रुस्य सम लण जीन रिमस्य ॥१५॥ जास डाडा जोरुन थल्य स्वा
 मिन गाताडा अनन कास स्वयन पाताल वाथ थसायन ह्व
 र्जगद थ ॥१६॥ रवाउ चिबू रुस दायकस्य अम दाल लिडा नथ
 रूस सया धर्मन विकान डास्य गथनया लस डा नू ॥१७॥ ॥३॥

ना नद दस मन उम
 विन नन उम

प्याक. थस. साग. चपू. लास्य. चापन. दायक. ईचास्य. ब्रासन. गुतल.
मू. कालिस्थ. हायपान. काइष. सीस्थ. ४॥ क्रासदस. थठ. लिसहस.
वनज. रीनक. याक. थस. क्राससमि. निष्. दकस्थ. निषाम. उाय. मन.
तस्थ. ५॥ पूनूषया. धर्म. मेइ. कल. मिषू. दवेसस. उमतस्थ. समि.
गिया. डा. वान. क्रासद. जिन. दा. उया. स्थ. उम. या. स्थ. ६॥ दठ. डाना.
कल. मडा. कल. चकी. न. थ. पाल. सा. या. न. वारी. वाल. मस. काल. तस्थ.
गुन. या. गुष. ल. मठ. स्थ. ७॥ सुथ. दन. धाल. मष. नस्थ. उम. ल. काम.
सका. उ. उ. स्थ. खान. मा. ला. डा. कि. व. जान. स्थ. दव. पूजा. या. न. ना. अ. स.

८॥ खान. पाल. चिय. खा. वि. ग. स्थ. स्वामि. या. चि. पन. य. मद. स्थ. न.
या. थम. म. ग. ही. रु. ल. स्थ. कि. की. रु. न. न. द. छि. रु. स्थ. ९॥ अ. व. ला.
या. अ. गि. इ. व. रु. स्थ. वि. न. ति. थम. पती. छा. या. स्थ. थू. उ. प. ति. स. चो.
क. ठ. ठ. स्थ. को. हा. मा. स. न. द. का. जा. स्थ. १०॥ लोक. प्र. न. क्रा. स. त. ल.
६॥ अ. व. ला. या. म. पू. न. या. स्थ. ६॥ छी. रि. म. स. न. की. न्वा. वी. जा.
या. ग. जी. का. डा. वी. स. ११॥ दो. स. ला. अ. न. न. लोक. ६॥ स्थ. छी. री. म.
सन. वी. क. का. स्थ. धन. जाना. डा. को. हा. मा. स. थ. री. म. स्थ. न. या. नाम.
का. स्थ. १२॥ को. हा. अ. या. पूजा. थ. न. या. स्थ. सक. स्थ. ला. जन. क. डा.

२५
२०
१५
१०
५
०
centimeter 5 10 15 20 25

सुधर्मकरम्मायायमासन् निष्कृत्यसुखं शंभान ॥ १३ ॥ फ

॥ २२६ ॥ ७६४ ॥ ॥ नाग ॥ मालधी ॥ सुखी ॥ गनपती विदुष्यं
दानं निर्दिष्टि ॥ ध ॥ यीथ गुली दग नून सकलिन गनप
ती लाल पति ॥ स गनपती ॥ मिथ गुली खवनं स पूजा द्रवाथ
मैरुय किं विनान मइ गनपती ॥ १ ॥ स सा लैया आसा किं क
सुदिति सा गनपती साता गुन विडा पनपती ॥ २ ॥ फ ॥ २२० ॥
७६४ ॥ ॥ नाग ॥ मालधी ॥ सुखी ॥ जगत की जननी एउम
नी ॥ १ ॥ ध ॥ दवि सिंह चधिकरी चउमनु प्रेषा ७

नदेत्य दाना दल सवमानी देत्य ७६४ नि ७६४ माहा ७६
करमानी जयजय एगवती ७६४ ॥ १ ॥ दव सव हनषकी
धन्य जय वैदिकाली सदा दाहि उमन रुदवी दवी दास ए
डा कह असु नक मोन करी सुन न न पन वुदाहि नी ॥ २ ॥
॥ फ ॥ २२८ ॥ ७६४ ॥ ॥ नाग ॥ मालधी ॥ वज्रति ॥ मोता काली
काली एयं कर कतत उम ७६४ स इवाग देत्य सास्य वज्रहियका
जापाल देत्य यक या ७६४ धन ॥ १ ॥ काति कातिया ल्या व काय
मुद दयित न ७६४ सा आ का स्या डा उ न स्या दान स्या दान उ
ती सा डा डा देत्य असु न ॥ २ ॥ हीन व ७६४ लान पन व

त. रु. ल. य. ए. ग. अ. त. ल. न. रु. क. न. ह. ल. क. वि. ज. सा. ह. हि. दू. ति. मि. क.
रु. दे. ल. उ. प. रु. न. ॥ ३ ॥ काली का धन मला याता न ही हि दू. ति. क.
दू. ती. वे. स. म. ला. क. स्थ. ह. न. क. वि. ज. सि. त. द. वी. रु. न. व. न. मी. ग. ल. हा.
ल. ह. ॥ ४ ॥ ल. प. श्री. न. ल. वा. रा. इ. न. सा. ह. नृ. पा. ति. या. म. न. पू. न. या. का.
लि. का. ह. क. क. ल. ण. दा. स. ह. ह. द. वी. छि. न. सू. दी. छि. ग. या. हा. ॥

नन्दी क गी नी ॥
क द न न गी नी ॥

॥ ज ॥ फ ॥ २२२ ॥ ३२२ ॥ ॥ राग ॥ मालवी ॥ पता ॥ नन्दी क गी
नी ॥ चन्दी क ॥ षट् ग ॥ धत्री नी ॥ सिंह वाहि नी ॥ आ गि नी ॥ ग न प का स्थ गी
नी ॥ ५ ॥ मारु का ग न क ॥ ति क ॥ नृ प क ॥ ध न क ॥ म ह ष्ट वी क ॥ नृ न

क नृ प द वी रु उ स नी ॥ उ हि मा यि रु रु क ॥ गी नी ॥ १ ॥ क न क.
ना म क ॥ द वी ॥ रु ज क ॥ क न क ॥ ना म ॥ द न क ॥ क न क ॥ द न क ॥ मा न क
न ग ॥ सू नी ॥ स व द ॥ उं का न ॥ गी नी ॥ २ ॥ दान व ॥ इ रु क ॥ ट क ॥ ट क ॥ क ॥
दे ल क ॥ द ल ॥ मा न क ॥ ष प न ॥ रु न क ॥ नृ दि न ॥ क र ॥ पि क ॥ च मे क ॥ का
लि क ॥ गी नी ॥ ३ ॥ वी क न ॥ सा न क ॥ धा न क ॥ न क ॥ क स क ॥ रु य ला य
क ॥ रु ध क ॥ जा य क ॥ अ ष्ट स व क ॥ मा नी ॥ काली रु न व क ॥ मी नी ॥
॥ ४ ॥ न ल वा हा ई क ॥ दा हि नै हा क ॥ कालि क ॥ उ म न रु क ॥ नन्दी नी क
दा स ॥ ल ण ॥ क रु य ॥ सू ना ॥ ज क ॥ उ धा न क ॥ गी नी ॥ ५ ॥ फ ॥ ३२२ ॥

१॥ माहा मायि ॥ मा
२॥ माहा मायि ॥

॥ ३० ॥ ७८४ ॥ ॥ नाम ॥ माहा मायि ॥ लता ॥ माहा मायि ह. वन ॥
जागीनी, माहा मायि ह. उर्गता ना, सिंधिनी, व्याधिनी, जहास वः
जास, तया उ. अती हर्ष, वीष्ठाक ॥ ५ ॥ एतव हर्ष, तया जागी
नी गेन, लीत का, दवी, चाठक, मनिचू, पर्वत, सुवर्षु, पून, सस, स
वन, मनी, मान या क ॥ १ ॥ अर्य, वन, दान, दान, वी, डा, दवीन,
कनूना, दया, तस्थ, पति, त, उध, नन, नाम, रु, या, उ, चाठ, ज
गग, उ, ध, न, दवी, या क ॥ २ ॥ लाक, म, रा, डा, दा, स, ठ, ठ, जन, नी, इ
ष, या, ष, ला, अ, सी, धा, वि, रु, नि, द, न, स, न, गि, ह, वन, नानी, जय, थ, क

क

१॥ माहा मायि ॥ मा
२॥ माहा मायि ॥

॥ नाम ॥ माहा मायि ॥ लता ॥ माहा मायि ह. वन ॥
जागीनी, माहा मायि ह. उर्गता ना, सिंधिनी, व्याधिनी, जहास वः
जास, तया उ. अती हर्ष, वीष्ठाक ॥ ५ ॥ एतव हर्ष, तया जागी
नी गेन, लीत का, दवी, चाठक, मनिचू, पर्वत, सुवर्षु, पून, सस, स
वन, मनी, मान या क ॥ १ ॥ अर्य, वन, दान, दान, वी, डा, दवीन,
कनूना, दया, तस्थ, पति, त, उध, नन, नाम, रु, या, उ, चाठ, ज
गग, उ, ध, न, दवी, या क ॥ २ ॥ लाक, म, रा, डा, दा, स, ठ, ठ, जन, नी, इ
ष, या, ष, ला, अ, सी, धा, वि, रु, नि, द, न, स, न, गि, ह, वन, नानी, जय, थ, क

ककिं धाडा ॥ ४ ॥ यनी धनम कनम कुनया जिन साडा ऊमकिं
 कलन वि०० कालिग्वहालि वीडा ॥ ५ ॥ आस नान डाय धूनर
 नसा किं कं तसा डिपोपिया थमस दवी उधा नया ही वीडा ॥ ६ ॥
 राजा दास झा का ६६ कालिका मायी की न भव मइ कि विना
 न अक को सया गती ॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ॥ नाग ॥ नाग वि ॥
 ऊय ॥ उगा ल ॥ वन सन विडा विरु रयी नव पची लियार
 यी नव नाथर ॥ ६ ॥ ऊगि निरु तग नलि तका डी क वाग
 मति तिन सविशक ॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ॥ हिला विवा सया क

॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ॥
 ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥

वय नीडा कस थ स लाक ॥ २ ॥ मनर नवन जग तड धन न
 की वि नान मइ रुपायाक ॥ ३ ॥ दयातया रग तप नीन च्या या
 क कि पालिस सधम जीन थाक ॥ ४ ॥ माया साहा लार कुध
 काम अधर्म धूमी सन जीग ताल तक ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥
 जन कि नया यरुयक थलित नदान विडा गलक ॥ १ ॥ ॥ राजा दा
 सया विनति ६६ रनव पापि दू धन की याक ॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥
 ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ॥ नाग ॥ नाम करी ॥ वज्रति ॥ ऊऊय कर्मि हवानी को
 थपिथी वी झाक ॥ ६ ॥ वाग मति तिन सस रयी नव पूर्व तस्थ द

॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ॥
 ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥

वीगन. लिग. काडा. मन. न. सी. चा. ह. मा. यी. १ ॥ का. ति. जि. वि. न. ति. ह. ह.
 स. सा. ल. या. इ. व. न. ती. ल. म. ल. पि. इ. व. ह. त. का. डा. ज. क. या. मा. यी. २ ॥
 हा. डा. दा. स. या. म. न. स. द. वी. द. न. स. न. ला. य. त. ला. क. पा. द. र. द. य. ग. नी.
 व. म. हा. डा. मा. यी. ३ ॥ फ. २३४ ॥ ३४४ ॥ ॥ नाम ॥ राज. वि. ज. य.
 वा. ता. ॥ सु. थ. द. न. ना. म. का. सा. ह. नि. ह. न. ग. ग. ध. सा. च. वि. दि. की. या.
 पा. प. ह. क. सा. म. न. ध. ज. न. म. या. सा. द. व. न. ती. व. सी. रु. सा. मा. क.
 ला. क. वी. ष. सी. व. ध. सा. १ ॥ वा. ग. म. ती. मा. ल. क. सा. द. व. पू. जा. हि.
 क. या. सा. ज. य. त. प. थि. न. म. न. त. सा. त. न. म. न. स. उ. म. रु. सा. हा. डा. गु.

(सिद्ध न विरुति प्रसा ॥ मा
 (सिद्ध न विरुति प्रसा ॥ मा

ली. वि. यी. आ. सा. पू. न. या. यि. थ. या. ह. कि. रु. सा. २ ॥ पं. च. ना. नी. ह. व.
 उ. सा. हा. व. मा. हा. दे. व. सा. सा. द. क. पा. प. रु. यि. र. म. प्र. या. सा. ज. ल.
 ध. व. न. हा. स. मा. सा. ह. न. थ. ध. व. न. न. थ. सा. न. प. न. ध. व. न. च. का. रु. का.
 सा. ३ ॥ प. न. म. ध. व. न. या. त. सा. क. ल. ध. व. न. म. कि. वि. सा. द. या. रु. पा. ज.
 ग. ना. थ. त. सा. पू. न. ज. न्म. म. म्वा. क. सा. हा. डा. दा. स. का. गु. धी. सा. ध. व.
 नी. न. पू. न. या. हा. वी. सा. ४ ॥ फ. २३५ ॥ ३४४ ॥ ॥ नाम ॥ का. ला.
 ष. ना. नी. न. व. ना. ही. त. ध. ती. थ. मा. यी. ५ ॥ जा. नि. नि. लि. त. का. डा.
 सि. मा. न. क. य. का. डा. न. स. न. थ. म. वि. श्वा. हा. डा. सा. य. न. रु. यी. क. न. व.

(का. न. थ. ले. जि. वि. न. नि.
 (का. न. थ. ले. जि. वि. न. नि.

त्रिंशत्श्रीकृष्णदय्याख्यदकाभाचक्रुडा ॥ १ ॥ एगगपनीयडा
 कननादयागडा कानागुपनयादावीडा ककमराडा दा
 सुकीयालीदनसनवीरु निगुदीसिगयाडा ॥ २ ॥ फ ॥ २३७
 ॥ ३८४ ॥ ॥ नाग ॥ एथाहनी ॥ पुता ॥ मागा कालिकैरुधः
 ध्वनी विडा न्यासा ॥ ह ॥ ५ ॥ सुदीसिं सासाचीन जिर्वसा ॥ इ
 घनतातकसा विपतीइसा संपतितीसा वालषकीपडा
 धासा ॥ ह ॥ मागा ॥ १ ॥ वयनीडासा तनयागसा सुउलरुतक
 सा ॥ एयरुलसा लषययासा कालिकायादयादसा ॥ ह ॥ मागा

॥ पासा म न न म क ॥ सा ॥
 ॥ मागा कालिकैरुधः ॥

॥ २ ॥ पायन ॥ सा पाइके दसा धर्मकर्मया कसा मरिमया
 सारिगुया कसा ग्धन स इहिना वीसा ॥ ह ॥ मागा ॥ ३ ॥ कमयापा
 सा मकन कसा ननक मई कसा मडाल ग्धसा सासिन म्वासा
 कमन मथीयकसा ॥ ह ॥ मागा ॥ ४ ॥ इया रागसा रिंक क मासा
 एगगी रिंक यासा चैथलषसा सीबुम्या कसा ककमराडा
 दास ॥ ह ॥ मागा ॥ ५ ॥ फ ॥ २३८ ॥ ३८४ ॥ ॥ नाग ॥ नग ॥ ता गद ॥
 माहा माया जागिनी गं सागुपिथ नावान लूती कध्वनी लूति
 दवी विष्णु मणि धीस ॥ १ ॥ नूड धात्रा पिथ गधं वूद थूका

॥ गं गं गं गं गं गं ॥
 ॥ मागा पाशाडागीनी ॥

तिलीगंजं वृदी पया कर्तु वीत्र थ प्रक प्र रुकं ॥ २ ॥ मा हा
 द व र ग व ती विद्या धु द वी चांठ न न्य क द व ग न लिका लू
 ती ध वी अ र्क ॥ ३ ॥ सै सा ल न रु ज ल ध्य ०० ० व नी या च न नं रु
 र्क या म न पू न या हा वी डा स दा का ली ॥ ४ ॥ रा डा दा स झा क
 ठ ठ मा हा पू न्य कृ ग न स उ म या त न म न द वी स क मि मी
 स न ॥ ५ ॥ ॥ २३८ ॥ ३८४ ॥ ॥ रा ग ॥ प थ मी ज लि ॥ प गा ॥
 व्या कृ स ॥ पा सा प नी म न कं ला को ला रु लू डा न व्या कृ च्या
 कृ प ति स्थ उ म व्या कृ स ॥ ६ ॥ ॥ ज ग त या मा म स क मि सै रु ज

१ साधव आसाम वि
१ व्यास पासाम प नी

तपूगीनीनंदीनीकूझात्रीचंदीकालीस्थउम॥च्याडूस॥
 ॥१॥मिमीसनसिसोखानरुकाऊनोऊन॥धर्मरुथपू
 जायायलडाहकिंतया॥च्याडूस॥२॥दापाथयमहाला
 डाऊपगपयाय॥दडाउलइयमालननमनयाडा॥च्या
 डूस॥३॥काकलाडादासषडास्थउमइयंरिडा॥मिमीम
 नपूनयोहहानपासा नूया॥च्याडूस॥४॥ऊ॥२३२॥उर
 नागापहनीया॥५॥४॥माधवसर्वकसाहउहिजगगक
 नाथ॥६॥एगउमनएगनवसलकननलाडादासकर

ॐ नमो भगवते ॥ मा
माधव नमो ॥

गं पू का न ॥ २४० ॥ फ ॥ ग्वदा ॥ फ ॥ ३९४ ॥ ॥ राग ॥ सारंग ॥ च
उमान ॥ ग्वदा ॥ ॥ श्री हन संकरं उम उधन कजगन क
मवाक एव साग्र मे रा ॥ ॥ यो रा सि जा नि म्व ज न्म कौ रा रा
डा दा सक ॥ फ ॥ २४१ ॥ ३९४ ॥ ॥ राग ॥ गेरी ॥ धाता ॥ श्री
रु रु के नान ती की ऊ ॥ ध्र ॥ ज ना द न मू रू द मा रु न लाल
क उल सी ना ना य ल ए जा ल यी ॥ १ ॥ गी री धा री मू रा री
लाल वी री की गल म्व वन माली जयं ती की ॥ २ ॥ ए डा दा
स ग म डा य श्री न ती हरी के सु मी रा नन्द लाल सब का ही

॥ गगनद गमना ॥ गा
॥ गगनविन्द लज नया ॥

॥ ३ ॥ फ ॥ २४२ ॥ उरु ॥ नाग ॥ मालूधनाथी ॥ यकता
 गमविन्द एजने याडा आनती नमा ॥ ५ ॥ धोइइ लउं धल
 पूया नायक रुका नल लथया दा ॥ १ ॥ कलीस रुफ रुक
 लीया नायक मिषू दाल गवर्पि लीक ॥ २ ॥ ग्वापिनी दका
 या पानया नायक थाडा वृसी नस याक ॥ ३ ॥ पिथियाण
 नक गायण नायक इरु दका रुक स्याक ॥ ४ ॥ पापिन
 दका या पाघरु की दक जगग उधाल याक ॥ ५ ॥ पीरु
 रु यादास लाउन झाक रुफ नाम काडा साक ॥ ६ ॥
 ॥ फ ॥ २४३ ॥ उरु ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

सुनागामं दिना ॥ मा
सुउट दासक ॥

नाग ॥ मा लूधनाथी ॥ षडतीतास ॥ सुउट दासक विनिक
ना ॥ सु ॥ रग्न कूल कुंगय ॥ गमेडा सुवका नगय ॥ थक न
दासक कुंगय सुउट ॥ १ ॥ यगनी ॥ गमेडा क हस सुवच नाडा
ग नाहि सक च नाडा ग सुउट ॥ २ ॥ गमेचला ताडा ग वा
तानही ककु द ष ॥ गमेवा लंग लावा सुन सुउट ॥ ३ ॥ इद का
इह यी यी उ सुव का का धयी ॥ स्याम म्ना डा ॥ गमेच ना डा सु
उट ॥ ४ ॥ मथूना नात्रिक ललि नहि म न थ क स्याम उ
ट वा ला यिल्या सुउट ॥ ५ ॥ हाडा दा सक ह विनतिकि

सुनागामं दिना ॥ मा
सुउट दासक ॥

सुन उर धा द न सुन क फु ध सुउट ॥ ६ ॥ फ ॥ २४४ ॥ उर
नाग सा नथ ॥ पना सा नस क वही लली हस नाहि ॥ सु ॥ वीरु
सी चम कत न्ना जा न द ष ता ग न जय य न धा न पा नी व न स त प उ
न च ल त विन्दा व न हि स्याम संग ॥ १ ॥ ही न ग म म क त वू द प न
ग न स्या यि वा ह प क न क स्याम ह म प न क पा न क न त सा डा न म
हि ना स्व स धि ॥ २ ॥ क ह य र ग डा दा सी सु न ग व पि ना थ वु षा ना ग
ना हि न न क र ति मा ति न दि का लि दि व क र ष र मा पा नी न हि
ह न ॥ ३ ॥ फ ॥ २४५ ॥ उर ॥ ॥ नाग ॥ हिंक्षाल ॥ चरि ॥ साव धी

सुनागामं दिना ॥ मा
सुउट दासक ॥

हानमानू जन्म सागन तना ॥ ५ ॥ लाव वड नासी जानि म्हा रु न
 कं रु न कं जन्मा जती सती नन म न न यतिन नाहि जन्म ॥ १ ॥
 दान कीय स्वाह गता ग्ध पाप कीय सा दुगा ग्ध पन पीदा क न
 इ गा ग्ध उप को नी ना जन्म ॥ २ ॥ माया मोह लोह का ध क का
 म म्र ध म कं कं ना ह नी ह न नाम सु नि ना सागन पा न त न ल्य ॥
 ॥ ३ ॥ लाडा दास कहं सुन हा मानू उ म क थिं स र्ग्या मि थि पा डा
 नाम नाम कं ज म कं हा सि कं ना ल्य ॥ ४ ॥ ॥ २ ४ ॥ ३ ४ ॥ ॥ ७ ॥
 नाम ॥ हिं दाल ॥ चा गाल ॥ थ म न कं दानि लयि चल ज ग ना थ स

१ वा क न ना धा जि ॥ मा
 २ थ म न कं दानि ॥

मि ना थ म न कं दानि ॥ ५ ॥ ग म ग क सदा वृ ति घाय ना त कं उ न
 कं ध न न ही रु ज न क री का नाम ना डाले ना नि त उ थि न जाना ॥
 ॥ १ ॥ ध र्म कं ना डाल प न वे थ सागन जा ग उ थ लायी ॥ मि थ वृ त कः
 का दान पू न्य कृ ना न्र थ न ना ला जाना ॥ २ ॥ म्र थ न ना ना जी किः
 कं क ना ध न वे थ उ पा स क री ॥ ष व प र ल ग म उा ही वा ला ढीः
 ग म पू सि ना जी हा जा ग ॥ ३ ॥ ना क न सिं ह द न उा जा कुा दी या पू ग
 रु रु र लायी ॥ दं द उा त क का द न स न क ना ज गी ना थ स्वा मि का ॥
 ॥ ४ ॥ कह दा स ला डा कं प र पू न्खा ती ग ह ज गी ना प ति ग डः

॥ न. एव सागत्र. क. ज. ग. ना. ध. क. पा. ना. ॥ ७ ॥ फ. ॥ २४८ ॥ ७४४ ॥
 ॥ नाग ॥ हि. क्षा. ल. ॥ च. ति. ॥ वा. ल. ज. अ. त्री. वा. य. सि. पा. ही. का. मा. त्र. ज. अ. त्री.
 ॥ ५ ॥ आ. ल. य. पा. क. य. क. त. न. ग. ना. ही. द. धा. त्र. सा. त्र. क. त्र. क. व. द. हा. हा. गी.
 ॥ १ ॥ ए. वा. य. या. त्री. म. क. म. त्र. य. वि. ना. ना. क. त्र. वा. प. दा. दा. पु. रु. क. त्री. ग.
 यी. ॥ २ ॥ का. रु. क. ना. रु. क. जी. उ. का. द. त. या. र्म. त्र. या. र्म. त्र. जी. उ. र. व. व. दा.
 नी. ॥ ३ ॥ उ. आ. ग. च. ला. उ. त. र्म. त्र. पि. क. ह. मा. त्र. उ. आ. ग. मा. यी. क.
 ह. म. मा. त्री. ॥ ४ ॥ इ. न. न. मा. त्र. कि. इ. उ. य. सा. थ. म. त्र. ग. रु. ग. व. ती. म्वाः
 रु. इ. क. दि. यी. ॥ ५ ॥ द. वि. क. दा. स. रा. उ. क. ह. सु. ना. रा. यि. त्र. पी. क. प. ग.

॥ ना. हि. द. सि. पा. ही. ॥ ७ ॥ फ. ॥ २४८ ॥ ७४४ ॥ ॥ नाग ॥ व. सं. क. ॥ प. ता.
 म. न. उ. नी. उ. या. क. जि. चा. न. कि. न. स. र्वा. ॥ ५ ॥ उ. यि. उ. यि. हि. द. थ.
 नी. क. ल. म. उ. क. ति. चा. प. प. ह. ल. ज. उ. रु. न. उ. न. स. र्वा. सी. ति. ॥ १ ॥
 थ. लि. म. कि. वि. न. ति. जी. द. ध. कि. न. र. ति. अ. व. ला. या. म. न. पू. त्र. या.
 उ. का. न. रु. ही. ॥ २ ॥ रु. नी. रु. नी. प. ल. रु. या. ध. र्म. म. इ. रु. नी. रा. उ. दा. सि.
 या. रा. उ. म. य. म. त्र. कि. न. थ. ली. ॥ ३ ॥ फ. ॥ २४८ ॥ ७४४ ॥ ॥ नाग ॥
 व. सं. क. ॥ प. ता. स. व. च. ली. र. व. ली. व. न. रु. ल. गा. त्रि. ल्या. यी. ॥ ५ ॥ व. सं. ग. स.
 म. य. रु. यी. ना. ना. रु. ल. रु. ली. व. न. व. लि. क. त. न. की. स. व. न. ग. रु. सी. ॥ १ ॥

वनी, वनी, दुलगात्री, आप आपमानी, काहिमात्रि, दुलसुगी, म
 त्रिच्छातिदुली ॥ २ ॥ सविदरिभत्रिच्छाति, कविकउाउसी, प
 किनहिदुखहाति, स्यामक, दवायी ॥ ३ ॥ पगमनीकाधलगी,
 चलीनहिजाति, पूछमन, वालासखी, जवहमवची ॥ ४ ॥ रुनि:
 तत, कृष्णायी, नाखक, गवदली, पगकाधनिकालली, तन
 इनदखी ॥ ५ ॥ नाखक, कृष्णसकनी, वनकदाखली, सवनस,
 नगहाली, कुतनही ॥ ६ ॥ राउ, दासि, कहयकी, पानमनिने
 वी, पुरमन, कृष्ण, उही, नूउा नहिकाही ॥ ७ ॥ फ ॥ २५० ॥ उरु ॥

२५१ ॥ उरु ॥ ४ ॥
 २५१ ॥ उरु ॥ ४ ॥
 २५१ ॥ उरु ॥ ४ ॥

२५१ ॥ उरु ॥ ४ ॥ नाग ॥ वसंक ॥ पता ॥ हपूरु, उानमनकीपनि, उम हाउा ॥
 ॥ फ ॥ चानग, थथनि जिउा, यकातउा, चाकहाय, थउाय, थ
 नसर्गयाउा ॥ १ ॥ वकिहने, दकि जिउा, किविनाउा, चितः
 किके, मनउास्थ, सहयामरुउा ॥ २ ॥ दासिराउा, झाकठउा
 कान, रुउा, मिसाजाति, यामनस्थ, यथमि, तथउा ॥ ३ ॥ फ ॥
 २५१ ॥ उरु ॥ ४ ॥ नाग ॥ वसंक ॥ पता ॥ हातिखलि, मनि
 जाय, पुर जिहमानी ॥ फ ॥ लूकमिनि, पकनधि, कथत्रिम,
 वाहिनके नहि रुजा, उातिदषसखी, गवपिसवदखनहि, वा

हिनक. आउयगी. पिचकात्रि. मूख. पनी लायी ॥ १ ॥ रुत्रि
 त्रिपिचकात्रि. लियली यदुयल. नूगत्र. चउम. नूवित्रगुलाली
 नचमग. गमडागत. रुगुसव. खलि. नही. अहिविच. परुकेः
 सिजायी ॥ २ ॥ वऊगत. मूदंगकि. मिथिवांलि. सुनितन. नः
 हिनऊउम. रुमचली. कहयक. राउदासि. पूकोनगिहाः
 लिखलि. सुवनस. नंगकत्रि. आयि ॥ ३ ॥ फ ॥ २५२ ॥ ३९४ ॥
 रनाग ॥ वंक्ष ॥ ॥ साअरुय. स्वामिन. डाक. लाहा. जिला. ग्य
 नय. साअ. हाकूर. बाल. उया. नूय ॥ ५ ॥ लक्षि. आमा. रु. छिन
 न. न. सा

१॥ लातजित, आडा, लखा काया वल क्षया, खालजिन, सायन ॥ १ ॥
 जिववा, माम, रुनन, क्वायमठवयाडा, क्वापाठवयावियडासा, च्वा
 स्रष्टालला ॥ २ ॥ सरुया, धाल, सानन न्याकंकपतीडा! ह
 काहका, डा ॥ सता, चाक, थडा मातन ॥ ३ ॥ थडा, क्लि, लाडा, चानि
 न, मिखा, निखरिडा! लाहया, नाडा, डा, ना, मिखा, सिक, लातन
 ॥ ४ ॥ यथं, याडा, सनिन, वानि, मरिं, चिडा! पत, पू, स्थ, घस, पू
 स्थ, नान, क्लिन, वानि ॥ ५ ॥ मरुया, क्षय, मइ, न, मिता, भूवला
 डा! दासी, लाडा, क्वाक, ठस, वाय, मत, जिडा ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ २५ ॥

१ सि स्य न ड सी य न ॥ मा
२ सो न म ड य मा मी क न ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

१ नाग ॥ वसंक्त ॥ लालमन, पूसा मि, कीन, दंठा चाठा, धन प्रवा
नडाऊं एरु थनि च्छन ॥ ५ ॥ पिनया खापा, खन प्र, तालकिन
सडा ॥ धम हान या, सलताया, कथमइन डान प्र ॥ १ ॥ लूही हाग,
खव पति प्र, वाता सलिचाडा ॥ लासा लाया, विडा खना, धाऊ चूक
लिंगु प्र ॥ २ ॥ वयपा, साक, लिंक, खऊ, डाल, कुडा ॥ ताकू इइः
लिंगु, धोडा, थडाय कनल प्र ॥ ३ ॥ थूलिया, थूलिया, स्वय धू
ना प्र, लिपकू लडाल, थू गुर्ह नी सठ मि सा, मत सने, काय प्र ॥
॥ ४ ॥ फ ॥ २ ॥ ७ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ॥ नाग ॥ रंनवं ॥ वंधा ॥ माधव

वै. सि. द. ना.

人等亦不

किनीदखू लिनाहि, लोत्रलय, उधव, उथमयी ॥ ५ ॥ मरुगोउथ
गठ, कष, जि, दष, टट, मखपन, सिं इगमजलीगी, गंगमजल
ल्याय, मखानविंइ, धाय, उधव, कप्रलमाल, पूछी ॥ १ ॥ ज
वसनरुगत, पुरुका, दनहीन, कन, लोक, लोक, सबआयी
कहलाउादास, खपाल, खविन्दक, जगता, उरु, नाथनिहारी
॥ २ ॥ फा ॥ २० ॥ ३० ॥ ४० ॥ ५० ॥ ६० ॥ ७० ॥ ८० ॥ ९० ॥ १०० ॥
नख, दंव, वाऊत, छिमछिमछिमकन, कनतथूगदीम, क
नाचतता, नाचतता, धूमीत, धूमीत, काठमालि, लियीगमउ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ मा

न. गीतग ॥ १ ॥ लालानाथ. सवकय. गतउहिदुयी. करुयक.
लाडांदास. कापूररुहिव ॥ २ ॥ फा ॥ २५० ॥ ३४४ ॥ ॥ नाम ॥ ना
ऊविजय ॥ वंधा ॥ कोनगति. मोनादखजननी. माहा माया ॥ फ्र ॥
कवनम. कवनम. सवम्वन. कम. काटिकाटि अपनारुकेल ॥ १ ॥
धनमक. कवनम. ककु. नहिकियल. लाएल. लीन. गसवर. खाधि
॥ शरणा नकवक. उडाचननक. दहामक. कवहील. उम ॥ ३ ॥
करुयक. लाडा. क. क. क. क. इख. ह. ए. वा. नि. ह. न. म. न. इख ॥ ४ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ मा

उडाचनलककसउमक. नामक. नाखिनहा. रुगवती. उडा ॥
॥ ज ॥ फा ॥ २५१ ॥ ३४४ ॥ ॥ रागा ॥ नाजविजय ॥ वंधा ॥ ६३३३
रुवानि. कागी. विनति. की. पापिया ॥ फ्र ॥ गननम. खनन. ति
नथ. सनान. छि. पालिया. चलतिन. गमक ॥ १ ॥ अखदक.
रुगक. विडा. छिन. कथ. पापदक. रुगक. क. क. ॥ २ ॥
दक. रुवन. सस. मइ. जिग. थम. स. वा. सति. डा. छि. च. न. ल. का.
स ॥ ३ ॥ मननम. म. रु. रु. न. अ. ति. इ. ख. झा. क. या. डा. इ. नि.
दे. वि. जि. ड. ध. ल. ॥ ४ ॥ थू. गु. ऊ. न. म. ला. डा. न. य. क. इ. ख. सी. ल.

विनेति कि पाणि ॥ मा
॥ ज हा ज मा नी ॥

लीपजन्म गवधलस म्वाक ॥ ज ॥ फ ॥ २ ॥ ६ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ॥ नाग ॥
 ॥ कादना ॥ स र्वा ॥ कयजयमानी रुवानी स्थतवाहि मानध्व
 ॥ श्री ॥ अरयवतदानी कल्यानी ॥ फ ॥ दानव इष्ट कि विनासि
 नि र्क प्रतिपालिनिह गलमं तु माला हाथ प्रपसाथ ह
 तगनह ॥ १ ॥ नृन कि गान नि कस्तु इष रय रुनी देविह
 जागजागि नूपा जाति नूपी जागमाया रुहिह ॥ २ ॥ राडा दो
 सकही सुनि सयि रुगवति दयानिह काटि अपराध माप
 कन वासुध गलत्रह ॥ ३ ॥ फ ॥ २ ॥ ६ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ॥

॥ देमायी सतवा नाहि ॥ मा ॥ र वल गवन
 ॥ देमायी सतवा नाहि ॥ मा ॥ र वल गवन

॥ नाग ॥ वलासी ॥ प्रता ॥ हमायी स्थतवा नाही मानध्व श्री पासि
 माकास त्रसने विष्णु क जागिनी लिग कस्य ॥ फ ॥ प्रमावति रु
 सि वसिध तनदी निगुलि दधु सपीथ त्रवे जराडा मास वासः
 ल दिगुल वाल सुखि हडागस्य ॥ १ ॥ उतत्रदिगस नामपन
 कास पगुलि पीथयाइनत्र ॥ ०० ॥ रुध्वन सिवसि स जगाधः
 त्रि रुगत पनिस जास्य ॥ २ ॥ विनेति रुद्र न चिचन हंगती वि
 डाजित रुवानि चिचन न तलवहाइन नृपति नलाक जगगड
 धत्रयास्य ॥ ३ ॥ फ ॥ २ ॥ ६ ॥ ४ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ॥ नाग ॥ काहि ॥ चति ॥

॥ मं मं मं ॥

खिलगवनगयी नही नप्या न॥ ५॥ चानूपहनगयी, नूगनतह
मनही सामरय पन॥ आय आय आय आय आय आय आय आय
य॥ १॥ धाडातचली आयी मिलतंत परुयही, आडा घनचल
मनमनमनमनमनमनमनमनमन॥ २॥ जानपियात्रिमनी
मनन विनति, उही वातककु कह मिथि मिथिमिथिमिथि
मिथिमिथिमिथिमिथि॥ ३॥ पानवूस वायकी, पकी पकिआ
पनखी, दखसवमन॥ मउम मउम मउम मउम मउम मउम मउम
मउम॥ ४॥ रुसिदात पालकी लतकत, मागि दूदी स्यामचलचः

धायनघनघनघनघनघनघनघन॥ ५॥ पलंगकनकी उ
पन स्यामखली, संगरुमन॥ धव धव धव धव धव धव धव धव
धव धव धव धव॥ ६॥ आनघासूनककी, उममऊनगिलऊः
सी स्यामरुमइना, खलिखलिखलिखलिखलिखलिखलिखलिखलि
॥ ७॥ साहवकनगी जवलरुहमखसी, नागदीनकन नसनस
नसनसनसनसनसनसन॥ ८॥ कहत राडादासी, कं प्रहरगम
पिनाथ, नखमकताह, चनहासनन पन, गहलकनरुम॥ ९॥
॥ १०॥ ॥ ११॥ ॥ १२॥ ॥ १३॥ ॥ १४॥ ॥ १५॥ ॥ १६॥ ॥ १७॥ ॥ १८॥ ॥ १९॥ ॥ २०॥ ॥ २१॥ ॥ २२॥ ॥ २३॥ ॥ २४॥ ॥ २५॥ ॥ २६॥ ॥ २७॥ ॥ २८॥ ॥ २९॥ ॥ ३०॥ ॥ ३१॥ ॥ ३२॥ ॥ ३३॥ ॥ ३४॥ ॥ ३५॥ ॥ ३६॥ ॥ ३७॥ ॥ ३८॥ ॥ ३९॥ ॥ ४०॥ ॥ ४१॥ ॥ ४२॥ ॥ ४३॥ ॥ ४४॥ ॥ ४५॥ ॥ ४६॥ ॥ ४७॥ ॥ ४८॥ ॥ ४९॥ ॥ ५०॥ ॥ ५१॥ ॥ ५२॥ ॥ ५३॥ ॥ ५४॥ ॥ ५५॥ ॥ ५६॥ ॥ ५७॥ ॥ ५८॥ ॥ ५९॥ ॥ ६०॥ ॥ ६१॥ ॥ ६२॥ ॥ ६३॥ ॥ ६४॥ ॥ ६५॥ ॥ ६६॥ ॥ ६७॥ ॥ ६८॥ ॥ ६९॥ ॥ ७०॥ ॥ ७१॥ ॥ ७२॥ ॥ ७३॥ ॥ ७४॥ ॥ ७५॥ ॥ ७६॥ ॥ ७७॥ ॥ ७८॥ ॥ ७९॥ ॥ ८०॥ ॥ ८१॥ ॥ ८२॥ ॥ ८३॥ ॥ ८४॥ ॥ ८५॥ ॥ ८६॥ ॥ ८७॥ ॥ ८८॥ ॥ ८९॥ ॥ ९०॥ ॥ ९१॥ ॥ ९२॥ ॥ ९३॥ ॥ ९४॥ ॥ ९५॥ ॥ ९६॥ ॥ ९७॥ ॥ ९८॥ ॥ ९९॥ ॥ १००॥

॥ वाजगजं नं ॥
॥ मंगलकन॥

[illegible]

र नाग ॥ ॥ पूज्यमदम ॥ रुजलपमिमीस्थन दगूलपूजायामा
लदकवस्तिमूनाइथपूथदसंकालन ॥ १ ॥ प्रणि प्रणिदाम

१ नमस्तुभ्यो नमः
१२ ऊत्तप नमिषि नमः

जाकी झायमालकक, सुथत अलनद्रपां, दिननूकल गिया व
 दू॥ २॥ वयपि अक स गता, च्याता अल पासा, हाता अल खाय
 मा द्वा उपदयक रुकात अनू॥ ३॥ हिन कस्वया अछा अ, बाह
 न चाल सु, यन मा अता यिन स, मिस द गल स ता कि नू॥ ४॥ स प
 तरु थिक अति, निग लया विल, मिग तल अल वू झा, उम उ पा उ
 मद णी छानू॥ ५॥ अइ उम लक ल पकी, पंच पता दिसि, चित अ
 लन माल द्वा, सिसा वू सा, हिं हिं दे कि नू॥ ६॥ लिल सि (ध), माल
 दू अ, निग निक हि अ, क सक दिने व थी ला, अस निक गू लि ती
 अनू॥ ७॥ मधि च धि अल कू अ, सक ती अल न, हिन क दय कि:

यासा, धीविमिथियामगंधान॥८॥ थडाइगूडासहिं गू इथ
नपनाडा, मूचावाचा, धीदलपा, गिसानतियकाडा नन॥९॥
ऊऊंमका, काखागम, कि की पामं डुक, लयाखगसधगधात
यागिसादकातिकं न॥१०॥ धूपदिपमस्यालचा, थकालिः
नाकूल, मिऊं पनिहूतया, पत्रिउमलसकलनन॥११॥
पूजाउलि, पूजायाक, थकूलनिखिता, १२५६ सखेनपू
जा, विधिके मयामालन॥१२॥ कायमचा, रलिमचा, लस
षसयाना, इतवानंद, गूलस, दनसनयातकिं डान॥१३॥

थकालिकथन, ऊप्य, यज्ञा मूर्ति करय, कि गवलन पूजायायम
नकामना, छानाकान॥१४॥ पूजाधूनका, स्वीकाका, थकालि
कथन, विथेतियस्वानका, का, के जिं थजी सिउमयायन॥१५॥
पूत्रस्वानयाठाडाका, यायधूनकाडा, थमवययाडाहका, द
का, कायाएऊनयन॥१६॥ नूडालित विष्णुकिंडा, मस्यालः
वानाडा, वालसस, रथनकाडा, १७४५ पूजायाडा, के डी न
॥१७॥ पंडूखस्मिदकहना, पालवावियाडा, धीगूसक विदाका
या, थडात्रऊगमलयाडान॥१८॥ नलवाहाइत्रसाह, निपतिन
झाक, एडादास, नविनती, खगूयाक ६६ लाकन॥१९॥ नडाख

कहनेवा
जाननेवा

धुपनं बुझ सात समुद्र न मिति दहा अक्षतान पृथि संवत्स
सत्था खन ॥ २० ॥ फा ॥ उरं ॥ २३ ॥ नाग ॥ कहनेवा ॥
जाननेवा ले माया अ यात्र प्यात्र ॥ ५ ॥ इनद स देखत जनद
तं धु उम किनात्रि कालि तनी ॥ १ ॥ वनि वनि आख कि सुन
त त हाना मृग कि ऊसि नेनी ॥ २ ॥ तनि इन सुन की कर ह न
नही कुडाती मक नागी ॥ ३ ॥ पकि पकि धल क इ ॥ ४ ॥ ग तुल्य
यि व इत न स आयी ॥ ४ ॥ एक ले वि म कुत्रि सह गत ल्या यि
अट लि का थि पथी ॥ ५ ॥ कथ त्रि कि रित त्रि खल त व नही म

कहनेवा
जाननेवा

कुत्रि मनि गयी ॥ ५ ॥ चात लगी घार यी सिन दु ति गयी नि क
सि सव मीनी ॥ १ ॥ घसि घसि आख दी लग यि जि आगी आख
दी उम दयी ॥ ८ ॥ फा ॥ २५ ॥ उर ॥ ४ ॥ नाग ॥ कहनेवा ॥
॥ वान न लाखा ल्या श्या जी रं थ न ॥ ५ ॥ कन नू प जी र न
ख ह न म त हा उ म य ड थ नि जी ड ॥ १ ॥ एति रु ति ह व लखा
ल क म त हा घ स पू ना ड त य ॥ २ ॥ द्वि लि द्वि लि ॥ ४ ॥ उ म
सू क म त हा पू ड सि झा उ अ ती ॥ ३ ॥ म ति म र्ति क न क क ठ
न म त हा ल क उ पू पू य न ॥ ४ ॥ म डिं म डिं अ वा सि डि न कि
म त हा रि न क ति की जी न ॥ ५ ॥ प्रति प्रति हा क ल ता ता पा म त हा हा

मल, हाकवल ॥ ६ ॥ वाह मिखा, लाउन, सजन, मतहा, मूद सः ॥ ७ ॥
 ह जीत ॥ ८ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥
 ऊक ॥ ८१ ॥ ऊक न किन मालन, चाकिन, मतहा, ग ॥ ८२ ॥ न स ह या
 यू ॥ ८३ ॥ न स व स या हा न, व ॥ ८४ ॥ न, मतहा, म्ये पि हा कृ प, क न
 ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥
 डीन वी ॥ १०१ ॥ चान किन, जि पा ॥ १०२ ॥ पू न ख, मतहा, ता व न
 मत च्छीन ॥ १०३ ॥ १०४ ॥ १०५ ॥ १०६ ॥ १०७ ॥ १०८ ॥ १०९ ॥ ११० ॥
 लि ॥ १११ ॥ ११२ ॥ ११३ ॥ ११४ ॥ ११५ ॥ ११६ ॥ ११७ ॥ ११८ ॥ ११९ ॥ १२० ॥
 ॥ वात पू नी स, न स ने स क नी, सृ ति सृ ति, वा हीः

वू नी हा ॥ १ ॥ पान स या नी, मूष प न, दा नी, रु सि रु सि वा ही वू नी
 हा ॥ २ ॥ पा व नू ये या न ग्द ह म द यी, ना त दि न वा ही वू नी हा ॥
 ॥ ३ ॥ वा द वा द नी क रु न क्का द नी, धु सि धु सि वा ही वू नी हा ॥ ४ ॥
 चा स ल हि की, रु रु नि पु म नी, वा त्रि हा त्रि वा ही वू नी हा ॥ ५ ॥
 लाल, गू लाली, खू स वा य, आ यी, क्लि त क र, वा ही वू नी हा ॥ ६ ॥
 हा थ, रु कि, ल उा नो म न की, ग य ग य वा ही वू नी हा ॥ ७ ॥ मा हा
 ना उ, की, इ क म हा ग यी, जी उ ॥ ८ ॥ वा ही वू नी हा ॥ ९ ॥ १० ॥
 ॥ २०० ॥ १०१ ॥ १०२ ॥ १०३ ॥ १०४ ॥ १०५ ॥ १०६ ॥ १०७ ॥ १०८ ॥ १०९ ॥ ११० ॥
 ॥ नाग ॥ ॥ द खो र ना वू न रु ला
 द खो रु ला, लो ना रु ला, ग्व त्रि ग्व त्रि ग्व त्रि, त त्रि वू नी, चि क ना यी

॥ १०१ ॥ १०२ ॥ १०३ ॥ १०४ ॥ १०५ ॥ १०६ ॥ १०७ ॥ १०८ ॥ १०९ ॥ ११० ॥

निकलती नका ॥ १ ॥ गनितनिचाही मतिदनी, गपगप धेधती लोना
 ॥ २ ॥ वादिवादि रूति वृत्ति तनि, लाद आनदन धेधिमना ॥ ३ ॥ रु
 ति रूति गयी, दखवनी, यसिद्यसि, उमउंखलग ॥ ४ ॥ घनि
 घनि वलाचा दायिकि, पकपक नसनस, चादा ॥ ५ ॥ चलचः
 लुगलिकथनी की, सगपणपि अण्यमना ॥ ६ ॥ ॥ २११ ॥ उरु ॥
 रजाग ॥ वसन ॥ वंध ॥ लागथनी, कानूरु, सखी, चागजाना कु
 किन, हा लियाडा, मिमी ससडास ॥ ७ ॥ कपूडा चाग वृति
 न, अगलथनेडा, चडा काया रवा लयिका, काउरवालरुलनः

॥ १ ॥ लुडा का, लुवातानन, नंगलिन गुडा, आसगिया, डाकाया
 ना, त्यामचि वृचाल ॥ २ ॥ हा लआ, अवी, लनन, यसपसपूडा,
 धिथी लाका, लाका हा ला, अवी, अव, लखन ॥ ३ ॥ अतिवी, लात, प
 लन, रुलडास, काउरवाल, हा कू मिखा, ग र्ग्व, प लपति वानन
 ॥ ४ ॥ हाडा दासी नका गन, ६६ गविये गन, गाग, मग, र्ग्वपिना
 थ चानडिन की गन ॥ ५ ॥ ॥ २१२ ॥ उरु ॥ ॥ नाग ॥ याडा ॥
 मयि सियाया, पूडा दम ॥ ॥ गृहा लस वास ह नाम, गरथ्वचा
 ती ॥ ६ ॥ नमारी समालावली, विडा वनदान, धी रिमगदा
 पाही ॥ १ ॥ हा ली पूकी, धून सीली, सितिन घतल, थूगुलि, म हा

वसं ॥ ३ ॥ झाडादसगरध्वअनी, जिपूसासियागदेवन, गिसुदि
स्ति ॥ ३ ॥ कनसजीदगरती, हानमइ, थथि, जोहन, वलसामी
॥ ४ ॥ रवाविवाल, हलखूसी, मनचियसइ, जोहन, वलसामी ॥ ५ ॥
गरधकायपानजिक्की, हनिमखहन, जोहन, वलसामी ॥ ६ ॥ य
सुपूनाअनी, नापलात, मन, जोहन, वलसामी ॥ ७ ॥ दूयि
नीरध्वहनमति, विनहनहुत, जोहन, सितिकी ॥ ८ ॥ चानेकि
नवायमगी, किजीतापयान, जोहन, वलसामी ॥ ९ ॥ किजीनूप
लध्वइमी, चलायागुमिखा, जोहन, वलसामी ॥ १० ॥ जिवीनती ६

पजाहन
हप्रह, ध्वअ, थथि ६ जि, जोहन, वलसामी ॥ ११ ॥ सलगवगन
मिमी, महाजधूहाकी, पूनूख, मर्वखनी ॥ १२ ॥ अतससच
जधू, हायकाअमास, झासस, पूनूषकी ॥ १३ ॥ ठानअन, जसा
खसी, लिध्वहुध्व, रिध्व, ग्वानध्व, ६ ६ हथी ॥ १४ ॥ धनवानह
नखरि, नूपगुनकन, मतठाकी ॥ १५ ॥ दयीवनरालमिमीमि
लहुअ, अनी, जोहन, वलसामी ॥ १६ ॥ टनमदयकमयू, क
नेधअ, गनि, वियातअनमाजी ॥ १७ ॥ धमम, ब्रजा, ब्रवूहया,
दूयिलिणस, हीनगु, यानिमिसि ॥ १८ ॥ तावागालयाइनसः
खापारव, अपिज, मीकंस, करीनस ॥ १९ ॥ थथि ६ गूवचनकी

नृगवज्जुकी. उम जायु मखु कंस ॥ २० ॥ दग्ध द कि दिय झासः
निदरु ना. धम द द मी लिका हा उय ॥ २१ ॥ धर्म कर्म या प्र मा लि
धन क मा य या झास स उ न थ दू ॥ २२ ॥ न नान न उ न मि नी. मा
म व वा सि धा या ठ ठ ध दू सा नि ॥ २३ ॥ पा सा ण नि उ न थ ला मा
ल द का कू चि न धू ना. उा स द कि ॥ २४ ॥ रु स चि कू र घा दू य क. घा य
ल स. द यी. उा ल द न क चा नि ॥ २५ ॥ वा रू मा रू का य ग नी. ह ती वा
उा जा ग. का य उा रु य म ति ॥ २६ ॥ लो चा म य रु र बा ल जी. उा न म
न वा वू दे व न. थ न वो यि ॥ २७ ॥ म स व वा स क सि. सु दू वि दा